हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

साजो सामान साथ ले गए आदिवासी दल

बस्तर का दल अपने साथ ढोल बाजा समेत नृत्य संगीत के सभी साजो सामान साथ ले गए। वे बस्तर की पारंपरिक वेशभूषा के साथ परंपरागत सामान के साथ नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में जीवंत प्रस्तुति देने के लिए सभी जरूरी चीज ले गए हैं।

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%)	= ₹107252/-
22 कैरेट रेट (91.60%)	= ₹130990/-
24 कैरेट रेट (99.99%)	= ₹142988/-

Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
*Conditions apply
anand Jewels
Pandri, Raipur

बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, सामाजिक परंपराओं और बदलते बस्तर की नई तस्वीर को राष्ट्रीय पटल पर प्रस्तुत करने के उद्देश्य से बस्तर के परगना मांझी, चालाकी, समाज प्रमुख, बस्तर पंडुम-2026 के प्रसिद्ध जनजातीय युवा कलाकार, जनजातीय समाज प्रतिनिधि तथा बस्तर के पद्मश्री सम्मान प्राप्तकतार्ओं सहित 164 व्यक्तियों का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को रायपुर से ट्रेन में दिल्ली के लिए रवाना हुआ।

राष्ट्रपति भवन में गूंजेगी नक्सलमुक्त बस्तर की गाथा, आदिवासियों का जत्था हुआ रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

नक्सल खात्मे के बाद भरोसे की उड़ान, राष्ट्रपति भवन में सम्मान पाएंगे बस्तर के 186 मेहमान

यह प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति भवन में 30 जुलाई को आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से मुलाकात करेगा तथा बस्तर की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और सामाजिक व्यवस्था से उन्हें अवगत कराएगा। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य राष्ट्रपति के समक्ष यह संदेश भी रखेंगे कि आज का बस्तर हिंसा और भय की पहचान से ▶▶|शेष पेज 8 पर

रात 11 बजे तक सदन में हुई बहस, आज फिर होगी चर्चा

लोक परीक्षा बिल पर 'संग्राम'

लोकसभा में मंगलवार को लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 रात 11 बजे तक बहस हुई। बुधवार को इस मुद्दे पर चर्चा के बाद वोटिंग होगी। चर्चा के दौरान शिक्षा, छात्र आंदोलनों और सरकारी नीतियों को लेकर तीखी राजनीतिक बहस देखने को मिली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सरकार को कठघरे में खड़ा किया। वहीं, केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा, नए विधेयक से पेपर लीक रोकने में मदद मिलेगी।

पीएम को कैमरा नहीं, बदलना होगा दिल का एंगल : प्रियंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हालिया 'इंस्टाग्राम' वीडियो को लेकर मंगलवार को लोकसभा में उन पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि यदि सरकार को 'जेन जेड' का भरोसा जीतना है तो उन्हें 'कैमरे का एंगल' नहीं, बल्कि 'दिल का एंगल' भी बदलना पड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को इसका जवाब देना चाहिए कि किसके आदेश पर छात्रों के खिलाफ पैलेट गन का इस्तेमाल ▶▶|शेष पेज 8 पर

अखिलेश ने भाजपा पर कसा तंज

सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा देने को लेकर भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि उसने प्रधान का त्यागपत्र लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बचा लिया। उन्होंने कहा, जो राम मंदिर में चढ़ावा चोरी नहीं रोक पाए, वो पेपर लीक भला कैसे रोक पाएंगे।

पैलेट गन का आदेश किसने दिया था

कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने लोकसभा में परीक्षा प्रश्नपत्र निरोधक कानून को मोदी सरकार की 'विफलता का स्मारक' करार दिया। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को सदन में इसका जवाब देना चाहिए कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर पैलेट गन के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया था।

छात्र कल्याण के प्रति सरकार सजग, कर रहे कठोर प्रावधान

नीट प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे की पृष्ठभूमि में सरकार ने कहा कि पहले भी देश के विभिन्न राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकारों में परीक्षाओं में गड़बड़ी और प्रश्नपत्र लीक के मामले सामने आते रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार छात्रों के कल्याण की प्रति गहरी प्रतिबद्धता के साथ लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक 2026 लेकर आई है। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ कड़े प्रावधान ▶▶|शेष पेज 8 पर

सौ पेपर लीक करवाकर आंदोलन करने चले : ठाकुर

अनुराग ठाकुर ने कहा कि ये समाजवादी पार्टी है। न यहां रूल बनाते हैं, ना रूल मानते हैं। ये रूल तोड़ने वाले हैं। चार मौके ऐसे आए, जब आयोग को अपने फैसले बदलने पड़े। सेवा आयोग ने 2012 की सारी कॉपियां जला दी गईं। सपा से पूछिए आरटीआई। इनकी हालत वो है, सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली।

रिजिजू ने दिलाई इमरजेंसी की याद

अखिलेश यादव को किरेन रिजिजू ने टोका और कहा कि आप ये बता दीजिए कि आंदोलन के बाद बिल लेकर आना अच्छा है या आंदोलन को कुचलने के लिए इमरजेंसी लगा देना अच्छा है।

प्रियंका का जोशी पर कमेंट, संसद में हंगामा

कांग्रेस महासचिव ने बिलकीस बानो मामले में दोषियों को जमानत मिलने से संबंधित एक अखबार में प्रकाशित खबर का हवाला देते हुए लोकसभा में शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी को लेकर कुछ टिप्पणी की थी, जिसे कार्यवाही से हटा दिया गया। इसपर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने आपत्ति जताते हुए कहा कि नए शिक्षा मंत्री के संबंध में की गई टिप्पणी चरित्र हनन है और बिना सत्यापन के इस तरह के आरोप लगाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि प्रियंका गांधी अपने आरोपों को सत्यापित नहीं कर सकतीं तो उन्हें सदन से क्षमा मांगनी चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि बिना तथ्यों के इस तरह की बातें सदन में नहीं कही जानी चाहिए। वहीं, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा इस तरह कोई भी आरोप लगाकर बच नहीं सकतीं। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस सांसद सदन से माफी मांगें और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

रायपुर में हरिभूमि-आईएनएच का जिला संवाद 1 अगस्त को, मुद्दों पर होगी बात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आईएनएच और हरिभूमि के जिला संवाद कार्यक्रम की कड़ी में राजधानी रायपुर का जिला संवाद कार्यक्रम 1 अगस्त को दोपहर 3.30 बजे से समता कॉलोनी के महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज के सभागृह में होगा। इस कार्यक्रम में हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी सत्ता पक्ष के साथ ही विपक्ष के नेताओं और व्यापार जगत के दिग्गजों से रूबरू होंगे और ▶▶|शेष पेज 8 पर

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

बृजमोहन अग्रवाल

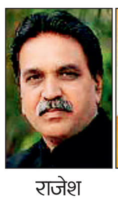
राजेश मूणत

पुरंदर मिश्रा

सुनील सोनी

मोतीलाल साहू

अनुज शर्मा

शिव डहरिया

20 साल लंबा इंतजार खत्म

शर्मिला ने कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को दिलाया दूसरा गोल्ड

ग्लास्गो। कॉमनवेल्थ गेम्स का पांचवां दिन भारतीय खिलाड़ियों के लिए शानदार रहा। शर्मिला धनखड़ ने भारत को दूसरा गोल्ड मेडल दिलाया। उन्होंने महिलाओं की पैरा शॉट पुट (गोला फेंक) स्पर्धा में 9.81 मीटर दूर गोला फेंककर गोल्ड मेडल जीता। भारत का 20 साल लंबा इंतजार खत्म हो गया। शर्मिला पैरा एथलेटिक्स में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनने के साथ-साथ इन खेलों में पैरा एथलेटिक्स पदक हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला भी बन गई हैं।

बाघ की खाल के साथ 4 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने मंगलवार को वन परिक्षेत्र भैयाथान अंतर्गत एक बाघ की खाल के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। टीम की कार्रवाई देर रात तक चलती रही।

■ वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो ने की कार्रवाई

बाघ को मारने के बाद आरोपी उसकी खाल बेचने की फिराक में थे। इसकी सूचना मिलने पर क्राइम कंट्रोल ब्यूरो जाल बिछाकर लम्बे समय से आरोपियों को तलाश कर रही थी तथा मंगलवार को सूरजपुर वनमंडल अंतर्गत वन परिक्षेत्र भैयाथान के ग्राम धरसेड़ी में खाल के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पिछले साल एक बाघ गुरूघासीदास टाइगर रिजर्व एवं तमोर पिंगला अभयारण्य से सटे गढ़वतिया देवी धाम से सटे रेडिया नदी के किनारे देखा गया था। विकासखण्ड ओड़गी अंतर्गत ग्राम खैरा, धरसेड़ी एवं भंवरखोह निवासी शिकारियों का गिरोह बाघ का लगातार पीछा कर रहा था। शिकारियों ने मौका देखकर बाघ का शिकार किया था तथा खाल को सुरक्षित रखा था। लम्बा समय गुजरने के बाद आरोपी बाघ की खाल बेचने ▶▶|शेष पेज 8 पर

रिश्वत में ले रहा था 50 हजार का चेक, राहत शाखा का बाबू गिरफ्तार

सर्पदंश के मुआवजे के लिए मांगा था घूस, एसीबी ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

कलेक्टोरेट परिसर स्थित राहत शाखा के बाबू को रिश्वत का चेक लेते एसीबी ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। बाबू सर्पदंश की मुआवजा राशि जारी करने के एवज में 50 हजार की मांग कर रहा था। पीड़ित ने चेक देने की बात कही और इसकी शिकायत एसीबी से कर दी। मंगलवार को एसीबी की टीम कलेक्टोरेट ▶▶|शेष पेज 8 पर

चेक लेने का प्रदेश में पहला मामला

अमूमन रिश्वत नकदी के रुप में ही लेने का मामला अब तक सामने आया है। यह प्रदेश का पहला मामला है जब रिश्वत के तौर पर चेक लिया जा रहा था। जांच एजेंसी के अधिकारियों के अनुसार यह मामला सामान्य ट्रैप मामलों से अलग है। आमतौर पर रिश्वत नकद या अन्य माध्यम से लेते हुए आरोपी पकड़े जाते हैं, लेकिन इस प्रकरण में आरोपी ने नकद लेने के बजाय पहले हस्ताक्षरित चेक को रिश्वत की गारंटी के रूप में मांगा था। एसीबी का कहना है कि इस तरह का मामला पहली बार सामने आया है, जिससे रिश्वतखोरी के बदलते तौर.तरीकों की भी जानकारी मिली है। आरोपी राजकुमार सिदार के ▶▶|शेष पेज 8 पर

पं. प्रदीप मिश्रा, आध्यात्मिक कथा वाचक

1 किसी ढोंगी के बहकावे में आने से बेहतर है शिव को ही गुरु बना लें

आज के आधुनिक दौर में जहां लोग भीड़ और दिखावे को देखकर गुरु चुनते हैं। वहीं मेरा मानना है कि सच्चा गुरु बाह्य आडंबरों और धन-प्रलोभनों से सर्वथा परे होना चाहिए। आधुनिक समय में ऐसा गुरु ऐसा होना चाहिए जो केवल बाहरी रूप-रंग न देखे, बल्कि शिष्य का चेहरा देखते ही उसके मन के दुख, विचारों और आंतरिक स्थिति को भांप सके। गुरु का वास्तविक कर्तव्य शिष्य को अपने से बांधकर रखना नहीं, बल्कि उसका हाथ पकड़कर सीधे परमात्मा की भक्ति से जोड़ना है। एक सच्चे गुरु का कार्य शिष्य के भीतर व्याप्त अहंकार, क्रोध और नकारात्मकता को समाप्त कर उसके जीवन का कल्याण करना और उसे मुक्ति का मार्ग दिखाना है। वे अक्सर पानी पीयो छान के, गुरु बनाओ जान के की पंक्ति पर जोर दिया जाना चाहिए। व्यक्ति को परख कर ही गुरु स्वीकारना चाहिए। और यदि इस कलियुग में आपको कोई निश्छल और योग्य गुरु न मिले, तो किसी भी ढोंगी के बहकावे में आने के बजाय भगवान शिव को ही अपना जगद्गुरु मानकर उनकी शरण में चले जाना चाहिए, क्योंकि महादेव से बड़ा गुरु इस संसार में दूसरा कोई नहीं है।

पं. गुरुशरण शर्मा, पंडोखर सरकार

2 आधुनिक दौर में गुरु को सैद्धांतिक बातों तक सीमित नहीं रहना चाहिए

गुरु ऐसा होना चाहिए जो केवल उपदेश न दे, बल्कि अपने तप, आध्यात्मिक शक्ति और व्यावहारिक मार्गदर्शन से शिष्य की वास्तविक समस्याओं का प्रत्यक्ष समाधान कर सके। इस वैज्ञानिक और आधुनिक दौर में गुरु को केवल सैद्धांतिक बातों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि शिष्य की आस्था को प्रमाणित और सुदृढ़ करने योग्य सामर्थ्य रखना चाहिए। सच्चा गुरु वही है जो बिना किसी भेदभाव के शिष्य के भूत, वर्तमान और भविष्य की उलझनों को समझकर उसे सही राह दिखाए। गुरु का मुख्य कर्तव्य शिष्य को अंधविश्वास, ढोंग और असत्य से निकालकर सत्य और सनातन संस्कृति के मार्ग पर चलाना है। आधुनिक युग में जहां व्यक्ति अनेक मानसिक तनावों और शंकाओं से घिरा है, वहां गुरु का दायित्व है कि वह शिष्य के भीतर भक्ति, अनुशासन और धर्म के प्रति अटूट विश्वास जगाए।

पं.धीरेंद्र शास्त्री, पीठाधीश्वर, बागेश्वर धाम

3 गुरु में साधुता और गंभीरता के साथ-साथ चंचलता व प्रसन्नता भी होनी चाहिए

भौतिकवादी युग में गुरु का व्यक्तित्व आडंबरमुक्त, जीवंत और सनातन धर्म के संस्कारों से परिपूर्ण होना चाहिए। मेरा मानना है कि गुरु में साधुता और गंभीरता के साथ-साथ एक सहज चंचलता व प्रसन्नता भी होनी चाहिए, जो शिष्य को जीवन के भारीपन और तनाव से मुक्त कर सके। सच्चा गुरु वही है जो अपनी सिद्धि या सामर्थ्य का उपयोग केवल स्वयं के लिए नहीं, बल्कि समाज के कल्याण और धर्म की रक्षा के लिए करे। आधुनिक गुरु का मुख्य कर्तव्य शिष्य को अंधविश्वास या व्यक्ति-पूजा में न उलझाकर सीधे हनुमान जी और प्रभु श्रीराम की शरणागति प्रदान कराना है। अपने शिष्यों को केवल कथा-प्रवचन तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उन्हें सनातन संस्कृति, राष्ट्रभक्ति और नैतिक मूल्यों से जोड़ना चाहिए। गुरु का दायित्व है कि वह शिष्य के भीतर के भय, संशय और दोषों को दूर कर उसमें आत्मबल जगाए। सच्चा गुरु शिष्य को धर्म के पथ पर अडिग रहना सिखाता है, ताकि मॉडर्न युग की चुनौतियों के बीच भी शिष्य अपनी जड़ों और परमात्मा से जुड़ा रहे।

चिकित्सा गुरु

आस्ट्रेलिया के नामी यूरोलॉजिस्ट रायपुर के टीचर से ले रहे ज्ञान

विकास शर्मा ⏭ रायपुर

व्यावसायिकता के इस दौर में जब रिश्ते धुंधले पड़ रहे हैं, ऐसे में राजधानी रायपुर के शासकीय मेडिकल कालेज से पढ़ाई पूरी करने वाले डाक्टर सात समंदर पार होने के बाद भी गुरु-शिष्य की परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं। आस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन के नामी यूरोलॉजिस्ट डा. अक्षय कोठारी अपनी हर छोटी-बड़ी मुश्किलों और जीवन के कई अहम फैसलों के लिए रायपुर में रहने वाले अपने पुराने शिक्षक से मिला ज्ञान नहीं भूले हैं।

- डा. अक्षय कोठारी ने 33 साल पहले पूरी की थी रायपुर मेडिकल कालेज से पढ़ाई
- मुंबई होकर पहुंचे ब्रिसबेन मगर नहीं भूले रायपुर के मेडिकल टीचरों से मिला ज्ञान

इतनी दूर होने के बाद भी ज्ञान का आदान-प्रदान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि भारतीय सनातन संस्कृति की उस गुर-शिष्य परंपरा का बड़ा उदाहरण है। डा. अक्षय कोठारी ने हरिभूमि से चर्चा में बताया कि उन्होंने 1984 से 1993 के बीच रायपुर के शासकीय मेडिकल कालेज से एमबीबीएस, फिर पीजी की पढ़ाई की थी। इसके बाद वे मुंबई जाकर अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद ब्रिसबेन (आस्ट्रेलिया) में जा बसे। उन्होने बताया कि काफी समय बीतने के बाद भी वे रायपुर में हुई 9 साल की पढ़ाई और उस दौरान के शिक्षकों और सीनियरों से मिली सीख वे आज तक नहीं भूल पाए हैं। उस दौरान पढ़ाई के साथ अन्य क्षेत्रों में छात्रों को पारंगत बनाने की शिक्षा दी जाती थी, जो जीवन में बड़ा मायने रखता है। चिकित्सकीय पेशे के साथ जीवन में आने-वाले उतार-चढ़ाव के दौरान उनसे मिला ज्ञान आगे बढ़ने की राह दिखाता है। इतना नहीं होने वाले किसी तरह की उलझनों को सुलझाने के लिए वे अभी भी तत्कालीन टीचर डा. मानिक चटर्जी सहित अन्य चिकित्सकों से सलाह-मशविरा करते हैं। भले ही दूरी कितनी भी हो, मगर फोन और वीडियो कॉल से उनका संपर्क समय-समय बना रहता है।

सीनियर भी गुरुओं की भूमिका में

डा. अक्षय कोठारी ने कहा कि मेडिकल की पढ़ाई में शिक्षकों जैसी भूमिका सीनियरों की भी होती है। चिकित्सा शिक्षक कक्षाओं और एक निश्चित समय में पढ़ाई के माध्यम से ज्ञान देते हैं, मगर सीनियर जो ज्यादा समय तक उनके साथ रहते हैं, वो प्रैक्टिकल के साथ अच्छे-बुरे और खट्टे-मीठे अनुभवों से अवगत कराते हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में सीनियर-जूनियर के बीच का रिश्ता भी गुरु-शिष्य की तरह होता है। आज भी रायपुर के वरिष्ठ चिकित्सक डा. राकेश गुप्ता सहित अन्य सीनियर कई मामलों में उनके मार्गदर्शक साबित होते हैं।

क्रिटिकल मामलों में अभी देते हैं ज्ञान

राजधानी के युवा डाक्टर एवं निजी मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल के संचालक डा. विनय वर्मा ने बताया कि रशिया के क्रिमिया स्टेट गव्हर्मेंट विश्वविद्यालय में एमबीबीएस की पढ़ाई को दस साल का वक्त बीत चुका है, मगर वहां के शिक्षकों से मिलने वाला ज्ञान अभी भी अधूरा है। मरीजों के इलाज के दौरान जब भी किसी क्रिटिकल मामलों में उलझनें आती हैं, वे वहां के शारीरिक संरचना विभाग के हेड एवं साइंटिस्ट डॉ कॉन्स्टेंटिन अलेक्जेंड्रोविच एफेटोव से बिना झिझक ज्ञान लेकर मरीजों का इलाज करते हैं। डा. विनय ने बताया कि डॉ कॉन्स्टेंटिन ने पढ़ाई के दौरान बैच के सभी स्टूडेंट को इस बात की आजादी दी थी कि आने वाले किसी भी उलझनों के समाधान के लिए वे बिना किसी झिझक उनसे मार्गदर्शन ले सकते हैं। एमबीबीएस की पढ़ाई के दौरान उनसे मिली सीख आज भी डाक्टरी पेशे में उनके लिए कारगर साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि महीने में एक बार डॉ कॉन्स्टेंटिन से उनका संपर्क हो जाता है, वे जिज्ञासाओं के समाधान के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

गुरु गोविंद दोऊ खड़े कागे लागूं पाय, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए...। अपने जादुई पंडवानी गायन से देश दुनिया को सम्मोहित करने वालीं प्रख्यात पंडवानी गुरु तीजन बाई पर यह पंक्ति पूरी तरह चरितार्थ होती है। यदि उन्हें छत्तीसगढ़ की माटी को अंतर्राष्ट्रीय फलक पर सुवासित करने का गौरव हासिल है तो इसकी वजह अपनी दीर्घ कला साधना के दौरान भारत में ही नहीं सात समंदर पार भी उनके शिष्य होना है।

कला गुरुओं की भी विदेशों में धाक, पंडवानी गायिका तीजन के मुरीद थे फ्रांस के मौरिस

फ्रांस महोत्सव में तीजन की पंडवानी देख मिलने पहुंचे थे भिलाई

विमल शंकर झा ⏭ भिलाई

परिजनों के साथ कलाप्रेमियों को इस बात का फक्र है कि सांस्कृतिक दूत तीजन बाई की पंडवानी कला को उनके शिष्य छत्तीसगढ़ व अपने देश में ही नहीं वरन विदेश में भी समृद्ध कर रहे हैं। फ्रांस में उनके एक शिष्य तो ऐसे हैं, जिन्हें तीजन के तंबूरे की तान भिलाई खींच लाई थी। अंतरराष्ट्रीय पंडवानी गायिका पद्मविभूषण तीजन बाई ने अनथक संघर्ष और साधना से आधी सदी से अधिक वक्त तक पंडवानी को देश दुनिया में स्थापित किया। महाभारत की कथा को कापालिक शैली में जीवंत अभिनय और ओजस्वी गायन को देखकर छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि फ्रांस और जर्मनी जैसे छत्तीसगढ़ी भाषा नहीं समझने वाले देश के कलाकार भी उनके मुरीद हो गए। में फ्रांस के प्रसिद्ध फाक आर्टिस्ट मौरिस बेंसन ने तीजन बाई से गुरु शिष्य परंपरा के तहत न सिर्फ पंडवानी की गायन सीखा बल्कि बतौर गुरु दक्षिणा उनने से मिलने वे भिलाई भी पहुंचे थे। परिजनों के साथ लोक कलाकारों के लिए यह एक यादगार अनुभव है। 1984 में प्रख्यात रंगकर्मी हबीब तनवीर के अपने नया थिएटर के कला दल के साथ इंग्लैंड जाने के प्रस्ताव को ठुकराने के एक साल बाद 85 में पंडवानी गायिका तीजन फ्रांस महोत्सव में पेरिस गईं। उनके साथ सह कलाकार के रुप में बतौर शिष्य उनकी बहन रंभा ने भी वहां उनके साथ पंडवानी गायन किया था। उनकी मोहक प्रस्तुति देखकर फ्रांस के लोक कलाकार मौरिस इतने प्रभावित हुए कि तीजन से पंडवानी गायन सीखने का विनम्र आग्रह किया और इसके लिए भिलाई आने का वादा भी किया। तीजन डेढ़ साल बाद जब फिर फ्रांस पंडवानी गायन के लिए गईं तो मौरिस ने गुरु शिष्य परंपरा के तहत उनसे पंडवानी सीखा। बहन रंभा बताती हैं कि गुरु शिष्य परंपरा के तहत वह भी फ्रांस गई थीं, वहां के दर्शकों में पंडवानी के प्रति लगाव छग से कम नहीं था।

गुरु दक्षिणा देने आए भिलाई

वादे के मुताबिक फ्रांस के प्रसिद्ध फ्यूजन व लोक कलाकार 1989 में तीजन से विधिवत पंडवानी गायन व गुरु दक्षिणा देने उनसे मिलने के लिए भिलाई आए थे। कलाकारों के मुताबिक वे पांच दिनों तक सर्किट हाउस दुर्ग में ठहरे थे। तत्कालीन मुख्यमंत्री मोतीलाल वोरा ने एडीएम श्री बल्लाल द्वारा उनके आतिथ्य संस्कार व साज आदि रिहर्सल की पूरी व्यस्था कराई थी। इसके लिए तीजन बाई व सहकलाकारों को सर्किट हाउस लाने की सारी व्यवस्था प्रशासन ने की थी। पंडवानी की विधिवत तालीम के बाद मौरिस ने तीजन बाई को दक्षिणा के रुप में मैटल का तंबूरा उपहार दिया था। तीजन बाई के सहकलाकार केवल देशमुख बताते हैं की तीजन बाईजी के साथ वे और चैतराम साहू, चेतन, रामचंद्र आदि पांच साजिंदे फ्रांस महोत्सव मे कार्यक्रम देने गए थे।

विदेशों में जाकर भारतीय आध्यात्मिक परंपरा का श्रद्धालुओं को दिया ज्ञान

हरिभूमि न्यूज ⏭ डौंडीलोहारा

गुरु परंपरा में शिष्यों के लिए अपने गुरु का विशेष महत्व होता है। शिष्य अपने गुरु को सबसे पहले रखकर उनके आदर्शों, विचारों, गुरुमंत्र के आधार पर जीवन के नए मुकाम की शुरूआत करता है। जामड़ी स्थित पाटेश्वर धाम एवं निर्माणाधीन मां कौशल्या धाम के संत राम बालक दास ने बताया कि उनका उद्देश्य सनातन संस्कृति, भगवान श्रीराम के आदर्शों और भारतीय आध्यात्मिक परंपरा का संदेश विश्वभर पहुंचाना है। इसके लिए पाकिस्तान, चीन एवं नेपाल सहित विभिन्न देशों में रामकथा की। इस दौरान कई शिष्यों ने उनका सानिध्य हासिल किया। परोक्ष व अपरोक्ष रुप से भगवान राम के आदर्शों व भारतीय अध्यात्मिक परंपरा का पालन कर रहे हैं। संत बालक दास ने बताया किया जामड़ी स्थित पाटेश्वर धाम एवं निर्माणाधीन मां कौशल्या धाम में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर देशभर से हजारों शिष्य आते हैं। गुरु पूर्णिमा केवल गुरु पूजन का पर्व नहीं है, बल्कि गुरु के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेने का दिवस है।

कौशल्या धाम निर्माण का लिया संकल्प

उन्होंने बताया कि पूरे विश्व में भगवान श्रीराम के लाखों मंदिर हैं, लेकिन भगवान श्रीराम को जन्म देने वाली छत्तीसगढ़ की बेटी माता कौशल्या का कोई भव्य धाम नहीं था। इसी भाव ने उन्हें लगभग 25 वर्ष पूर्व मां कौशल्या धाम के निर्माण का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। धाम में 108 विभिन्न स्वरूपों की दिव्य प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी, जो इसे सनातन आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र बनाएगी।

यूएस, जर्मनी, कनाडा के अनुयायी वीडियो कॉल से ले रहे सत्यनारायण बाबा का आशीर्वाद

छत्तीसगढ़, एमपी, हरियाण, पंजाब समेत देश के कोने-कोने से पहुंचते हैं बाबा का दर्शन करने

स्वतंत्र महंत ⏭ रायगढ़

गुरु पूर्णिमा पर आरती, मंत्रोच्चार के बाद रात 8 बजे बाबा सत्यनारायण आंख खोलेंगे और अपने भक्तों को तिलक लगाकर आशीर्वाद देंगे। यह सिलसिला तब तक चलेगा जब तक भक्तों की कतार खत्म नहीं हो जाती। देश विदेश के अनुयायी वीडियो कॉल पर बाबा का आशीर्वाद लेंगे। बाबा के भक्त मुकेश शर्मा और सन्नी ठाकुर ने बताया कि गुरु पूर्णिमा पर हजारों की तादात में भक्त बाबा का आर्शीवाद लेने आते हैं। रायगढ़ कोसमनारा स्थित बाबा धाम में छत्तीसगढ़, एमपी, हरियाण, पंजाब, राजस्थान, ओड़िशा समेत देश के कोने-कोने से बाबा का दर्शन करने पहुंचते हैं। विशेष बात यह है कि जर्मनी, कनाडा सहित विदेशी अनुयायी भी वीडियो कॉल से सत्यनारायण बाबा का आशीर्वाद लेते हैं। विशेष अवसरों पर फोन पर बाबा उनको इशारे से आर्शीवाद देते हैं। साल में कई बार ऐसा वक्त आता है जब विदेशी बाबा का आशीर्वाद लेने के लिए फोन करते हैं। यहां आने वाले भक्तों के लिए भोजन-भंडारे का आयोजन किया जाता है।

28 सालों से कर रहे शिव का तप

भक्तों ने बताया कि बाबा 28 सालों से शिव आराधना में लीन हैं। 12 जुलाई 1984 को कोसमनारा के पास बसे एक छोटे से गांव देवरी में जन्में बाबा सत्यनारायण का नाम हलधर है। 16 फरवरी 1998 को वे स्कूल के छुट्टी होने पर घर जाने के बजाए एक खेत में अपनी जीभ काटकर एक शिवलिंग पर चढ़ा कर भक्ति में लीन हो गए थे। तब से अब तक अनवरत उनकी विकट साधना जारी है।

रात 12 बजे जब खुलती है आंख

रात 12 बजे बाबा नेत्र खोलते हैं। इस दौरान वहां मौजूद अपने भक्तों से इशारे में चर्चा भी करते हैं। सैकड़ों लोग आधी रात वहां बाबा के आंख खोलने का इंतजार करते हैं। विशेष अवसरों पर वहां भीड़ लाखों की तादात में होती है। अब तक बाबा को किसी ने कुछ ग्रहण करते नहीं देखा है।

शिव साधाना में रहते हैं लीन

बारिश, गरज-चमक, धूप, हवा-तूफान जैसे प्राकृतिक शक्तियां भी बाबा के अनुयायी हैं। ये शक्तियां भले ही जन-धन को नुकसान पहुंचाती हों, लेकिन शिव भक्ति में लीन बाबा सत्यनारायण को तिनके चुभने जैसी एहसास भी नहीं होती है। मुस्कुराते हुए उनके शरीर पर पड़ी बारिश की बूंदों और आसमान से गिरे ओले से खेलते नजर आते हैं। रात के समय जब ऐसी परिस्थितियां निर्मित होती हैं तब उनके चेहरे पर मुस्कुराहट नजर आती है। उनकी साधना को विकट साधना कहा जाता है।

राज नेता भी लेते हैं आशीर्वाद

कोसमनारा स्थित बाबा धाम में देश के मशहूर कथावाचकों और विभिन्न प्रदेशों के राज नेताओं समेत दिल्ली दरबार के नेता भी आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं। सावन सोमवार और विशेष अवसरों पर यहां मेले जैसा माहौल रहता है। छोटे से लेकर बड़े अधिकारियों का आना जाना यहां लगा ही रहता है।

सरगुजा के धार्मिक और शैक्षिक विकास के थे पुरोधा

देश-विदेश में गहिरा गुरु के अनुयायी

अजय नारायण पांडेय ⏭ अंबिकापुर

संत गहिरा गुरू के अनुयायी आज देश ही नहीं, अमेरिका, जर्मनी, दुबई, नेपाल और बांग्लादेश सहित दुनिया के कई देशों में रहकर अपने कार्यक्षेत्र के साथ सनातन धर्म, संस्कृति और उनके आदर्शों का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। सरगुजा के धार्मिक, शैक्षिक एवं सामाजिक विकास में संत गहिरा गुरू के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

वे आध्यात्मिक पुरुष होने के साथ आदिवासी समाज के उत्थान और जागृति के प्रबल पक्षधर थे। उन्होंने केवल उपदेश नहीं दिए, बल्कि अपने जीवन में जिन आदर्शों को अपनाया, उन्हीं का पालन करने की प्रेरणा समाज को दी। यही कारण है कि उनके अनुयायी आज भी उन्हें देवतुल्य मानते हैं और घर-घर में उनकी पूजा करते हैं। संत गहिरा गुरू का जन्म अनुसूचित जनजाति के कंवर परिवार में ग्राम गहिरा में हुआ था। लेकिन उन्होंने सरगुजा संभाग के बेहद पिछड़े जशपुर, कुसमी एवं ग्राम गहिरा को अपनी कर्मभूमि बनाकर वर्ष 1943 में सनातन धर्म संत समाज की स्थापना की। तब आदिवासी समाज काफी पिछड़ा था। बलि प्रथा जोरों पर थी। घर-घर में मांसाहार का उपयोग होता था। लोग महीनों नहाते नहीं थे। समाज के लोग खेती भी नहीं करते थे तथा पूरी तरह से प्रकृति पर निर्भर थे। समाज में शिक्षा का नामोनिशान नहीं था न ही किसी की शिक्षा के प्रति रूचि थी।

धर्म की स्थापना के लिए लड़े चुनाव

धर्म की स्थापना के लिए गहिरा गुरू ने लोकसभा का पहला चुनाव भी लड़ा था। वर्ष 1952 के प्रथम लोकसभा चुनाव में सरगुजा एवं रायगढ़ लोकसभा सीट से गहिरा गुरू ने राम राज्य परिषद से जबकि सरगुजा के बाबूनाथ सिंह ने कांग्रेस से तथा राजपरिवार के चंडीकेश्वर प्रताप सिंहदेव ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में भागीदारी की थी। चुनाव में बाबूनाथ सिंह विजयी हुए थे। तब रामराज्य परिषद का गठन राजनीति में धर्म की स्थापना के लिए किया था। चुनाव हारने के बाद गहिरा गुरू ने राजनीति से सन्यास ले लिया। सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज गहिरा गुरू के सुपुत्र हैं। उनके सुपुत्र वबुवाहन महाराज एवं खिलेन्द्र महाराज आज भी उनके सिद्धांतों के प्रसार का काम कर रहे हैं।

चार आश्रमों को बनाया शिक्षा का केन्द्र

गहिरा गुरू ने चार आश्रमों की स्थापना की तथा इन आश्रमों को संस्कृत शिक्षा का केन्द्र बनाया। यह जानकर आश्चर्य होगा कि संस्कृत स्कूल एवं कॉलेज में दूसरे समाज के बच्चों के साथ ही आदिवासी समाज के बच्चे भी शिक्षित हो रहे हैं। उनके संस्कृत का फर्राटेदार उच्चारण सुनकर लोग हैरान रह जाते हैं। संस्कृत कालेज से शिक्षित होने वाले कई युवा आज कॉलेजों में सेवाएं दे रहे हैं। गहिरा गुरू ने सर्वप्रथम श्रीकोट में संत समाज आश्रम की स्थापना की तथा संस्कृत स्कूल एवं कॉलेज की स्थापना की। उन्होंने कैलाश गुफा स्थित पर्वत को हाथों से खोदकर आश्रम का स्वरूप दिया तथा भगवान कैलाश नागेश्वर की स्थापना कराई। ब्राह्मणों के प्रति उनकी अगाध श्रद्धा थी। कैलाश गुफा के निर्माण के दौरान कई विकराल बाधाएं आई दुर्घटनाएं भी हुई लेकिन कभी कोई क्षति नहीं हुई। वे संत समाज को निडर होकर गुफा की खुदाई करने के लिए प्रेरित करते रहे। संत समाज के लोग बताते हैं कि कैलाश नाथेश्वर का दर्शन करने स्वामी करपात्री महाराज, प्रभुदत्त ब्रम्हचारी सहित अन्य कई संत आ चुके हैं।

समाज को सिखाई खेती

पहले आदिवासी समाज के लोग खेती नहीं करते थे। उन्होंने धान मेला का आयोजन कर लोगों को धान की खेती करने के लिए प्रेरित किया। तब आदिवासी समाज साहूकारों के कर्ज से दबा था। उन्होंने समाज को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी तथा बीज बैंक एवं अनाज बैंक की स्थापना की ताकि लोग अपनी जरूरतों के लिए कर्ज न लें तथा आत्मनिर्भर बने।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः।।

आस्था अनंत, दास्तां भी अनंत। काल से परे, सरहदों के आर_पारअगाध श्रद्धा और स्नेह से भीगे गुरु_शिष्य के संबंधों को शब्दों में पिरोना कठिन होता है। वे सार्वभौम, सर्वव्यापी हैं, अविनाशी हैं। गुरु दर्जा है, पदवी है जो आस्था के चरम पर विराजमान हैं। ऐसे गुरुओं को नमन। हरिभूमि ने इस बार गुरु पूर्णिमा पर विदेशों में रह रहे उन शिक्षार्थियों के मन को छुआ जिनका तन उधर है और मन संतों की इसी पावन धरा पर विचर रहा है। गुरु का आशीर्वाद लेने उनका यही मन सशरीर साल में एक दफा जरूर यहां मौजूदगी दर्ज कराता है। पेश हैं कुछ ऐसी ही दास्तां।

गुरु पूर्णिमा पर विशेष...

गुरु पूर्णिमा पर शिष्यों का समागम, अमेरिका, इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया से भी आते हैं भक्त

छत्तीसगढ़ के ब्रह्मनिष्ठाय सोगड़ा औघड़ आश्रम सिर्फ एक आध्यात्मिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक उत्थान का केंद्र भी हैं। इस गुरु पूर्णिमा भी यहां गुरु का आशीर्वाद लेने शिष्यों की भीड़ रहेगी। इन शिष्यों में अमेरिका, इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया में बसे एनआरआई भी हैं, जिनकी अटूट श्रद्धा इस आश्रम से जुड़ा हुआ है। इनका मानना है, गुरु वंदना से अलौकिक शक्ति के साथ शांति और संतुष्टि मिलती है।

औघड़ आश्रम.... कर्म विदेश ले गया, धर्म यहां खींच लाया

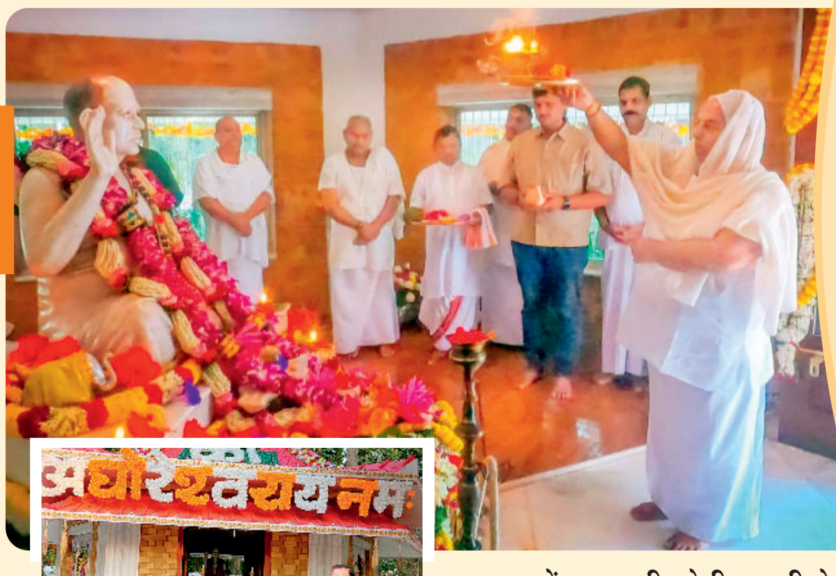

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जशपुर

औघड़ आश्रम जशपुर मुख्यालय से लगभग 7 किमी की दूरी पर स्थित है। इस आश्रम की स्थापना अवधूत भगवान राम ने सन 1959 में की थी। अवधूत भगवान राम के गुरु औघड़ पंथ के संस्थापक कीनाराम के शिष्य थे। औघड़ आश्रम के शिष्यों की संख्या का अनुमान लगाना संभव नहीं है। ब्रम्हिष्ठालय सोगड़ा औघड़ आश्रम के शिष्य अमेरिका, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया जैसे कई देशों में फैले हुए हैं जो गुरुपूर्णिमा व अन्य अवसरों पर अपने गुरु का आशीर्वाद लेने आश्रम आते रहते हैं। भारत के सभी राज्यों में औघड़ आश्रम के शिष्य हैं। आश्रम के शिष्यों में आईएएस, डॉक्टर, इंजीनियर, व्यवसायी, प्रोफेसर, शिक्षक जैसे शिक्षित वर्ग के शस्य भी शामिल हैं। इनमें लंदन में रहने वाले मृणाल विजय, आस्ट्रेलिया के साफ्टवेयर इंजीनियर शरद पांडे शामिल हैं। ▶▶| शेष पेज 8 पर

जशपुर में चाय की खेती इनकी देन

आश्रम द्वारा लगातार सामाजिक उत्थान के लिए कार्य किए जाते हैं। लगातार मेडिकल कैम्प लगाए जाते हैं। आश्रमों में कृषकों के उत्थान के लिए व्यावसायिक खेती के नए नए प्रयोग किए जाते रहे हैं। जशपुर में चाय की खेती का सफल प्रयोग आश्रम में ही किया गया था,जिसके बाद आज जशपुर में सैकड़ों एकड़ जमीन पर चाय की खेती कर कृषक आर्थिक उन्नति कर रहे है।

राजनीति के कई बड़े नाम भी बाबा के शिष्यों में शामिल

आश्रम के शिष्यों में भारतीय राजनीति के कई बड़े नाम भी शामिल है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चंद्रशेखर सिंह अवधूत भगवान राम के शिष्य रहे हैं। प्रधानमंत्री बनने के पूर्व कई बार उनका जशपुर के सौगड़ा आश्रम में आना हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री स्व.अर्जुन सिंह भी भगवान राम के दर्शन के लिए आया करते थे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी आश्रम के शिष्य हैं जब भी इनका जशपुर आगमन होता है आश्रम जाकर गुरुपद बाबा संभव राम जी से आशीर्वाद लेने अवश्य आश्रम जाते हैं।

सदगुरु कबीर आश्रम दामाखेड़ा में आज उमड़ेगा शिष्यों का सैलाब

कहते है जीवन में माता- पिता के बाद गुरु का स्थान होता है, जो अपने शिष्यों को शिक्षा, संस्कार और जीवन जीने के लिए सही रास्ता दिखाते हैं। इनमें सद्गुरु कबीर की वंशावली को आगे बढ़ा रहे पंथ श्री उदितमुनि नाम साहेब प्रमुख हैं।

शिक्षा, संस्कार जीवन का आधार, इसलिए आ रहे सात-समंदर पार

लवकुश शुक्ला ▶▶| रायपुर

गुरु की एक झलक पाने के लिए सात समंदर पार से भी छत्तीसगढ़ के दामाखेड़ा कबीर आश्रम में लोग आते हैं। आश्रम में शिष्यों का जन सैलाब गुरु पूर्णिमा पर उमड़ता है। छत्तीसगढ़ के दामाखेड़ा स्थित आश्रम में देश के अलग-अलग राज्यों सहित छत्तीसगढ़ ही नही, विदेशी धरा नेपाल,भूटान, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और मॉरीशस से भी 100 से 150 शिष्य हर साल कबीर आश्रम में गुरु दर्शन के लिए आते हैं। हरिभूमि ने दामाखेड़ा आश्रम से जुड़े प्रकाश शर्मा के माध्यम से विदेशों में रहने और दर्शन करने गुरु पूर्णिमा पर आने वाले शिष्यों से बात की। इसमें कई रोचक और भावनात्मक पहलू भी सामने आए। श्री शर्मा ने बताया कि कबीर धर्म नगर दामाखेड़ा में 126 वर्षों से गुरु परम्परा का निर्वहन किया जा रहा है। आज गुरु पूजा का केंद्र बन चुका है । हम लोग कई पीढ़ियों से इस परंपरा को निभा रहे हैं।

नेपाल से जुड़ाव

हसता दास राई ने बताया कि नेपाल में कबीर पंथ से जुड़ाव काफी प्राचीन काल से है। नेपाल में विभिन्न जिले में कई बस्ती कबीर पंथ को मानने वाले लोगों की है। इस साल भी परिवार के लोग गुरु दर्शन के लिए जाएंगे। हमे गुरु से ज्ञान ,आपसी भाईचारा ,समानता का भाव ,जीव ▶▶| शेष पेज 8 पर

भूटान तक प्रचार-प्रसार

लालमन दास भूटान में रहते हैं। उन्होंने बताया कि कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा से बहुतायत कबीर पंथी हैं, जो दामाखेड़ा वंश गद्दी के शिष्य हैं। भूटान में कबीर पंथ का प्रचार प्रसार दामाखेड़ा के महंत ने आकर किया है। कबीर पंथ के सहज सद्भाव , प्रेम ,ऊंच नीच से परे एक संगत, एक पंगत की भावना से प्रेरित होकर कबीर पंथ को और गुरु परंपरा को आत्म सात किया है ।

मॉरीशस से हैं, पांच पीढ़ियों से जुड़े हुए

महंत कृष्णा दास ओबिलैक मॉरीशस में रहते है। उन्होंने बताया कि हम कबीर धर्म नगर दामाखेड़ा से पिछले पांच पीढ़ी से जुड़े हैं । मै मॉरीशस का महंत हूं, यहां काफी संख्या में कबीर पंथ से जुड़े हुए लोग हैं । यहां लगभग 350 साल पुराना कबीर मंदिर है। इसके अलावा 6 बड़े कबीर मंदिर हैं। हमारे पूर्वज कबीर साहेब के समता मूलक सिद्धांत ,प्रेम,हिंसामुक्त विचारधारा और गुरु के सदाचार और भक्ति के मार्ग को प्रशस्त करने की प्रेरणा देते हैं।

पूरी दुनिया में दैवी संपद मण्डल के अनुयायी

विदेशों में रहकर भी आश्रमों से दूर नहीं अमेरिका से खिंचे चले आते हैं हर साल

सात समंदर पार जिंदगी की रफ्तार भले ही बदल गई हो, लेकिन भारतीय संस्कृति और गुरु-परंपरा से जुड़ी आस्था आज भी इन शिष्यों के जीवन का अभिन्न हिस्सा है।

विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

अमेरिका, लंदन और दुनिया के दूसरे देशों में रहने वाले ये भारतीय समय-समय पर अपने गुरुओं और भारत स्थित आश्रमों की ओर लौटते हैं। कोई सत्संग और ध्यान के जरिए मानसिक शांति तलाशता है तो कोई सेवा और परोपकार को जीवन का माध्यम बनाता है। छत्तीसगढ़ के केंदई से लेकर अमरकंटक और उत्तर प्रदेश के मैनपुरी तक दैवी संपद मण्डल के आश्रमों में इनके लिए सिर्फ आध्यात्मिक जुड़ाव नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से रिश्ता कायम रखने का भाव भी है। यही वजह है कि विदेशों में रहकर भी ये शिष्य आश्रमों के शिक्षा, स्वास्थ्य, गौसेवा और सामूहिक विवाह जैसे सेवा प्रकल्पों से लगातार जुड़े हुए हैं। एक शताब्दी पूर्व स्थापित दैवी संपद मण्डल के संत स्वामी एकरसानंद सरस्वती की परंपरा आज भी उनके सभी आश्रमों में जारी है। ब्रह्मलीन स्वामी भजनानंद सरस्वती, स्वामी शारदानन्द सरस्वती के बाद वर्तमान प्रमुख महामंडलेश्वर स्वामी हरिहरानंद सरस्वती के शिष्य पूरी दुनिया में हैं। मंडल के परंपरागत आयोजन ▶▶| शेष पेज 8 पर

अमेरिका में बसे चारों आते है गुरुदर्शन को

केंदई स्थित स्वामी भजनानंद वनवासी सेवा आश्रम की ख्याति देश विदेश में है। दिल्ली के अग्रवाल परिवार के चार भाई अमेरिका के टेक्सास में बसे हैं। इनमें राकेश अग्रवाल, अजय अग्रवाल, गोपाल कृष्ण अग्रवाल और संजय अग्रवाल है। इन लोगों का अमेरिका के सभी शहरों में अलग अलग व्यवसाय है। सभी भाई साल में कम से कम एक बार आश्रम जरूर आते हैं। खासतौर पर जब सामूहिक विवाह होता है तो यह भाई कन्यादान करने जरूर पहुंचते हैं। ▶▶| शेष पेज 8 पर

केंदई स्थित कर्दम तीर्थ

केंदई स्थित स्वामी भजनानंद वनवासी सेवा आश्रम की स्थापना ब्रह्मलीन स्वामी शारदानन्द सरस्वती ने की थी।1984 से संचालित इस आश्रम में प्रतिवर्ष महायज्ञ होता है। इसके अलावा सन 2000 से लगातार प्रतिवर्ष सामूहिक विवाह होते हैं। वैदिक परंपरा से होने वाले इस विवाह में जोड़ों के न सिर्फ शादी का खर्च बल्कि दांपत्य जीवन शुरू करने के लिए बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति भी की जाती है। वर और वधु को सभी गृहस्थी सामग्री भेंट में दी जाती है। जब भी हर साल यह विवाह होता है तो सभी वर वधु उपस्थित रहते हैं। सभी विवाहित युवतियां इस आश्रम को अपना मायका समझती हैं। परिवार और बच्चों को लेकर हमेशा आश्रम पहुंचकर सेवा करती हैं। जाने के समय आश्रम द्वारा बकायदा विदाई दी जाती है। यहां आयोजन होने वाले सामूहिक विवाह की ख्याति इतनी है कि लोग अमेरिका से भी कन्यादान करने पहुंचते हैं।

डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी तीर्थ पहुंच रहे अनुयायी

वर्तमान के वर्धमान के रूप में विख्यात समाधिस्थ जैन आचार्य विद्यासागर ने अपनी चर्या, त्याग और दर्शन से विपरीत संस्कृति वाले लोगों पर ऐसा प्रभाव डाला कि उनकी पूरी जीवन धारा ही बदल गई और वह हिंसा को त्यागकर शाकाहार अपनाने का संकल्प लिया।

समाधि के बाद भी बना है अटूट रिश्ता

धन्य कुमार जैन ▶▶| राजनांदगांव

महज 22 साल की आयु में दीक्षा और चार साल बाद आचार्य पद का दायित्व संभालने वाले विद्यासागर महाराज के त्याग, तपस्या, चर्या और सोच ने समंदर पार के लोगों को अचंभित और आकर्षित किया। 2018 में आचार्यश्री का चातुर्मास खजुराहो में था। यहां आने वाले विदेशियों को जब यह पता चला कि यहां ऐसा कोई संत भी है जो बिना वस्त्र के रहता है। 24 घंटे में एक बार खड़े होकर अन्न जल ग्रहण करता है। वह किसी वाहन या भौतिक साधन का भी उपयोग भी नहीं करते। तो वह उनके दर्शन करने पहुंचे। दर्शन के दौरान जब उन्होंने आचार्यश्री के स्वरूप को देखा और उनके विचारों को सुना तो उनके जीवन में जो बदलाव आया वह हैरान करने वाला रहा।

अहिंसा और शाकाहार का संकल्प

आचार्यश्री की शांत मुद्रा, सादगी और करुणा से प्रभावित होकर समंदर पार से आए सैलानी जैन दर्शन से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अपनी जीवनशैली बदलने का भी फैसला किया। 18 जुलाई 2018 को स्पेन और इटली के पर्यटकों ने महाराज जी से आशीर्वाद लिया। इसी दौरान नॉर्वे से आए एक पर्यटक ने आचार्य श्री के प्रभाव में आकर अगले 5 वर्षों तक शाकाहारी रहने का संकल्प लिया। वहीं चीन, दक्षिण कोरिया, अर्जेंटीना, स्पेन, इटली और मैक्सिको जैसे देशों से आए करीब 75 पर्यटकों ने जीव हिंसा से तौबा कर सप्ताह में कम से कम एक दिन मांसाहार न करने की प्रतिज्ञा ली।

कम नहीं हुई श्रद्धा

श्रमण संस्कृति के उन्नायक आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की समाधि के बाद देश-विदेश से अनुयायियों का डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी तीर्थ पहुंचना जारी है। आचार्य श्री के प्रति अपनी आस्था प्रकट करने के लिए अमेरिका, मलेशिया और कनाडा सहित कई अन्य देशों में रहने वाले जैन अप्रवासी पावन समाधि के दर्शन कर रहे हैं। विदेश से आए इन अनुयायियों का कहना है कि आचार्य श्री के विचार और उनकी शिक्षाएं हमेशा उनका मार्गदर्शन करते रहेंगी।

अधिसूचित जिले: बस्तर, बेमेतरा, बीजापुर, कोरिया, सारंगगढ़-बिलाईगढ़, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, कांकेर, सक्ती, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी

खरीफ 2026 मौसम हेतु अधिसूचित फसलें: धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का, उड़द, अरहर, मूँग, मूँगफली, सोयाबीन, कोदो, कुटकी, रागी

योजना के मुख्य बिंदु :
- कृषक द्वारा देय प्रीमियम बीमित राशि का अधिकतम 2 प्रतिशत
- शेष प्रीमियम राशि का भुगतान भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा किया जावेगा
- ओलावृष्टि, जलभराव, बादल फटने, आकाशीय बिजली से नुकसान होने पर स्थानीय आपदा अंतर्गत दावा भुगतान
- स्थानीय आपदा की स्थिति में-धान फसल में जलप्लावन से होने वाली क्षति इस घटक मे शामिल नही है
- फसल कटाई के उपरांत आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाने हेतु बंडलो में रखी फसल को चक्रवात, बैमौसम/चक्रवाती वर्षा से नुकसान होने पर दावा भुगतान
- कम वर्षा या विपरीत मौसम अवस्थाओं के कारण फसल बुवाई विफलता पर दावा भुगतान
- फसल उत्पादन के आधार पर व्यापक क्षति की स्थिति में, राज्य शासन एवं योजना के प्रावधानों के अनुसार फसल क्षति का मूल्यांकन एवं निर्धारण किया जाएगा।
- अनावरी के आंकड़े इस योजना अंतर्गत दावा भुगतान के लिए मान्य नही होंगे

योजनांतर्गत शामिल होने वाले कृषक :
- ऋणी कृषकों का बीमा ऋण दायी संस्था द्वारा नियमानुसार किया जायेगा।
- गैर-ऋणी कृषक अपना बीमा बैंक शाखा/कॉपरेटिव सोसाइटी/लोक सेवा केंद्र (CSC)/पोस्ट ऑफिस/AIDE-एजेंट/फसल बीमा ऐप एवं पोर्टल के माध्यम से निर्धारित तिथि के अंदर फसल का बीमा करा सकते है।
- गैर-ऋणी कृषकों हेतु आवश्यक दस्तावेज-नवीनतम आधार कार्ड, बैंक पासबुक, भूमि एवं फसल बुवाई संबंधित दस्तावेज।

ऋणी कृषक: ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी चयन (Opt-out) प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र बीमा आवेदन की अंतिम तिथि के 7 दिन पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।
- योजना से बाहर होने (Opt-Out) का निर्णय पूरी तरह किसान की इच्छा पर आधारित है। किसी भी किसान को बैंक शाखा द्वारा (Opt-Out) के लिये बाध्य नहीं किया जाएगा।
- ऑप्ट-आउट की कार्यवाही केवल एक मौसम-वर्ष के लिए ही लागू होगी; जिसके लिए किसान द्वारा ऑप्ट-आउट घोषणा दी गई है।
- बैंक शाखाएं किसानों द्वारा प्रस्तुत योजना से बाहर होने (Opt-out) की प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र को निरीक्षण/सत्यापन हेतु सुरक्षित रखेंगी।

अऋणी कृषक: अधिसूचित इकाई में अधिसूचित फसल लगाने वाले सभी गैर ऋणी कृषक ऐच्छिक तौर पर योजना का लाभ लेने हेतु पात्र होंगें।

योजना सम्बंधित अधिक जानकारी एवं अपनी शिकायत दर्ज करने हेतु कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क करे या व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 70655-14447 का उपयोग करे या www.pmfby.gov.in पर जाएँ या क्रॉप इंश्योरेंस मोबाइल एप का प्रयोग करें या अपने निकटतम कृषि कार्यालय, बैंक शाखा, CSC सेंटर या बीमा कंपनी से संपर्क करें।

स्थानीय आपदाओं से बीमित फसल में नुकसान होने पर 72 घंटे के भीतर फसल नुकसान की सूचना देना आवश्यक है।

PMFBY अंतर्गत दावा भुगतान सफल बनाने हेतु कृपया अपने संबंधित बैंक शाखा से PFMS पोर्टल से खाता संख्या को सत्यापित करवाये अथवा आधार नंबर को सही बैंक खाता से लिंक कराये।

योजना संबंधित अधिक जानकारी के लिए फार्ममित्र ऐप डाउनलोड करें

चिंतन

छात्रों का सम्मान, लेकिन दंगाइयों पर न बरतें नरमी

हाल ही में नीट पेपर लीक को लेकर छात्र आंदोलनों के दौरान हुई गिरफ्तारियों और पुलिस कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद संतुलित टिप्पणी की है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि जिन छात्रों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है और जिन्हें केवल प्रदर्शन में भाग लेने के कारण हिरासत में लिया गया है, उन्हें तत्काल रिहा किया जाए। साथ ही, अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाई गई है। यह फैसला लोकतंत्र, न्याय और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सुप्रीम कोर्ट ने केवल छात्रों को राहत देने तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि यह भी कहा कि प्रदर्शन के दौरान छात्रों और पुलिसकर्मियों दोनों के घायल होने की घटनाओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। इसके लिए अदालत ने डिजिटल साक्ष्यों सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन रिकॉर्डिंग और अन्य रिकॉर्ड को भी सुरक्षित रखने का निर्देश देकर यह संदेश दिया है कि न्याय तथ्यों के आधार पर होना चाहिए, न कि आरोपों और राजनीतिक दावों के आधार पर। यदि किसी छात्र के साथ अन्याय हुआ है तो उसे न्याय मिलना चाहिए, लेकिन यदि किसी ने हिंसा, आगजनी या सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई भी होनी चाहिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि प्रदर्शनकारियों की निजी जानकारी या पहचान संबंधी विवरण किसी भी रूप में प्रकाशित नहीं की जाए। इससे शीर्ष कोर्ट ने स्पष्ट संदेश दिया है कि लोकतंत्र में विरोध का पूरा सम्मान है, लेकिन कानून से ऊपर कोई नहीं है। देश में पिछले कुछ वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और अनियमितताओं ने युवाओं का भरोसा कमजोर किया है। लाखों छात्र वर्षों की मेहनत के बाद परीक्षा देते हैं और जब उनकी मेहनत भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती है तो आक्रोश स्वाभाविक है। सरकार की जिम्मेदारी है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पारदर्शी और भरोसेमंद व्यवस्था बनाएं। वहीं, छात्रों को भी यह समझना होगा कि लोकतांत्रिक विरोध का अर्थ सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना या हिंसा का सहारा लेना नहीं है। शांतिपूर्ण आंदोलन लोकतंत्र की ताकत है, जबकि हिंसा उसकी सबसे बड़ी कमजोरी। यह भी उतना ही आवश्यक है कि पुलिस कार्रवाई कानून के दायरे में रहे। यदि कहीं अनावश्यक बल प्रयोग हुआ है या निर्दोष छात्रों को निशाना बनाया गया है तो उसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। दूसरी ओर, यदि जांच में यह सामने आता है कि हिंसा में बाहरी असामाजिक तत्व शामिल थे या कुछ लोगों ने आंदोलन की आड़ में अराजकता फैलाई, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई में किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। सबसे बड़ी चिंता यह है कि हर बड़े छात्र आंदोलन के बाद असली मुद्दा पीछे छूट जाता है और बहस केवल राजनीति, आरोप-प्रत्यारोप और पुलिस कार्रवाई तक सीमित होकर रह जाती है। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट का संदेश स्पष्ट है कि निर्दोष छात्रों की स्वतंत्रता और सम्मान की रक्षा होनी चाहिए, लेकिन कानून तोड़ने वालों को संरक्षण नहीं मिल सकता। सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि परीक्षा प्रणाली इतनी मजबूत बने कि छात्रों को बार-बार सड़कों पर उतरने की नौबत ही न आए। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध का सम्मान होना चाहिए, पर हिंसा और अराजकता को कभी भी आंदोलन का वैध माध्यम नहीं माना जा सकता। छात्रों को न्याय मिले, लेकिन दंगाइयों पर कानून की कठोरता भी उतनी ही दिखाई दे, यही न्याय, लोकतंत्र और सुशासन की वास्तविक कसौटी है।

गुरु पूर्णिमा
गुरुदेव श्री श्री रविशंकर

क्या जीवन में गुरु की आवश्यकता है?

> जीवन में जो बातें प्रत्यक्ष दिखाई देती हैं, उनके लिए भी हम मार्गदर्शक की आवश्यकता सहज स्वीकार करते हैं। वाहन चलाना सीखने के लिए प्रशिक्षक चाहिए, किसी विषय में दुर्बलता हो तो शिक्षक या कोच की आवश्यकता पड़ती है। जब दृश्य जगत की छोटी-छोटी बातों के लिए भी मार्गदर्शक आवश्यक है, तब उस अदृश्य, सूक्ष्म और अव्यक्त सत्य की अनुभूति के लिए गुरु का महत्व कितना अधिक होगा! गुरु के बिना आत्मसाक्षात्कार अत्यंत कठिन प्रतीत होता है और गुरु के बिना ध्यान की गहराइयों तक पहुँचना भी सहज नहीं होता।

एक बल्ब के भीतर तंतु (फ़िलामेंट) पहले से ही विद्यमान होता है। उसे केवल विद्युत प्रवाह की आवश्यकता होती है और वह प्रकाशमान हो उठता है। उसी प्रकार एक कली में पुष्प बनने की समस्त संभावनाएँ निहित रहती हैं, किन्तु उसके प्रस्फुटित होने के लिए थोड़ी सी देखभाल, जल, सूर्य का प्रकाश और अनुकूल वातावरण अपेक्षित होता है। ठीक इसी प्रकार प्रत्येक मनुष्य अपने भीतर असीम सामर्थ्य और अनंत संभावनाएँ संजोए हुए है। उचित मार्गदर्शन और अनुकूल वातावरण उस अंतर्निहित शक्ति को जागृत कर देते है, जो पहले से ही उसके भीतर विद्यमान है।

विद्युत के बिना बल्ब का अपना कोई महत्व नहीं रह जाता। उसका बाहरी आकार मात्र एक आवरण है; वास्तविक तत्व तो उसके भीतर प्रवाहित होने वाली विद्युत है। उसी प्रकार तुम भी केवल बाह्य आकार नहीं हो। तुम्हें यह अनुभूति करनी है कि तुम्हारा वास्तविक स्वरूप वही चेतना है, वही दिव्य ऊर्जा है। जिस ज्ञान की तुम खोज कर रहे हो, वह पहले से ही तुम्हारे भीतर विद्यमान है। गुरु की उपस्थिति ही मनुष्य को अपने इस वास्तविक स्वरूप का बोध कराती है।

जीवन में जो बातें प्रत्यक्ष दिखाई देती हैं, उनके लिए भी हम मार्गदर्शक की आवश्यकता सहज स्वीकार करते हैं। वाहन चलाना सीखने के लिए प्रशिक्षक चाहिए, किसी विषय में दुर्बलता हो तो शिक्षक या कोच की आवश्यकता पड़ती है। जब दृश्य जगत की छोटी-छोटी बातों के लिए भी मार्गदर्शक आवश्यक है, तब उस अदृश्य, सूक्ष्म और अव्यक्त सत्य की अनुभूति के लिए गुरु का महत्व कितना अधिक होगा! गुरु के बिना आत्मसाक्षात्कार अत्यंत कठिन प्रतीत होता है और गुरु के बिना ध्यान की गहराइयों तक पहुँचना भी सहज नहीं होता।

क्या आप जानते हैं कि स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी शिक्षा के लिए महर्षि सान्दीपनि का आश्रय ग्रहण किया था? भगवान श्रीराम ने भी महर्षि वसिष्ठ से जीवन का गहन ज्ञान प्राप्त किया। जब स्वयं अवतार पुरुषों ने गुरु की शरण ग्रहण की, तब सामान्य मनुष्य के लिए गुरु की आवश्यकता कितनी स्वाभाविक है। यदि जीवन में उच्चतर चेतना, उत्कृष्टता और आत्मोन्नति प्राप्त करनी है, तो गुरु का होना अनिवार्य है। गुरु के बिना वास्तविक प्रगति संभव नहीं। गुरु- शिष्य परम्परा हमारी सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। यदि मानव जाति को आगे बढ़ना है, तो उसे इस प्राचीन ज्ञान-परम्परा को अपने साथ लेकर चलना होगा।

गुरु वह है जो आपके दुःख, कष्ट और पीड़ा को दूर करने का सामर्थ्य रखता है। गुरु वह है जो आपके जीवन में शांति का संचार करता है और निरंतर प्रगति की दिशा में आपका पथ प्रशस्त करता है। जीवन में कृतज्ञ होने के लाखों अवसर हैं और शिकायत करने के करोड़ों। शिकायतों की संख्या कृतज्ञता से कहीं अधिक प्रतीत होती है। किन्तु गुरु का सान्निध्य इन दोनों से भी परे ले जाता है। वह आपकी दृष्टि को एक ऐसे सत्य की ओर उन्मुख करता है, जहाँ जीवन का सम्पूर्ण परिप्रेक्ष्य बदल जाता है।

शास्त्रीय रसायन विज्ञान हमें प्रत्येक तत्व के गुणधर्मों का ज्ञान कराता है। कुर्सी मेज़ नहीं है, मेज़ द्वार नहीं है, यद्यपि वे सभी लकड़ी से बने हैं। जल एक तापमान पर बर्फ बन जाता है और दूसरे तापमान पर वाष्प। परन्तु जब चेतना की दृष्टि क्वांटम भौतिकी की ओर विकसित होती है, तब मनुष्य शास्त्रीय विज्ञान की सीमाओं से ऊपर उठकर उस सत्य का अनुभव करता है, जहाँ समस्त सृष्टि में एक ही चेतना का स्पंदन दिखाई देता है। स्वयं को सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड से अभिन्न जानने का अनुभव ही अद्वैत की अनुभूति है।

गुरु के तीन स्वरूप होते हैं। पहला उनका स्थूल, भौतिक स्वरूप; दूसरा उनका सूक्ष्म ऊर्जा-स्वरूप; और तीसरा उनका कारण या अदृश्य स्वरूप। करुणा के कारण यही अदृश्य सत्ता पहले सूक्ष्म ऊर्जा के रूप में प्रकट होती है और अंततः मानव रूप धारण कर साधकों का मार्गदर्शन करती है। गुरु की उपस्थिति जीवन की समस्त शिकायतों और समस्त उपलब्धियों, दोनों से कहीं अधिक महान होती है।

जब आप कहते हैं, "मैं कृतज्ञ हूँ", तब भी उसमें एक दूरी का भाव निहित रहता है। परन्तु गुरु तो आपके अपने ही सर्वोच्च, विराट और दिव्य स्वरूप का नाम है। जैसे वायु चारों ओर व्याप्त रहती है, पर उसका अनुभव तभी होता है जब हम उसकी ओर सजग होते हैं। वैसे ही गुरु सदा हमारे साथ हैं, गुरु पूर्णिमा वह पावन दिवस है, जब हम इस दिव्य उपस्थिति का अनुभव करते हैं, उससे जुड़ते हैं और कृतज्ञता के भाव में डूब जाते हैं। यही अनुभूति हमें जीवन में आगे बढ़ाती है। गुरु समस्त शोकों का हरण करते हैं। उनके सान्निध्य में आनंद स्वतः उमड़ पड़ता है, ज्ञान का प्रकाश प्रकट होता है और व्यक्ति की सुप्त प्रतिभाएँ सहज ही प्रस्फुटित होने लगती हैं।

हम सभी का जीवन अनगिनत आशीर्वादों से परिपूर्ण है। आज का यह पावन दिवस उन सभी कृपाओं का स्मरण करने, उन्हें हृदय से अनुभव करने और इस सत्य में उल्लसित होने का है कि हम वास्तव में परमात्मा की असीम कृपा से धन्य हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

दिवस विशेष
डॉ. घनश्याम बादल

राष्ट्र निर्माण का संकल्प दिवस बने गुरु पूर्णिमा

भारतीय संस्कृति में यदि किसी संबंध को सर्वाधिक पवित्र और जीवन-निर्माणकारी माना गया है तो वह है गुरु और शिष्य का संबंध। गुरु पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार, कर्तव्य और उत्तरदायित्व के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का उत्सव है। यह वह अवसर है जब हम उन गुरुओं को नमन करते हैं जिन्होंने अपने ज्ञान, तप, त्याग और चरित्र से केवल व्यक्तियों का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र का निर्माण किया। गुरु को ही ब्रह्मा विष्णु और महेश मानने वाले भारत में महर्षि वेदव्यास की स्मृति में मनाई जाने वाली गुरु पूर्णिमा हमें यह याद दिलाती है कि ज्ञान का प्रकाश ही अज्ञान के अंधकार को समाप्त करता है। भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा स्थान दिया गया है क्योंकि वही शिष्य को ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग दिखाता है। कबीर ने लिखा-

गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय।

केवल एक दोहा मात्र नहीं, बल्कि भारतीय चिंतन का सार है। प्राचीन भारत के गुरुकुल केवल शिक्षा के केंद्र नहीं थे, वे चरित्र, अनुशासन और राष्ट्रधर्म की प्रयोगशालाएं थे। महर्षि वशिष्ठ, विश्वामित्र, द्रोणाचार्य, सांदीपनि, चाणक्य जैसे गुरुओं ने केवल विद्वान ही नहीं, बल्कि ऐसे व्यक्तित्व गढ़े जिन्होंने इतिहास की दिशा बदल दी। श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम बनाने में गुरु वशिष्ठ का योगदान था। श्रीकृष्ण ने गुरु सांदीपनि से जीवन का अनुशासन सीखा और चाणक्य ने चंद्रगुप्त मौर्य को तैयार कर भारत के राजनीतिक इतिहास को

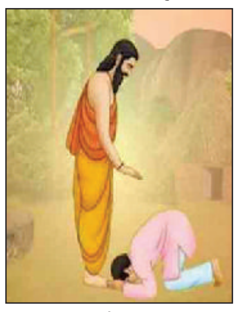

नई दिशा दी। इन गुरुओं ने शिक्षा को कभी जीविका का साधन नहीं बनाया, बल्कि लोककल्याण का माध्यम माना। इस देश में प्राचीन काल में गुरु का दायित्व केवल शास्त्र पढ़ाना नहीं था। वह शिष्य के भीतर सत्य, करुणा, परिश्रम, राष्ट्रप्रेम, आत्मसंयम और न्याय जैसे मूल्यों का विकास करता था। शिक्षा का उद्देश्य नौकरी नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाना था। इसी कारण गुरुकुल से निकलने वाला विद्यार्थी समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक बनता था। लेकिन जैसे-जैसे समय बदला, समाज बदला और शिक्षा की संरचना भी बदल गई। आज गुरुकुलों का स्थान विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने ले लिया है। ज्ञान का विस्तार हुआ है, तकनीक ने शिक्षा को सुलभ बनाया है, लेकिन गुरु-शिष्य संबंधों की आत्मीयता कहीं न कहीं कमजोर हुई है। शिक्षा अब सेवा से अधिक व्यवसाय और प्रतिस्पर्धा का माध्यम बनती जा रही है। अंकों और प्रमाणपत्रों की दौड़ में व्यक्तित्व निर्माण का पक्ष अपेक्षाकृत पीछे छूट गया है। इसमें दो राय नहीं कि आज का शिक्षक अनेक प्रकार के दबावों से घिरा हुआ है। प्रशासनिक कार्य, परीक्षा व्यवस्था, डिजिटल रिपोर्टिंग, अभिभावकों की अपेक्षाएं और बाज़ारवादी शिक्षा व्यवस्था उसके मूल दायित्व को प्रभावित करती हैं। दूसरी ओर विद्यार्थियों की दुनिया भी मोबाइल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सोशल मीडिया और त्वरित सफलता की संस्कृति से संचालित हो रही है। ऐसे वातावरण में गुरु और शिष्य के बीच संवाद, विश्वास और आत्मीयता का दायरा सिमटता जा रहा है। फिर भी यह सच है कि समाज का भविष्य आज भी कक्षा में ही लिखा जाता है। इसलिए आज के आदर्श गुरु की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उसे केवल विषय विशेषज्ञ नहीं, बल्कि मार्गदर्शक, प्रेरक, संवेदनशील नागरिक और नैतिक नेतृत्वकर्ता बनना होगा। उसे विद्यार्थियों को केवल परीक्षा की तैयारी नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों का सामना करना भी सिखाना होगा। यदि शिक्षक समय का सम्मान करता है, सत्यनिष्ठ है, निष्पक्ष है और निरंतर अध्ययनशील है, तो उसके विद्यार्थी स्वतः ही उन गुणों को अपनाने लगते हैं। गुरु पूर्णिमा संदेश देती है कि राष्ट्र का भविष्य किसी संसद, न्यायालय या उद्योग में नहीं, बल्कि सबसे पहले कक्षा में तैयार होता है। जब गुरु ज्ञान के साथ संस्कार देगा, शिष्य श्रद्धा के साथ जिज्ञासा रखेगा और समाज शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का सर्वोच्च माध्यम मानेगा, तभी एक सशक्त, संवेदनशील और नैतिक भारत का निर्माण संभव होगा। गुरु केवल पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि भविष्य का शिल्पकार है। इसलिए गुरु का सम्मान केवल परंपरा नहीं, बल्कि राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य में आस्था का सबसे बड़ा उत्सव होना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सुख की चाह के लिए तप की साधना ज़रूरी

संकलित
दर्शन

तप संकल्प की प्राप्ति का एकमात्र उपाय है। जिसे सत्य संकल्प द्वारा सुख की चाह है, उसे तप की साधना अवश्य करनी चाहिए। संकल्प के दृढ़ एवं सत्य न होने का सबसे बड़ा कारण तप की कमी होता है। जो व्यक्ति अपने स्थूल और सूक्ष्म शरीर के द्वारा तप नहीं करता, वह अपने संकल्पों को कभी प्राप्त नहीं कर सकता। तप से हमें अपने मन और तन, दोनों को पक्का बनाना होता है। जैसे मिट्टी का कच्चा घड़ा पानी डालने पर गल जाता है। वह अग्नि में बिना तपे कभी जल नहीं ला सकता। इसी प्रकार जब तक मनुष्य अपने जीवन को तप द्वारा पक्का नहीं बनाता, तब तक वह कभी भी अपने संकल्पों की सिद्धि को धारण नहीं कर सकता। तप से जीवन की समस्त अशुद्धियां दूर होती हैं। अशुद्धियों के दूर होने से शरीर और इंद्रियों को विशेष सिद्धि मिलती। तभी कहा जाता है कि तप से सभी कुछ साध्य है। वेदों में भी तप की महिमा और आवश्यकता का अनेक स्थानों पर वर्णन किया गया है। कल्याण की कामना करने वाले ऋषिगण भी प्रथम तप और दीक्षा का ही अनुष्ठान करते हैं। श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय स्कंध में श्री भगवान ब्रह्मजी से कहते हैं कि 'मैं इस दृश्यमान अखिल प्रपंच को तप द्वारा रचता हूं और पुनः तप द्वारा ही ग्रसित कर लेता हूं। मैं तप द्वारा ही इस विश्व का भरण-पोषण करता हूं और मेरा अत्यंत तेजस्वी पराक्रम तप ही है। तप द्वारा वह तेज और वह शक्ति प्राप्त की जा सकती है, जो किसी भी संकल्प की प्रतिपूर्ति का आधार बनती है।'

भगवान को बिना खिलाए मंदिर से लौटना नहीं

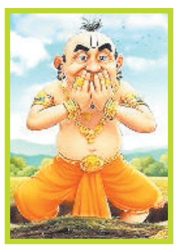

संकलित
प्रेरणा

एक ब्राम्हण था, भगवान श्री कृष्ण के मंदिर में बड़ी सेवा किया करता था। उसकी पत्नी इस बात से हमेशा चिढ़ती थी कि हर बात में वह पहले भगवान को लाता। भोजन हो, वस्त्र हो या हर चीज पहले भगवान को समर्पित करता । एक दिन घर में लड्डू बने। ब्राम्हण ने लड्डू लिए और भोग लगाने चल दिया। पत्नी इससे नाराज हो गई। कहने लगी कोई पत्थर की मूर्ति जिंदा होकर तो खाएगी नहीं जो हर चीज लेकर मंदिर की तरफ दौड़ पड़ते हो। अबकी बार बिना खिलाए न लौटना, देखती हूँ कैसे भगवान खाने आते हैं। बस ब्राम्हण ने भी पत्नी के ताने सुनकर ठान ली कि बिना भगवान को खिलाए आज मंदिर से लौटना नहीं है। मंदिर में जाकर धूनि लगा ली। भगवान के सामने लड्डू रखकर विनती करने लगा। एक घड़ी बीती। आधा दिन बीता, न तो भगवान आए न ब्राम्हण हटा। आसपास देखने वालों की भीड़ लग गई। सभी कौतूहलवश देखने लगे कि आखिर होना क्या है। मक्खियाँ भिनभिनाने लगी ब्राम्हण उन्हें उड़ाता रहा। मीठे की गंध से चीटियां भी लाईन लगाकर चली आईं। ब्राम्हण ने उन्हें भी हटाया, फिर मंदिर के बाहर खड़े आवारा कुत्ते भी ललचाकर आने लगे । ब्राम्हण ने उनको भी खदेड़ा। दिन ढल गया, शाम हो गई। न भगवान आए, न ब्राम्हण उठा। शाम से रात हो गई। धीरे-धीरे सब घर चले गए। ब्राम्हण को भी गुस्सा आ गया, लड्डू उठाकर बाहर फेंक दिए। ब्राम्हण पत्नी के ताने सुनकर सो गया। रात को सपने में भगवान आए। बोले- तेरे लड्डू खाए थे मैंने। बहुत बढ़िया थे, कितने रूप धरने पड़े तेरे लड्डू खाने के लिए, मक्खी, चीटी, कुत्ता, भिखारी।

कांवड यात्रा

भक्त आरती(दाएं) अपनी सास उषा को कांवड में बैठाकर हरिद्वार से पवित्र गंगा जल लेकर मंगलवार को मेरठ पहुंची।

आज की पाती

आंदोलन, नेतृत्व और लोकतंत्र

लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी, संवाद, असहमति और उत्तरदायित्व से भी संचालित होता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आंदोलन सामाजिक चेतना का माध्यम होते हैं। वे सत्ता को आईना दिखाते हैं, जनता की पीड़ा को स्वर देते हैं और नीतिगत सुधारों का मार्ग प्रशस्त करते हैं। किंतु इतिहास यह भी बताता है कि हर आंदोलन स्वतः पवित्र नहीं होता और न ही हर आंदोलन संदेह से परे होता है।यदि किसी आंदोलन के उद्देश्य, नेतृत्व, वित्तीय स्रोत, संगठनात्मक संरचना और कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न उठते हैं, तो उनका उत्तर भी लोकतांत्रिक पारदर्शिता के साथ दिया जाना चाहिए। आंदोलन के विरुद्ध लगाए गए आरोपों का मूल्यांकन प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए।

-शरद काले, रायपुर

ट्रेंड

शर्मिला को बधाई

शर्मिला को महिलाओं के शॉट पुट एफ57 इवेंट में बेहद खास गोल्ड मेडल जीतने और सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो करने के लिए बधाई। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं।

- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

दिल्ली लक्ष्मी योजना

'दिल्ली लक्ष्मी योजना' का पोर्टल 1 अगस्त से शुरू होगा। प्रक्रिया पूरी होने पर, रक्षाबंधन के मौके पर महिलाओं को 2,500 की पहली किस्त जारी की जाएगी। यह बहनों के सम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के प्रति एक संकल्प है।

- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

छात्र आतंकवादी नहीं

भाजपा को क्या हो गया है? बिहार में हमारे छात्रों पर ऐके-47 से गोलियां चलाई गईं। क्या ये छात्र आतंकवादी हैं? मैं सम्राट मोदी को याद दिलाना चाहता हूँ- लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में बिहार की धरती कभी इस नारे से गूंजी थी-"गद्दी छोड़ दो, क्योंकि जनता आ रही है।"

-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

कोरी बयानबाजी

प्रयागराज विरोध प्रदर्शन की आड़ में उत्तर प्रदेश पुलिस की विशेष टीम ने कई छात्रों को बिना नंबर वाली गाड़ी में उठा लिया है। क्या उत्तर प्रदेश पुलिस प्रधानमंत्री के आश्वासनों और वादों को कोरी बयानबाजी साबित करना चाहती है?

- **अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

करंट अफेयर

श्रीलंका के प्राचीन हिंदू मंदिर में अनुष्ठान की हुई शुरुआत

श्रीलंका के तटीय शहर देविनुवारा स्थित प्राचीन हिंदू मंदिर में मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच सदियों से चले आ रहे धार्मिक अनुष्ठान की शुरुआत हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पूर्व में अंडरवर्ल्ड की धमकी की वजह से इस अनुष्ठान को रद्द कर दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि उथपालावाना श्री विष्णु मंदिर में एसाला पेराहेरा (धार्मिक जुलूस) के दौरान 'कावड़ी' अनुष्ठान की सुरक्षा के लिए विशेष कार्यबल (एसटीएफ) के सदस्यों समेत लगभग 1,500 जवानों को तैनात किया गया है। ऐसी खुफिया जानकारी मिली थी कि भगोड़े मादक पदार्थ माफिया शेहान सथसारा और कांजीपनी इमरान के बीच जारी 'गैंगवार' की वजह से अनुष्ठान के दौरान हथियारबंद लोगों द्वारा या ड्रोन से हमला किया जा सकता है, जिसके बाद रविवार को पारंपरिक नृत्य कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया था, लेकिन बाद में इसे फिर से शुरू किया गया। माना जाता है कि ये दोनों अपराधी विदेश से अपना नेटवर्क चला रहे हैं। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को 'कावड़ी' अनुष्ठान में शामिल लोगों की सुरक्षा जांच की गई और कुछ लोगों से मादक पदार्थ क्रिस्टल मेथामफेटामाइन (जिसे स्थानीय भाषा में 'आइस' कहा जाता है) और गांजा जब्त किया गया।

ऑफ बीट

क्या एआई सुलझा पाएगी प्राचीन भाषाओं की गुत्थी

आज तक जिन भी प्राचीन भाषाओं को पढ़ा और समझा जा सका है, उनके रहस्य सुलझाने के लिए शोधकर्ताओं को किसी न किसी आधार का सहारा मिला है। आमतौर पर यह आधार कोई द्विभाषी अभिलेख होता है, जैसे रोसेटा स्टोन, या फिर उससे मिलती-जुलती कोई ज्ञात भाषा, जिससे तुलना की जा सके, लेकिन कांस्य युग में यूनान के क्रीट द्वीप पर विकसित मिनोअन सभ्यता की लिपि 'लीनियर ए' के साथ ऐसी कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। 'लीनियर ए' को भाषाविज्ञान में 'असंबद्ध भाषा' माना जाता है, क्योंकि इसका किसी ज्ञात जीवित या विलुप्त भाषा से अबतक कोई प्रमाणित संबंध स्थापित नहीं हो सका है। यही कारण है कि पिछले एक शताब्दी से यह भाषाविदों के लिए सबसे कठिन पहेलियों में से एक बनी हुई है। इसी तरह रोमन साम्राज्य के उदय से पहले प्रचलित रही इटली की 'एट्रस्कन' भाषा को समझने में भी केवल सीमित सफलता मिली है। कब्रों पर मिले छोटे-छोटे अभिलेखों के आधार पर इसका कुछ शब्दकोश तैयार किया जा सका है, लेकिन इसकी व्याकरण और गहरे अर्थ अब भी भाषाविदों की पकड़ से बाहर हैं। यही वे भाषाएं हैं, जिनकी पहेली सुलझाने में अब कृत्रिम मेधा (एआई) को भी शामिल किया जा रहा है।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

GALGOTIAS UNIVERSITY

Globally Ranked, Consecutively *for* 3 Years

Powered by Industry Led Advanced Labs, Career Focussed Courses & Innovation-Driven Learning with our Active Learning Model

Ranked **3rd** AMONGST PRIVATE UNIVERSITIES IN UTTAR PRADESH
Ranked **46th** AMONGST TOP PRIVATE AND GOVERNMENT UNIVERSITIES IN INDIA

Ranked **16th** AMONGST TOP PRIVATE UNIVERSITIES IN INDIA

QS WORLD UNIVERSITY RANKINGS 2027 RANKED 1201-1400

THE World University Rankings 2026

Ranked **27th** AMONGST TOP PRIVATE UNIVERSITIES/ INSTITUTIONS IN INDIA.
Ranked **65th** AMONGST TOP INDIAN GOVERNMENT & PRIVATE UNIVERSITIES/ INSTITUTIONS

THE World University Rankings Asia
Band **501-600** AMONGST THE TOP RATED GLOBAL UNIVERSITIES
OFFICIALLY REVEALED IN HONGKONG

Launched India's Finest Active Learning Campus

G-SCALE
GALGOTIAS STUDENT CENTERED ACTIVE LEARNING ECOSYSTEM

• Critical Thinking • Collaboration • Engagement • Experiential Learning

Centre for Drone Intelligence & Simulation

Next Gen Structure and Smart Hydraulics Lab

Centre of Excellence - Tableau AI Data Lab

HP-Intel AI for Future Workforce Lab

Semiconductor Research Lab

Advanced EV Centre of Excellence by L&T EduTech

Powered By Industry Integrated Academic Centres

Centre for Supercomputing & Advanced AI Research anchored by NVIDIA DGX H200 GPUs

Advanced Geotechnical and Earth Science Centre

Centre for Design Thinking & Augmented Reality

TATA Technologies Learning Centre

Cisco Centre of Excellence

CodeXperience Centre by Capgemini

Batch 2026 Placement Highlights: 5500+ Placement Offers Secured as on date

526	228	205	119	188	91	61
Students Placed in	Students Placed in	Students Placed in	Students Placed in	Students Placed in	Students Placed in	Students Placed in
Infosys	Capgemini	cognizant	LTM	City Union Bank Ltd	accenture	EY

GALGOTIAS INCUBATION CENTRE
FOR RESEARCH INNOVATION STARTUP & ENTREPRENEURS
Government of UP Recognized Incubator

INR 3 Crore raised by Cybergenix Security Pvt. Ltd., an incubated startup of Galgotias University in Cyber Security domain.

30+ Startups with Revenue | **135+** Startups supported till date | **3** Startups crossed 1 Crore Revenue | **40+** Active Startups | **61** Strategic partners

NAAC GRADE A+ Accredited University | nirf National Institutional Ranking Framework (NIRF) | Tech Alliance Partner aws

APPLY TODAY FOR CAREER FOCUSSED 2026–27 UG/PG/DIPLOMA/Ph.D. PROGRAMMES

Computer Science and Engineering | Electronics and Communication Engineering | Electrical Engineering | Mechanical Engineering | Civil Engineering | Computer Applications and Technology | Defence Technology | Artificial Intelligence | Quantum Technologies | Business | Aviation | Logistics and Supply Chain Management | Tourism Management | Liberal Education | Languages | Finance & Commerce | Basic Sciences | Biosciences and Technology | Forensic Sciences | Agriculture | Law | Pharmacy | Allied Health Sciences | Nursing | Media and Communication Studies | Hospitality | Design | Education | Polytechnic | Vocational Education | Skilling and Entrepreneurship

For Admissions Scan to Apply

GALGOTIAS UNIVERSITY

#GetYourSelfPlaced

Galgotias Admissions Helpline No.: **9810162221, 9717300418, 9582847072** | **97173 00343** | **0120-4370000**

Web: www.galgotiasuniversity.edu.in | **Email:** admission@galgotiasuniversity.edu.in

संस्कृति

डा. नीलकंठ देवांगन

अंचल में शिव भक्तों की कांवड़ यात्रा

समुद्र मंथन से निकले विष पीने से शिवजी नीलकंठ कहलाए। बिष के प्रभावों ने शिवजी को घेर लिया। शिव को नकारात्मक प्रभावों से शांत कराने उनके अनन्य भक्त उनका ध्यान करते जलाभिषेक करते हैं। तपन को शांत करने उन्होंने गंगा को अपने सिर के जटा पर धारण किया है। शीतल चन्द्रमा को भी अपने मस्तक पर शोभित किया है। शिवजी के प्रिय महीने सावन में शिव भक्त कांवर सजाते, केसरिया वस्त्र धारण करते और शिवाभिषेक करने निकल पड़ते हैं जो कई प्रकार के कांवर उपयोग में लाते हैं, जिसमें सामान्य कांवर में कलात्मक सामान्य होता है जिसे जमीन पर नहीं रखा जाता। खड़ी कांवर नाम के अनुसार खड़ी होती है इसे भी जमीन पर नहीं रखते। दांडी कांवर में गंगाजी से जल लेकर शिव मंदिर जल चढ़ाने जाते हैं जो महीने भर की यात्रा होती है। डाक कांवरिए बिना रुके शिव मंदिर जल चढ़ाने जाते हैं। झांकी कांवर वाले दल बनाकर शिवजी के चित्र एवं झांकी के साथ बढ़ते जाते हैं। झूला कांवर में झूला जैसे झूलाया जाता है और शिव भजन गाए जाते हैं। इसके साथ ही यात्रा के दौरान सादगी पूर्ण, भक्तिमय जीवन शैली के साथ यात्रा कर जीवन को सफल बनाने यात्रा की जाती है। अंचल के प्रमुख शिव मंदिरों में बानबरद, चरोदा, राजिम, गरियाबंद, भोरमदेव, कवर्धा, राजनांदगांव, कांकेर, रायपुर, रतनपुर, खरौद, आरंग, मल्हार, रुद्री, सोमनाथ जैसे अनेक शिव मंदिरों में कांवरिए अपनी आस्था प्रकट करने यात्रा करते हैं।

आस्था

अजय वर्मा

अनेक विशेषताओं का संगम है खड़िया मंदिर

रायपुर शहर के पुरानी बस्ती से लाखे नगर चौक की ओर जाने वाली मार्ग पर टिल्लू चौक के सामने एक गली खुलती है। इस गली की एक पहचान तो यह है कि इसे डा. सुखनंदन लाल सोनकर गली भी कहा जाता है। इस गली में प्राचीन राम मंदिर है। कुछ वर्षों पूर्व तक यह खंडहर में तब्दील हो गया था, इस कारण इसे खड़िया मंदिर भी कहा जाता है।यह मंदिर लगभग सन 1550 के आसपास की बताई जाती है।मंदिर में भगवान जगन्नाथ और लक्ष्मी नारायण भगवान की पूजा अर्चना की जाती है। पहले मंदिर की देख रेख योगी जी महाराज नामक संत करते थे। इस मंदिर को लक्ष्मी नारायण मंदिर भी कहा जाता है। योगी महाराज जी जिंदगी भर भगवान भक्ति में रमे रहे। उन्होंने मंदिर परिसर में ही समाधि ले ली। यहां उनकी समाधि विद्यमान है। समय समय पर भक्तों ने अपने आराध्य कुछ और प्रतिमाओं की स्थापना की। यहां भगवान परशुराम की प्रतिमा स्थापित होने का भी उल्लेख मिलता है। देखरेख के अभाव में यहां की ज्यादातर प्रतिमाएं क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिन्हें बाद में संग्रहालय में रखवा दिया गया। भारत की आजादी के बाद इस मंदिर की रौनक फिर लौट आई। यहां भगवान राम, जानकी और हनुमान जी का मंदिर बनवाया गया, तीनों प्रतिमाएं अत्यंत मनमोहक हैं।

कला जगत

डा. विनय कुमार पाठक

मुकुटधर पाण्डेय के गीतों में सांगीतिक तत्व का समन्वय

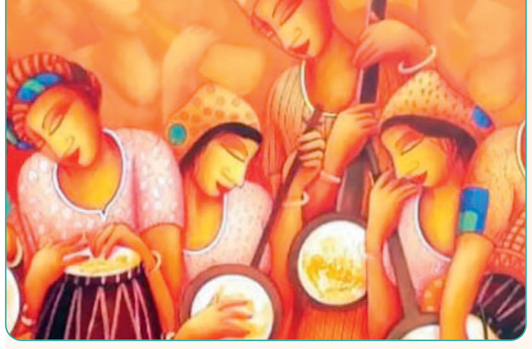

मुकुटधर पाण्डेय बिलासपुर के बालपुर में जन्म लिए। साहित्य के साथ संगीत यात्रा भी आपकी अद्वितीय रही। पाण्डेय जी के गीतों में लय ताल एवं भावों के साथ साथ सभी सांगीतिक तत्वों का सुन्दर समन्वय है। इनकी सांगीतिक अभिरूचि का परिणाम ही है कि इनका काव्य गेय है। विशेषकर भजन, मुक्तक गायन की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ रचनाएं हैं। गीतों को कलावती, मधुमास, सारंग, भैरवी, दरबारी, कानहड़ा आदि पर निर्धारित कर निबद्ध किया गया है एवं राग चयन में भावों के सम्प्रेषण एवं गीत परिवेश को विशेष स्थान दिया गया है। प्रचलित तालों यथा -कहरवा, दादरा, त्रिताल, घुमाली ताल में ही गीतों को तालबद्ध किया गया है एवं लय भी भावानुसार चयनित की गई है। गायन हेतु यद्यपि राग चयन किया गया है तथापि राग स्वरुप को आवश्यकतानुसार परिमार्जित कर दूसरे राग की छटा भी बिखेरी गई है जो सुगम संगीत विद्या होने के कारण यथेष्ट है। साथ ही रागरंजकता की वृद्धि हेतु विवादी एवं अन्य स्वरों का भी प्रयोग किया गया है -

देख सकूँ मैं इस जीवन में तुम्हें न जो भगवान।
पाया मैंने तुम्हें नहीं बना रहे यह ध्यान।
भूल न जाऊं दुख मैं पाऊं आठो पहर महान।
पूरा करने जगती दल में निज आदान प्रदान।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें– **Choupalharibhoomi@gmail.com**

कतको प्रभावी नाटक जन मानस म छाप छोड़िन

लोक नाट्य

उर्मिला शुक्ल

छत्तीसगढ़ी नाटक म कुछेक नाटक हर विधा म लिखे गेहे। जइसे - उदय राम के छत्तीसगढ़ी ' राम चरित ' नाटक। एमा राम के चरित के वर्णन हे। रामलाल कश्यप के श्री कृष्णर्जुन युद्ध म महाभारत के कथा ल आधार बनाय गेहे। ये तरह छत्तीसगढ़ी नाटक के सम्बन्ध मंच ले होथे। रंगमंचीयता या रंग संयोजन नाटक के प्रमुख तत्व आय। बड़का बड़का कई कई अंक वाला नाटक रंगमंच के लइक नी ठहरे। वोला खेले ल समसिया आथे। छत्तीसगढ़ी नाटक म घलो ए दोस मिलथे। कलिकाल, विश्वास, करम छड़हा, जनरेल सिंग नाटक म ए दोस देखे जा सकथे।

एक अंक के नाटक एकांकी कहाथे। एकांकी के अकार अउ विसय वस्तु छोटे होय के सेती येला खेले म सहूलियत होथे अउ प्रभाव घलो बने पड़थे। छत्तीसगढ़ी नाटक साहित्य म एकांकी के संख्या जादा हे। नाटक के विकास के संगे संग एकांकी के रचना छत्तीसगढ़ी नाट्य साहित्य म अउ बढ़ोतरी करथे। छत्तीसगढ़ी के प्रकाशन के बाद एकांकी विधा ल विकास के दिशा मिलथे अउ भूषणलाल मिश्र के रतिहा मदरसी। फकीर दास साहू के अंधेर जमाना, धनंजय के पंच परमेश्वर, नारायण लाल परमार के मंतवार भूल सुधार। मेहतर राम साहू के राजा बेटा, चैत राम व्यास के दू पइसा के हाथी प्यारेलाल गुप्त के दू सऊत, चिंगारी के फूल। लखनलाल गुप्त के बेटी के मंसूबा, बर के खोज, जाग छत्तीसगढ़ जाग, गुरु दक्षिणा अउ बनौक़ी, टिकेन्द्र टिकरिहा के सऊत के डर, भावसिंह हिरवानी के तै थिराबे इंहा, मंतर, विसवेन्द्र ठाकुर के घूरवा के दिन फिरगे, श्यामलाल चतुर्वेदी के मया के मोटरी, नंदकिशोर तिवारी के परेमा. महारसिया।

गांव की कहानी : पूरन सिंह सिदार

अनेक घटनाएं घटी हैं पुड़ागढ़ में

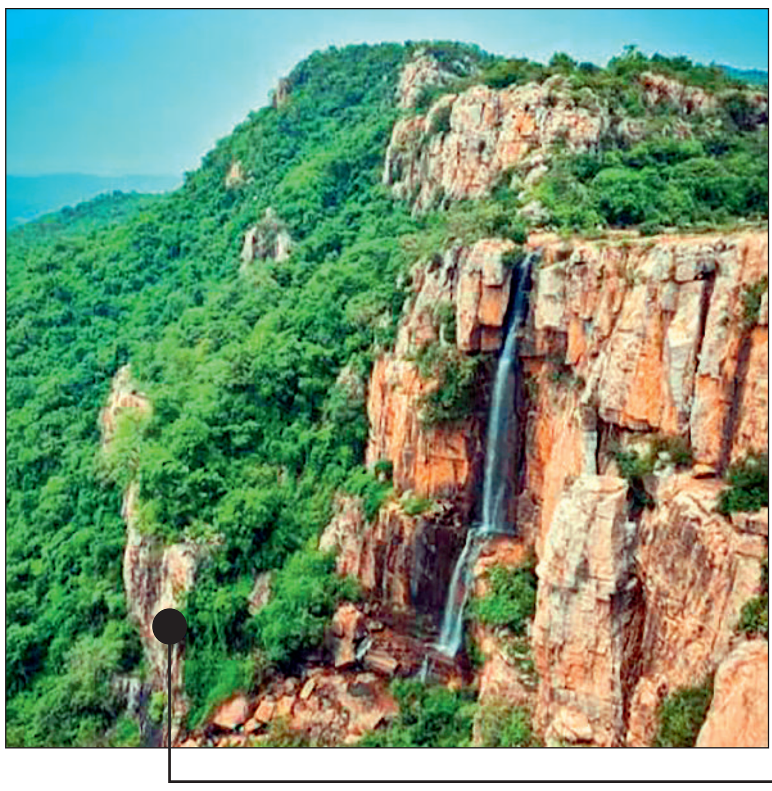

सराईपाली से 16 कि मी दक्षिण की ओर पुड़ागढ़ है। साय वंशीय गोंडों के प्रबल आक्रमण के समय इस गढ़ के सामंत सेनापति को भीषण पराजय का सामना करना पड़ा था। सामंत ने अपने विश्वसत साथियों के साथ गोड़ों का मुकाबला करते हुए अपना प्राण न्योछावर कर दिया, क्योकि आज भी गढ़ के समीप एक शीला खंड को घूमेर देवता के रूप में पूजा जाता है। यह घूमेर देवता ही सरल ह्रदय भैना सामंत रहे होंगे और उनका नाम घूमेर सिंह रहा होगा। परंपरा से ग्रामवासी उक्त घूमेर देवता की पूजा आराधना करते आ रहे हैं, क्योंकि फुलझर के भैनाकालीन गढ़ो में पूर्व के अंतिम सेनापति अथवा सामंत जो युद्ध में वीर गति को प्राप्त हुए, उन्हें किसी न किसी रूप में देवतुल्य माना गया है। पहले गढ़ में प्रवेश और निर्गमन के लिए पूर्व और पश्चिम में दो द्वार थे। इस गढ़ के चारों दिशाओं में गहरी खाइयां थीं, जो अब पट चुकी है। इस गढ़ के दक्षिण में लोहारों की बस्ती थी, जो अस्त्र शस्त्र बनाने का काम करते थे। आज भी गढ़ के पूर्वी खाई के मेड़ में उसके चिन्ह मिलते हैं। भैनों की सेना में कोल, बिंझवार और संवरा आदि वनवासी जातियों का समावेश था।

सुरता

डुमन लाल ध्रुव

सरगुजा अंचल में जन सेवा के लिए समर्पित रहीं राजमोहिनी देवी

राजमोहिनी देवी का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य था ग्राम कोष क़ी स्थापना। उनके प्रयासों से अनेक ग्रामों में अन्न व धन एकत्र किया गया। जरुरतमंद लोगों को ग्राम कोष से मदद क़ी जाती थी। इसका लाभ सीधे वनवासी समाज को मिला। साहूकारों से कर्ज के रूप में धन या बीज के रूप में अनाज लेने की जरुरत खत्म हो गई और वे आर्थिक शोषण से मुक्त हो गए। अन्यथा साहूकार तो वनवासियों से ब्याज वसूल करने में घर पशु और खेत तक अपने नाम करवा लेते थे। गांवों में शराबबंदी, पशु पालन, और चरखे से आर्थिक स्वावलंबन तो आ चुका था, ग्राम कोष की स्थापना से समृद्धि और भी बढ़ती गई। राजमोहिनी देवी के इन कार्यों का सबसे बड़ा फायदा सामूहिकता के सिद्धांत को मिला। शिक्षा की दिशा में भी उनके कार्यों को सफलता मिली। स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता को वे अनिवार्य मानती थीं। उन्होंने साफ सफाई पर ज्यादा जोर दिया था। राजमोहिनी देवी के उपदेशों का लोगों पर अच्छा असर रहा, व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति आई जागरूकता घरों घर और गांव गांव तक व्याप्त हो गई। आपका प्रभात और कार्य क्षेत्र सिर्फ सरगुजा अंचल तक सीमित नहीं था, बल्कि उत्तर प्रदेश और बिहार के सरहदी इलाकों में भी उन्होंने अनेक कार्य किए।

ऐतिहासिक : डा. बलदेव प्रसाद मिश्र

ग्यारहवीं सदी के अंत का छत्तीसगढ़

ग्यारहवीं सदी के अंत में, रत्नेश के नाती महाराज जाजल्य देव प्रथम के समय ही छत्तीसगढ़ में कलचुरी घराने का वास्तविक आधिपत्य हुआ है। इस प्रतापी सम्राट ने एक ओर तो कान्यकुंज (कन्नौज) और जुझोति (बुंदेलखंड) के नरेशो से मित्रता स्थापित की और दूसरी ओर जगपाल नामक अपने वीर मांडलिक की सहायता से इधर रायगढ़ और उधर बस्तर तक अपना राज्य फैला लिया। छत्तीसगढ़ का सम्मान सूचक शब्द मंडल जो मांडलिक से बना है, जिसका अर्थ होता है एक सूबे का गवर्नर। इस जगपाल मांडलिक की प्रशस्तियां राजिम के एक शिलालेख में लिखी हुई मिली है। इस बहादुर ने जाजल्यदेव के पुत्र और पौत्र की भी सहायता की और जाजल्यदेव के पुत्र रत्नदेव द्वितीय को कलिंग नरेश चोड़गढ़ के विजेता होने का श्रेय दिलाया। इसने बस्तर, महाराष्ट्र में भी विजय हासिल की। इसी ने राजिम के सुप्रसिद्ध राजीवलोचन मंदिर का निर्माण पूर्ण किया था। यह क्षेत्र दुर्ग तक फैला जो वर्तमान में दुर्ग जिला है। जयपाल ने ही यहां अपनी सुरक्षा के लिए दुर्ग (किला) का निर्माण कराया, जो उस समय जयपाल दुर्ग के नाम से प्रसिद्ध था। इस किले का नाम दुर्ग तो अब है पर किले का नामों निशान मिट गया है।

दिल्ली, मुंबई सहित कई राज्यों में हाल बेहाल
भारी बारिश से जलभराव, जाम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देशभर में कई राज्यों में बारिश ने कहर बरपाया हुआ है। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में अलग-अलग इलाकों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि भूस्खलन, दीवार गिरने और बाढ़ के कारण 790 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। दिल्ली में मंगलवार सुबह भारी बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव हो गया, व्यस्त बाजारों में घुटनों तक पानी भर गया और सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। शहर में बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया। मौसम विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी में अगले कुछ घंटों के लिए बादलों की गरज और बिजली की चमक के साथ तेज बारिश होने को लेकर 'रेड अलर्ट' जारी किया है।

चंबा में मलबे में दबे कई वाहन

हिमाचल प्रदेश में सात जिलों में भारी बारिश का एलर्ट जारी हुआ है। राजधानी शिमला समेत कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश हुई जबकि चंबा जिले में भूस्खलन से भारी नुकसान हुआ है जहां करीब एक दर्जन वाहन और कई मकान मलबे में दब गए। बाढ़ और भूस्खलन के बाद प्रदेश में कुल 108 सड़कें बंद हो गईं तथा 38 पेयजल योजनाएं और नौ ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए हैं।

देहरादून में पुल का संपर्क मार्ग धंसा

देहरादून, उत्तराखंड के प्रेमनगर क्षेत्र में मंगलवार तड़के भारी बारिश के कारण, करीब एक पखवाड़े पहले यातायात के लिए खोले गए पुल का संपर्क मार्ग धंस गया जिससे उस पर आवागमन रोक दिया गया।

देशभर में हुए हालिया छात्र आंदोलन में शामिल प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर रोक

सीजेआई ने कहा- इस मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की जरूरत

नीट प्रदर्शनकारियों को सुप्रीम राहत, बेदाग रिकॉर्ड वाले नाबालिग छात्रों की होगी रिहाई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को राज्यों को हाल ही में हुए छात्रों के नेतृत्व वाले आंदोलन में शामिल प्रदर्शनकारियों के खिलाफ किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक दिया और निर्देश दिया कि 18 वर्ष से कम आयु के उन लोगों को रिहा किया जाए, जिनका कोई आपराधिक इतिहास न हो।

चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्नपत्र लीक होने को लेकर देशभर में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस की ज्यादतियों के आरोपों वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने कहा कि इस मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की जरूरत है। पीठ ने कहा, 'जिस किसी ने भी ज्यादती की है या कानून को अपने हाथ में लिया है, उस पर कार्रवाई होनी चाहिए।' शीर्ष अदालत ने पैलेट गन, कील लगी लाठियों और 'इलेक्ट्रिक बैटन' के इस्तेमाल जैसे आरोपों पर संज्ञान लिया, जिनकी वजह से कई छात्रों और युवतियों को गंभीर और जानलेवा चोटें आईं। पीठ ने कहा कि वह एक कार्यबल के जरिए सभी आरोपों की स्वतंत्र, निष्पक्ष और गहन जांच कराने पर विचार कर रही है।

राज्यों को दिए गए अंतरिम निर्देश

पीठ ने कहा कि इस बात का पता लगाने के लिए भी जांच की जरूरत है कि 250 पुलिसकर्मियों पर हुए हमले छात्रों ने किये थे या कुछ 'उपद्रवियों' ने। पीठ ने उन राज्यों को कई अंतरिम निर्देश जारी किए, जहां विरोध प्रदर्शन हुए थे, ताकि प्रदर्शनों से जुड़े सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन रिकॉर्डिंग, बॉडी-कैमरा फुटेज, वायरलेस कम्युनिकेशन रिकॉर्ड, पीसीआर प्रविष्टियां और अन्य डिजिटल सबूतों को सुरक्षित रखा जा सके।

खास बातें
- 250 पुलिसकर्मियों पर हुए हमले की भी की जाएगी जांच
- शीर्ष अदालत ने यह भी कहा- शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार संविधान प्रदत्त

प्रदर्शनकारियों से जुड़ा डेटा रखा जाए सुरक्षित

न्यायालय ने यह भी आदेश दिया गया कि प्रदर्शनकारियों से जुड़ा जो भी डिजिटल डेटा इकट्ठा किया गया है, उसे सुरक्षित रखा जाए, लेकिन उसे सार्वजनिक न किया जाए। पीठ ने प्रदर्शनकारी छात्रों को दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा देने के साथ ही स्पष्ट किया कि उसका यह निर्देश उन लोगों पर लागू नहीं होगा, जिनका आपराधिक रिकॉर्ड है। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के आह्वान पर 20 जुलाई को दिल्ली में 'चलो संसद' मार्च निकाला गया था और इस दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़पें हुईं। सुरक्षाकर्मियों ने संसद की ओर बढ़ने की कोशिश कर रही भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठियों और आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया।

सुप्रीम कोर्ट की शर्तें मंजूर नहीं : सीजेपी

सर्वोच्च अदालत की ओर से दिए गए निर्देशों पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरभ दास ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा कि उन्हें इस तरह की शर्तें मंजूर नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट यदि कुछ युवाओं के हित में कर रही है तो हम स्वागत करते हैं ऐसे आदेश का। लेकिन सुप्रीम कोर्ट जो कर रही है अपने हिसाब से कर रही है, करती रहे। हमने यह नहीं कहा कि कोई नाबालिग है तभी छोड़िए, या पहले से एफआईआर है तो मत छोड़िए। सरकार को भी समझना चाहिए कि जो भरोसा दोनों मंत्रियों ने दिया था उन्हें पूरा करना चाहिए। अब यदि सुप्रीम कोर्ट कह रही है कि जिन पर पहले से एफआईआर है उन्हें मत छोड़िए, तो यह हमें मंजूर नहीं है। हमारी जो मांगें हैं वह साफ हैं और उसी के हिसाब से होना चाहिए।'

नीरव को जल्द लाएंगे भारत : एमईए

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) ने नीरव मोदी को डिपोर्ट कराने, यूक्रेन में लापता भारतीयों और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कराए जा रहे चुनाव पर भारत सरकार का रुख सामने रखा. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने भरोसा दिलाया कि नीरव मोदी को जल्द भारत लाया जाएगा। भगोड़े कारोबारी मोदी के प्रत्यर्पण के सवाल पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'यूके में एक कानूनी प्रक्रिया चल रही है।

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
A part of aisect india
Bilaspur, Chhattisgarh
Approved by : PCI | AICTE | NCTE | BCI | Member of : AIU | Recognized by : UGC | A NAAC Accredited University
Advertisement No. 025
APPOINTMENT
ONLINE/OFFLINE APPLICATIONS ARE INVITED FROM THE ELIGIBLE CANDIDATES FOR APPOINTMENT FOR THE POST OF
ASSISTANT PROFESSOR/ASSOCIATE PROFESSOR/PROFESSOR
in various Departments **Engineering** (Civil, ECE, EE, EEE, CSE, Mechanical), **Information Technology & Computer Science**, **Education**, **Physical Education**, **Law**, **Commerce & Management**, **Science** (Physics, Chemistry, Mathematics, Botany, Biotechnology, Microbiology, Zoology, Rural Technology), **Arts** (English, Sanskrit & Ancient Languages, Chhattisgarhi, Hindi, Geography, Economics, MSW, Sociology, Mass Communication, Political Science, History, Library Science, Performing, Folk & Fine Arts), **Pharmaceutical Science.**
Note:- **The Candidates should have qualification and experience as per UGC / AICTE / NCTE / BCI / PCI Norms.**
01. Last date of receiving of application is **25/08/2026**
02. Name of the position must be mentioned on the application/email heading.
03. Information in the application should be supported by copy of self-attested certificate, submitted as enclosure.
04. The decision of the selection committee will be final in all matters related to recruitment of suitable candidates.
Application shall be posted on the University address: Dr. C.V. Raman University, Kargi Road, Kota, Dist- Bilaspur (C.G.) or send on mail id at **hr@cvru.ac.in.**
For more details please visit on Dr. C.V. Raman University website **www.cvru.ac.in** or Contact on 07753-253813
Registrar

पिछले साल जून में हुआ था हादसा

अहमदाबाद विमान हादसा
अंतिम रिपोर्ट अक्टूबर में सौंपेगी सरकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अहमदाबाद एअर इंडिया विमान दुर्घटना की अंतिम रिपोर्ट का मसौदा अक्टूबर के पहले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। यह जानकारी सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को दी। बता दें कि यह हादसा पिछले साल जून में हुआ था। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की इस दलील पर भी ध्यान दिया कि फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स एएआईबी को अपनी जानकारी दे सकता है, जिसे एएआईबी जांच के दौरान आवश्यक पाए जाने पर देख सकता है और उस पर कार्रवाई कर सकता है।

सुनवाई के दौरान, सॉलिसिटर जनरल ने पीठ को बताया कि याचिकाकर्ताओं में से एक द्वारा दायर आवेदन के अनुसार चार सिमुलेशन परीक्षण किए जा चुके हैं। विधि अधिकारी ने कहा कि अंतिम मसौदा रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में पीठ के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

यह है मामला

एयर इंडिया की बोइंग 787-8 फ्लाइट **AI**171, जो लंदन के गैटविक एयरपोर्ट जा रही थी, के पायलट-इन-कमांड कैप्टन सुमीत सभरवाल और को-पायलट कैप्टन क्लाइव कुंदर थे। यह दुर्घटना गुजरात के अहमदाबाद से उड़ान भरने के बाद हुई। मृतकों में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी शामिल थे।

मृतक पायलट के पिता की याचिका पर सुनवाई

अदालत एक गैर सरकारी संगठन, एक कानून के छात्र और मृतक पायलट के पिता द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें दुर्घटना की स्वतंत्र, अदालत की निगरानी में जांच की मांग की गई थी। अब पीठ ने इन याचिकाओं पर आगे की सुनवाई के लिए 13 अक्टूबर की तारीख तय की है। एएआईबी ने कहा था कि 12 जून, 2025 को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे से संबंधित कॉकपिट की आवाज रिकॉर्डिंग और हवाई छवि रिकॉर्डिंग को किसी भी बाहरी समिति या जनता के सामने प्रकट करने पर 'पूर्ण वैधानिक प्रतिबंध' है।

50 से ज्यादा लोग फंसे

जापान में 6.8 तीव्रता का भूकंप, गिरा शॉपिंग मॉल

एजेंसी ▶▶| टोकियो

जापान के दक्षिणी कुमामोटो प्रांत में मंगलवार को 6.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। तेज झटकों के बाद काशिमा शहर स्थित एक शॉपिंग मॉल की दूसरी मंजिल ढह गई, जिससे 50 से ज्यादा लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक कई लोग घायल हुए हैं। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) के मुताबिक, भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 4:27 बजे आया। इसका केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी, लेकिन करीब एक घंटे बाद इसे वापस ले लिया गया।

भूकंप के बाद प्रशासन ने एहतियात के तौर पर क्यूशू द्वीप के 1.5 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों में जाने के निर्देश दिए हैं। राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके की तस्वीरों में कई सड़कों और पुलों में दरारें, इमारतों में आग और अन्य नुकसान दिखाई दे रहे हैं।

सरकार ने राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है, जबकि प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

जापान सबसे ज्यादा भूकंप वाले देशों में शामिल- जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यह चार बड़े टेक्टोनिक प्लेटों पर बसा है और प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा है। हर साल यहां करीब 1500 भूकंप आते हैं, जिनमें से ज्यादातर हल्के होते हैं।

48 हजार से ज्यादा घरों की बिजली हुई गुल

कुमामोटो प्रीफेक्चर में आए शक्तिशाली भूकंप के बाद 48,300 से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। बिजली कंपनी क्यूशू इलेक्ट्रिक पावर की टीमें आपूर्ति बहाल करने में जुटी हैं। कंपनी ने लोगों से अपील की है कि गिरे हुए या टूटे बिजली के तारों को न छुएं। साथ ही कहीं भी बिजली के उपकरणों या लाइनों में नुकसान दिखने पर तुरंत इसकी सूचना देने को कहा है।

अमरनाथ यात्रियों की बस पलटी, 39 श्रद्धालु घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में बुधवार सुबह अमरनाथ यात्रा से लौट रहे श्रद्धालुओं की एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। गनीवान (गुंड) इलाके में बस अनियंत्रित होकर सड़क से फिसल गई और गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में 39 श्रद्धालु घायल हो गए। पुलिस, एसडीआरएफ, राहत दल और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को पहले कंगन अस्पताल ले जाया गया। बाद में उन्हें बेहतर इलाज के लिए एसकेआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। दुर्घटनाग्रस्त बस का नंबर AR11 D5655 है। हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच शुरू कर दी गई है। उधर, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गांदरबल के डिप्टी कमिश्नर और स्वास्थ्य अधिकारियों से बात कर घायलों की स्थिति की जानकारी ली।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
(सडक परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय)
कार्यालय परियोजना निदेशक, परियोजना कार्यान्वयन ईकाई, कोरबा
एम.आई.जी. ।।/12, एम.पी. नगर विस्तार, हेलीपेड रोड़, घंटाघर के पास, निहारिका, कोरबा (छ.ग.)
जनसूचना
महाराजपुर टोल प्लाजा पर दिनांक 29/07/2026 से 31/03/2027 तक लागू उपयोगकर्ता शुल्क (टोल) दर हेतु जारी सूचना
आम जनता को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि, क्षेत्रीय अधिकारी, भा.रा.रा.प्रा. रायपुर द्वारा महाराजपुर टोल प्लाजा हेतु उपयोगकर्ता शुल्क दरों के अनुमोदन के अनुसरण मे छत्तीसगढ राज्य में म.प्र./छ.ग. सीमा से सूरजपुर खण्ड, रा.रा.–43 (कि.मी.245.00 से कि.मी.323.100) खण्ड हेतु दि.29.07.2026 से दि.31.03.2027 तक के लिए शुल्क संग्रहण के संबंध में अनुमोदित उपयोगकर्ता शुल्क दरें निम्नानुसार है :–

वाहन का प्रकार	एक तरफा यात्रा शुल्क	एक दिवस में वापसी यात्रा शुल्क	मासिक पास (एक तरफा 50 यात्राओं के लिए)	एकतरफा यात्रा के लिये जिले में पंजीकृत स्थानीय वाणिज्यिक वाहन के लिए शुल्क
कार, जीप, वैन या हल्के मोटर वाहन	80	120	2705	40
हल्के वाणिज्यिक वाहन, हल्के माल वाहक वाहन अथवा मिनी बस	130	195	4370	65
बस या ट्रक	275	410	9155	135
तीन धुरी वाले वाणिज्यिक वाहन	300	450	9990	150
एच.सी.एम./ई.एम.ई./एम.ए.वी./(चार से छः धुरी वाले)	430	645	14360	215
बडे आकार वाले वाहन (सात या अधिक धुरी वाले)	525	785	17480	260
टोल प्लाजा से 20 कि.मी.के अंदर स्थानीय रहवासियों के लिये गैर वाणिज्यिक वाहनों के लिये मासिक पास की दर रू.360/– रहेगी।				

महत्वपूर्ण सूचना :–(i) दिनांक 15.02.2021 से सभी टोल लेन FASTag लेन घोषित कर दिये गये हैं एवं उपयोगकर्ता शुल्क भुगतान केवल FASTag के माध्यम से ही स्वीकार किया जायेगा।
(ii) भा.रा.रा.प्रा., मुख्यालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए "वार्षिक पास" का शुल्क 01.04.2026 से रू.3,075/– निर्धारित किया गया है।
सड़के ही नहीं, राष्ट्र का निर्माण भी

पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना (RWBCIS)
UIN : IRDAN126P0002V02200708
फसल बीमा कराओ सुरक्षा कवच पाओ
फसल बीमा माह 1-31 जुलाई, 2026
खरीफ-2026
''किसान भाई-बहनों के लिए आवश्यक सूचना''
भारत सरकार की इस योजना को छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से ''भारतीय कृषि बीमा कंपनी'' द्वारा खरीफ 2026 में छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में संचालित की जा रही है।
अधिसूचित फसलें : खरीफ राजस्व निरीक्षक मंडल स्तर पर - टमाटर, बैगन, मिर्च, अदरक, केला, पपीता एवं अमरुद
योजना की विशेषताएँ
- आवरण किये जाने वाले किसान : अधिसूचित क्षेत्र में अधिसूचित फसल उगाने वाले सभी किसान - ऋणी एवं अऋणी किसान।
- ऋणी किसान : ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हे भारत सरकार द्वारा जारी चयन प्रपत्र (Opting-out form) के अनुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र दोनो खरीफ मौसम के लिये पूरे वर्ष के दौरान किसी भी समय लेकिन किसानों के नामांकन के लिए तय की गई तिथि खरीफ के लिए 31 जुलाई 2026 से कम से कम 7 दिन पहले तक, संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा, अन्यथा संबंधित बैंक द्वारा संबंधित मौसम के लिए स्वीकृत/नवीनीकृत की गई अल्पकालीन कृषि ऋण को अनिवार्य रूप से बीमाकृत किया जायेगा।
- अऋणी किसान : अऋणी किसान इस योजना के तहत निकटतम बैंक शाखा/समिति, CSC, डॉकघर और राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल (NCIP) के माध्यम से अपना नामांकन करा सकते हैं। साथ ही अऋणी किसान को प्रस्ताव पत्र के साथ निम्न दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा :-
- जरूरी दस्तावेज : 1) नवीनतम आधार कार्ड की कॉपी, 2) नवीनतम भूमि प्रमाण पत्र (बी-1, पी-2) की कॉपी, 3) बैंक पासबुक के पहले पन्ने की कॉपी जिस पर एकाउंट नंबर/आईएफएससी कोड/बैंक का पता साफ दिख रहा हो, 4) फसल बुवाई प्रमाण-पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने के आशय का स्वघोषणा पत्र, 5) किसान का वैध मोबाईल नंबर, 6) बटाईदार/कास्तकार/साझेदार किसानों के लिए- फसल साझा/कास्तकार का घोषणा पत्र, 7) के सी सी (KCC) / कृषि ऋण न लेने के संबंध में स्व - घोषणा पत्र।
- बीमित फसलों में परिवर्तन : ऋणी किसान अपने बीमित फसलों में परिवर्तन करा सकते हैं इसके लिये खरीफ मौसम में नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 से दो कार्य दिवस पूर्व इस बात की सूचना संबंधित बैंक शाखा में दे सकते हैं।
आधार अनिवार्य किसान भाइयों से अनुरोध है की वो अपना आधार खरीफ के लिए 31.07.2026 से पूर्व, बैंक में अपडेट करालें। फसल बीमा पोर्टल पर बिना आधार प्रमाणीकरण के बीमा मान्य नहीं होगा।
आवरित जोखिम
अधिसूचित क्षेत्र आधार पर: 1) तापमान (कम, अधिक) 2) वर्षा (कम, अधिक, बेमौसम वर्षा) 3) वायु गति 4) कीट एवं व्याधि प्रकोप के अनुकूल मौसम
स्थानीय आपदा एवं फसल विशेष के आधार पर: 1) ओलावृष्टि 2) चक्रवाती हवाएँ

क्र.सं	मौसम	अधिसूचित फसलें	स्थानीय आपदा हेतु जोखिम
1.	खरीफ	मिर्च, केला एवं पपीता	ओलावृष्टि
2.	खरीफ	केला एवं पपीता	चक्रवाती हवाएँ

हानि का मूल्यांकन (दावा भुगतान)
- अधिसुचित क्षेत्र में स्थापित ''स्वाचालित मौसमी केन्द्र'' (AWS) से प्राप्त उपरोक्त लिखित सभी 4 अवरित जोखिमों के प्रमाणित आंकडों एवं अधिसुचित टर्मशीट के अनुसार दावा गणना की जायेगी।
- दावा राशि का भुगतान सीधे किसानों के खाते में किया जावेगा।
- किसानों को फसल क्षति से संबंधित सूचना बीमा कम्पनी को देने की आवश्यकता नही है।
हानि का मूल्यांकन (दावा भुगतान)
स्थानीय आपदाएँ से फसलों में नुकसान होने पर 72 घंटो के भीतर बीमित फसलों के ब्यौरे, क्षति की मात्रा, क्षति का कारण, फोटो इत्यादि के साथ यहाँ सूचित करें :-
राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रिय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ।
लोक सेवा केन्द्र (CSC)। भारत सरकार की क्रॉप इंश्योरेंस ऐप।
जिला/तहसील स्तर के उद्यानिकी/कृषि/राजस्व कार्यालय।
भारत सरकार के टोल फ्री नम्बर (14447)।
नोट :- हानि का मूल्यांकन व्यक्तिगत खेत सर्वे या सेम्पल सर्वे द्वारा किया जाएगा।

1. किसान द्वारा देय प्रीमियम दर (बीमित राशि का)	खरीफ - 5%
2. बैंक/प्राथमिक कृषि सेवा सहकारी समिति/लोक सेवा केन्द्र/ऑनलाईन पंजीकरण/बीमा अभिकर्ता /डॉक विभाग इत्यादि द्वारा सभी ऋणी कृषकों तथा अऋणी कृषकों (प्रस्ताव पत्र के साथ) बीमा कराने/प्रीमियम जमा/खाते से प्रीमियम कटौती / बीमा कराने की अंतिम तिथि	31 जुलाई 2026

HO/26-27/1A/13
- किसान भाईयों से आग्रह है कि फसल बीमा की खरीफ मौसम के लिए अंतिम तिथि 31-07-2026 से पूर्व निकटतम राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक /जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ/लोक सेवा केन्द्र (CSC)/भारत सरकार की बीमा पोर्टल/डॉक विभाग के माध्यम से फसल का बीमा करा सकते हैं।
- योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए राज्य सरकार की अधिसूचना देखें अथवा उद्यानिकी/कृषि/राजस्व अधिकारी /बैंक /CSC एवं ए.आई.सी. क्षेत्रीय/जिला/ तहसील कार्यालय से संपर्क करें।
भारतीय कृषि बीमा कंपनी® | AGRICULTURE INSURANCE COMPANY OF INDIA LTD.
क्षेत्रीय कार्यालय: एल.आई.सी. इनवेस्टमेंट बिल्डिंग, फेस-2, द्वितीय तल, पंडरी, रायपुर- 492004 (छ.ग.)
फोन/फैक्स:0771-4306605 ई–मेल: ro.raipur@aicofindia.com Website : www.aicofindia.com
पंजीकृत कार्यालय: प्लेट बी और सी, 5वीं मंज़िल, ब्लॉक 1, ईस्ट किदवई नगर, नई दिल्ली–110023.
सीआईएन: U74999DL2002PLC118123, आईआरडीएआई पंजीकरण सं. 126
aicofindialtd aicofindia aicofindia aicofindialtd aicofindialtd
कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन 14447
फसल हो या कृषि संपदा। बीमा सुरक्षा हमारा वादा ।।
विज्ञापन मात्र (नियम एवं शर्तें लागू)

देश में खूब बन रहे अरबपति, बीते 5 साल में चार गुना बढ़ी अमीरों की संख्या

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देश में रईसों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और साथ ही उन अल्ट्रा हाई नेट वर्थ वालों की संख्या भी बढ़ रही है, जिनकी कमाई 100 करोड़ रुपए से ज्यादा है। सरकार ने संसद में इन बड़े टैक्सपेयर्स के बारे में ये जानकारी दी है। केंद्र ने बताया कि देश में 100 करोड़ रुपए से अधिक की वार्षिक आय घोषित करने वाले आयकरदाताओं की संख्या पिछले 5 वर्षों में लगभग चार गुना हो गई है।

केंद्र के मुताबिक, आकलन वर्ष 2025-26 में 576 लोगों ने अपनी वार्षिक आय 100 करोड़ रुपए से अधिक घोषित की, जबकि आकलन वर्ष 2021-22 में यह संख्या 142 थी। इस तरह पांच वर्षों में ऐसे उच्च आय वाले करदाताओं की संख्या में करीब 300 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि आयकर अधिनियम, 2025 के तहत 'अरबपति' शब्द की कोई वैधानिक परिभाषा नहीं है। इसलिए सरकार ने आयकर रिटर्न के आधार पर केवल उन व्यक्तियों का आंकड़ा साझा किया है, जिन्होंने अपनी वार्षिक आय 100 करोड़ रुपए से अधिक घोषित की है। सरकार ने श्रम बाजार की स्थिति में भी सुधार का दावा किया। पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए बेरोजगारी दर 2023-24 में घटकर 3.1 प्रतिशत रह गई है। सरकार ने कहा कि वह आय असमानता को कम करने के लिए प्रगतिशील कर व्यवस्था, रोजगार सृजन कार्यक्रमों और स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास तथा ग्रामीण विकास पर सार्वजनिक खर्च बढ़ाने जैसे कदम उठा रही है। इसके साथ ही इंफ्रा विकास पर आधारित निवेश और लक्षित कर प्रोत्साहनों के जरिए रोजगार के अवसर बढ़ाने और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जा रहा है।

उच्च शिक्षा और अनुसंधान में भारत-जापान सहयोग बढ़ाने की दिशा में गलगोटियास विवि की पहल

■ ग्रीन हाइड्रोजन, ईवी, सेमीकंडक्टर और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग पर हुआ मंथन

नोएडा। गलगोटियास विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में भारत-जापान सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से जापान के सरकारी अधिकारियों, प्रमुख उद्यमियों और अकादमिक विशेषज्ञों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की। बैठक में भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। इस दौरान ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), सेमीकंडक्टर और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज, संयुक्त मार्गदर्शन में पीएचडी रिसर्च तथा विश्वविद्यालय-इंडस्ट्री पार्टनरशिप को बढ़ावा देने पर भी विचार किया गया। पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को क्लीन एनर्जी, सस्टेनेबल मोबिलिटी और नेक्स्ट - जेनरेशन मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में नए अवसर उपलब्ध कराना है।

इस अवसर पर गलगोटियास विश्वविद्यालय के सीईओ डॉ. ध्रुव गलगोटिया ने कहा कि उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रयास है कि इन चर्चाओं को संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, एक्सचेंज प्रोग्राम और इंडस्ट्री पार्टनरशिप का ठोस रूप दिया जाए, जिससे विद्यार्थी और फैकल्टी सीधे लाभान्वित हो सकें। उन्होंने कहा कि जापान की मैन्युफैक्चरिंग, क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी और औद्योगिक नवाचार में विशेषज्ञता तथा भारत के विशाल इंजीनियरिंग एवं रिसर्च टैलेंट का समन्वय नई तकनीकों के विकास और वैश्विक चुनौतियों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उत्तर प्रदेश और जापान के बीच क्लीन एनर्जी तथा एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में बढ़ते सहयोग के बीच राज्य ग्रीन हाइड्रोजन, ईवी कंपोनेंट्स और सेमीकंडक्टर सेक्टर में निवेश के उभरते केंद्र के रूप में पहचान बना रहा है। विश्वविद्यालय का यह संवाद अनुसंधान क्षमताओं और टैलेंट पाइपलाइन को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

गलगोटियास विश्वविद्यालय को क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 में 1201-1400 के ग्लोबल बैंड में स्थान मिला है। विश्वविद्यालय को नैक से 'ए+' ग्रेड भी प्राप्त है। विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटर साइंस, सेमीकंडक्टर, बिजनेस, विधि, मीडिया, डिजाइन, स्वास्थ्य विज्ञान और अन्य क्षेत्रों में विविध कार्यक्रम संचालित करता है। विश्वविद्यालय के अनुसार वर्ष 2026 में विद्यार्थियों को 1,250 से अधिक कंपनियों की ओर से 5,500 से अधिक जॉब ऑफर प्राप्त हुए।

वरुण बेवरेजेज का मुनाफा बढ़कर 1,525 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। पेप्सिको की सबसे बड़ी फ्रैंचाइजी बॉटलर वरुण बेवरेजेज लिमिटेड ने मंगलवार को बताया कि 2026 की जून तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 15.07 प्रतिशत बढ़कर 1,525.35 करोड़ रुपये हो गया। वरुण बेवरेजेज लिमिटेड (वीबीएल) ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी ने एक साल पहले अप्रैल-जून में 1,325.48 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया था।

रुपए की मजबूती से सोना और चांदी में रही गिरावट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

■ सोना 2,640 रुपये प्रति 10 ग्राम व चांदी 5200 रुपए टूटी

कमजोर वैश्विक रुख और रुपये की मजबूती से राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमतें 2,640 रुपये घटकर 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। वहीं चांदी की कीमत 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम टूट गई। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत सोमवार के 1,49,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद स्तर से 2,640 रुपये टूटकर 1,47,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) रह गई। चांदी में भी बिकवाली देखी गई और इसकी कीमत 5,200 रुपये टूटकर 2,24,800 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई। पिछले सत्र में चांदी 2,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। कारोबारियों ने कहा कि रुपये की मजबूती से घरेलू बाजार में आयातित सर्राफा (सोना-चांदी) की यहां मंगाने की लागत कम हो गई। दूसरी ओर, कमजोर वैश्विक रुख और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले से पहले सावधानी के कारण निवेशकों की कारोबारी धारणा कमजोर रही।

राशिफल

मेष रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता

मालाबार गोल्ड ने धोनी को बनाया ब्रांड एम्बैसडर

नई दिल्ली। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को अपना ब्रांड एम्बैसडर बनाया है। मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स, विविध कारोबार वाले भारतीय समूह मलाबार ग्रुप की प्रमुख कंपनी है। इसकी शुरुआत 1993 में की गई थी। कंपनी के 14 देशों में 450 से अधिक शोरूम हैं। मालाबार समूह के चेयरमैन एम.पी. अहमद ने मंगलवार को जारी बयान में कहा।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, (भवन / सड़क) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर (छ.ग.)

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा एन.आई.टी. नंबर 132 से 134 दिनांक 16.07.2026 (जी नंबर 262702200) को लोक निर्माण विभाग की वेबसाईट दिनांक 16.07.2026 से 21.07.2026 तक निर्धारित रखरखाव एवं तकनीकी अपडेट होने के कारण निविदा आनलाईन नहीं की जा सकी इसलिए निरस्त किया जाता है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

जी. 262702403/4

लोक शिक्षण संचालनालय, छत्तीसगढ़
(प्रथम तल, सी खण्ड, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर, अटल नगर)
(दूरभाष क्रमांक 0771.2331385 फैक्स क्रमांक 0771.2445215, ई-मेल- cg.dpi.dir@gmail.com)

क्रमांक / ESTB-101/207/2025/131 नवा रायपुर, दिनांक 28/07/2026

संक्षिप्त विज्ञापन

छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा ई एवं टी संवर्ग की शासकीय शालाओं में शिक्षक के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं:-

स.क्र.	नियुक्तिकर्ता प्राधिकारी	पदनाम	विषय	रिक्तियों की संख्या
1	संबंधित संभागीय संयुक्त संचालक	शिक्षक	हिन्दी	250
			संस्कृत	300
			अंग्रेजी	504
			गणित	250
			सामाजिक विज्ञान	250
			कृषि	100
योग				1654

टीप :- 01. विज्ञापित पदों की आवश्यक शैक्षणिक अर्हतायें, आयु सीमा, निर्देश, परीक्षा योजना, पाठ्यक्रम, पदों का आरक्षण संबंधी विस्तृत विवरण अन्य महत्वपूर्ण जानकारी https://vyapamcg.cgstate.gov.in/ एवं https://eduportal.cg.nic.in पर विस्तृत विज्ञापन में देखे जा सकते हैं। 02. रिक्त पदों की संख्या परिवर्तनीय है। 03. ऑनलाईन आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल (पूर्व नाम छ.ग. व्यापम) की वेबसाईट पर भरे जायेंगे। 04. लिखित भर्ती परीक्षा की संभावित तिथि 25.10.2026 है। 05. उपरोक्त विज्ञापित पदों के लिए की जाने वाली चयन उपरांत नियुक्ति माननीय उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में दायर एस.एल.पी. (सी) कमांक 019668/2022 में पारित होने वाले अंतिम आदेश/निर्णय के अध्यधीन रहेगा।

जी. 262702406/2 संचालक, लोक शिक्षण छत्तीसगढ़

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास शाखा) जिला-बालोद (छ.ग.)
Fax No. : 07749-22315, Email: actwd.balod@gmail.com

क्रमांक/509/आ.जा.क. / 2026-27 बालोद, दिनांक 23/07/2026

रूचि की अभिव्यक्ति

जिला प्रशासन जिला बालोद द्वारा जिले के पात्र अभ्यार्थियों को छ.ग. लोक सेवा आयोग एवं छ.ग. व्यवसायिक परीक्षा मंडल तथा एसएससी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय / राज्य स्तरीय परीक्षा एवं अन्य समकक्ष भर्ती बोर्ड द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए परिणामोन्मुखी अध्यापन सह कोचिंग उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है। कोचिंग क लिए "रुचि की अभिव्यक्ति" उपलब्ध कराने हेतु राज्य में संचालित कोचिंग संस्थाओं में से इच्छुक संस्थाओं से रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती है, कोचिंग संस्थाएं रूचि अभिव्यक्ति, ऑनलाईन ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया जाना है:-

1	ई-निविदा प्रारंभ तिथि	10.07.2026 दिन शुक्रवार
2	निविदा की अंतिम तिथि	11.08.2026 दिन मंगलवार शाम 05:00 बजे
3	ऑनलाईन द्वारा जमा की गई निविदा प्रपत्र की कीमत एवं अमानत राशि का छायाप्रति एवं सत्यनिष्ठा का मूल प्रति स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड / कोरियर से इस कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि	14.08.2026 दिन शुक्रवार शाम 05:00 बजे
4	निविदा खोलने की तिथि	18.08.2026 दिन मंगलवार समय 12:00 बजे
5	प्री.बीड की तिथि	04.08.2026 दिन मंगलवार समय

विस्तृत जानकारी तथा नियमावली ऑनलाईन htpps://eproc.cgstate.gov.on/ एवं कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास बालोद में अवलोकन किया जा सकता है।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास बालोद

जी. 262702405/2

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA

e-Procurement Tender Notice Main
Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

NIT No : /2026 Korba Dated 23.07.2026

Sr. No.	System Tender No.	Name of Work/Description of Work	Probable Amount of Contract (In Lacs)
1	197497 (1st Call)	Construction of R.C.C. Drain and Cement Concrete Road Behind Primery School Tulsi Nagar Ward No. 03 (15th Finance)	15.80
2	197499 (1st Call)	Construction of R.C.C. Drain and Cement Concrete Road Behind Gurudwara Jharnapara and 15 Block at Ward No. 15 (15th Finance)	19.63
3	197500 (1st Call)	Construction of R.C.C. Drain and Cement Concrete Road Behind Pump House School Jhadi Mohalla at Ward No. 16 (15th Finance)	17.68
4	197503 (1st Call)	Construction of R.C.C. Drain and Cement Concrete Road from Sahu Khatal to Bhaiskhatal at Ward No. 17 (15th Finance)	25.00
5	197504 (1st Call)	Construction of R.C.C. Drain and Cement Concrete Road at Purvanichal Vikash Samiti Kohadia Ward No. 18 (15th Finance)	26.30

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh http://eproc.cgstate.gov.in from 23.07.2026 at 15:00 Hours. (IST) onwards.

Executive Engineer
Municipal Corporation Korba (C.G.)

कार्यालय, प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मण्डी) बोर्ड
"सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन" सेक्टर-24, कयाबांधा, अटल नगर, नवा रायपुर-492018
फोन-0771-2990592, email-mdcgmandiboard@gmail.com, website-www.agriportal.cg.nic.in

क्र./बी-6/मंडी नैला/35-02/2026-27/2452 रायपुर, दिनांक 27/07/ 2026,

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
Main Portal:http://eproc.cgstate.gov.in

कृषि उपज मंडी समिति नैला जिला जांजगीर-चांपा अंतर्गत छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड द्वारा ऑनलाईन निविदाएँ छ.ग. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत, सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारो से प्रपत्र "अ" प्रतिशत दर पर अधोलिखित निर्माण कार्यों हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है:-

ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि:- 20.08.2026 फिजिक्ल सबमिशन की अंतिम तिथि:- 01.09.2026

क्र.	कार्य का नाम/स्थल	निविदा राशि (लाख में)	एस.ओ.आर विवरण
1	वि.ख. बलौदा धान उपार्जन केन्द्र पिसौद, वि.ख. नवागढ़ धान उपार्जन केन्द्र किरित, घुठिया, बुड़ेना, सेमरा में अहाता सह गेट निर्माण, वि.ख. नवागढ़ ग्राम सिउड़ चोरभट्ठी के मध्य कोकड़ी नाला में पुलिया निर्माण कार्य।	108.35	लो.नि.वि. भवन कार्य दिनांक 01.01.2015 एवं ब्रिज कार्य दिनांक 01.01.2025 से प्रभावशील एस.ओ.आर. पर।

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य एवं विशेष शर्ते, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट पर निर्धारित तिथि तक देखे जा सकते है।

सही/- सचिव कृषि उपज मंडी समिति नैला जिला जांजगीर चांपा
सही/- भारसाधक अधिकारी कृषि उपज मंडी समिति नैला जिला जांजगीर-चांपा

संवाद- 48573

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Limited
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) (ISO9001:2015 Certified)
1st Floor, Udyog Bhawan, Ring Road No. 1, Telibandha, Raipur (C.G.) -492006
CIN: U45203CT1981SG001853, PAN: AABCM6288N, Phone: 0771-6621000 Fax: 0771-2583794
GST Regn No22AABCM6288N5ZY
Website www.cside in. Email address:csidc.cg@nic.in.cside, rainur@yahoo.com

NOTICE INVITING TENDER (1st call) (Through e-Procurement Portal Only)

No.: 22/CSIDC/E.E. Division-1/2026-27/196152 Raipur, dated 23/07/2026

Online tenders are invited in Form-B Item rate basis, from "A" class Electrical license contractors' Registered in B & Above class in new registration system "Unified Registration System- (e-Registration)" with Chhattisgarh P.W.D website https://eproc.cgstate.gov.in at appropriate class, for the following works:-

S. No.	Name of Work	Calss of Contractor Eligible to Tender	Time allowed including rainy season	Estimated Cost (INR Lacs)	EMD (INR Rs.)	Cost of Tender Doc. (INR) including GST 18%
1	"Supply Installation testing and Commissioning of 33 /11 KV Sub-station of Capacity 1 x 5.00 MVA for Proposed Pharmaceutical Park Sector-22 Atal Nagar Nawa Raipur (C.G.)	Registered in B class in new registration system "Unified Registration System-(e-Registration)"	06 Months	596.27 Lacs	2,98,500/-	3540/-

The tender document and other details can be downloaded from the web portal (website) https://eproc.cgstate.gov.in from 24/07/2026 and shall be submitted online only. Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

NOTE: 1) The interested tenderers for online submission of tender may contact CG eProc Helpdesk. Operated by Mjunction Services Limited., they may reach Helpdesk using 18002582502 (from 9 AM to 11 PM) (therein press 2 for CG e-Proc) or you can email them at Helpdesk.eproc@cgswan.gov.in. **2)** Tenderer may contact to E.E., Div-I, CSIDC, Udyog Bhawan in working hours to clear their doubt if any before online submission of the tender.

S.- 48568 Executive Engineer, Division-I

CHHATTISGARH HOUSING AND INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT BOARD DIVISION-3 MOULSHREE VIHAR, VIP ROAD, RAIPUR
(2nd Call)

Advt.No.399

Chhattisgarh Housing and Infrastructure Development Board invites the tender for "Selection of an Agency for Development, Operation and Maintenance of a top-end cosmopolitan Social and Health clubhouse "Queen's Club of India", located at VIP Road, Raipur, Chhattisgarh, on license, Development, Operation and Transfer (LDOT) basis on PPP mode".

For bid processing fee, bid security, eligibility criteria and other details as given in the RFP document. please visit the website https://cghb.gov.in & http://eproc.cgstate.gov.in for details. The bidder may also contact the Executive Engineer, Chhattisgarh Housing and Infrastructure Development Board, Division-3, Moulshree Vihar, Raipur over contact number 9753266721/6265731603

Tenderers shall download tender from cge-procurement website.

* **Date and Time of Pre-bid meeting- at 12:00 PM on 06.08.2026 at Sector-19, Paryawas Bhawan, CGHIDB Head Office, Nava Raipur Atal Nagar**
* **Last Date and Time of online Pre-bid queries submission- on or before the above mentioned date & time.**
* **Last Date for Online submission of Tender - Till 03:00 PM on 13.08.2026**

Note: Email id for submission of pre bid queries: cghbdiv03@gmail.com

The details of tender and terms & conditions are available on the e-Procurement website https://eproc.cqstate.gov.in Any amendment/corrigendum in the tender documents, will only be uploaded on the e-Procurement website and shall not be published in any newspaper.

S.- 48569 EE, CGHIDB, Div-3 Raipur

शब्द पहेली - 6301

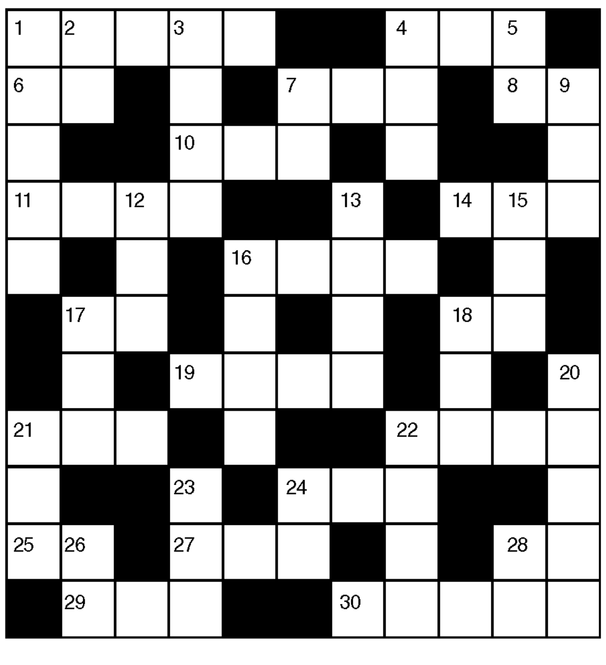

बाएँ से दाए
1. उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
4. कराह,टीस,लालसा-3
6. हानि,आपत्ति-2
7. दुश्मनी,बैर-3
8. इंसाफ-2
10. साठवीं जयंती-3
11. जलाऊ लकड़ी-4
14. छोटा भाई-3
16. निरंकुश,आवारा-4
17. ठाठ-बाट-2
18. आफत,मुसीबत-2
19. शैतानी,बदमाशी-4
21. सहायता-3
22. इच्छा,लालसा-4
24. कवि,गजलकार-3
25. जरा,थोड़ा-2
27. मुलायम,नाजुक-3
28. गुफा,खोह-2
29. प्रियतम,सनम-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
2. उत्साह.शक्ति-2
3. बिनाबाल वारा,गंजा-4
4. पंक्ति,लाइन-3
5. लड़की, पुत्री,बेटी -2
7. वहम,संदेह-2
9. जुड़वा-3
12. प्रतिज्ञा,कसम -3
13. गंगा का पानी -4
15. तीखा,तीक्ष्ण-3
16. आतुर,धैर्यहीन -4
17. संभवतः-3
18. मर्कट,कपि-3
20. गोविंदा,खुशबू की फिल्म-5
21. पानी रखने का चमड़े का पात्र-3
22. मनोकामना -4
23. साजन,प्रेमी-3
24. संध्या,सांझ-2
26. आनंद-2
28. महीना,मास-2

शब्द पहेली- 6300 का हल

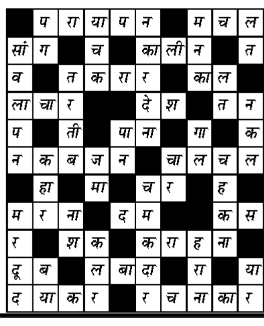

सूडोकु नवताल 6311

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6310 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

3 अगस्त को डीपीआई कार्यालय का घेराव करेगा फेडरेशन, वेतन कटा तो होगा प्रदेशव्यापी आंदोलन

हरिभूमि न्यूज : रायपुर।

छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन ने वीएसके एप में उपस्थिति मामले में संबंधित शिक्षकों का पक्ष सुने बिना वेतन कटौती को लेकर शासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। फेडरेशन का कहना है कि एप में तकनीकी खामियों पर वेतन कटौती से पहले शिक्षकों का पक्ष अनिवार्य रूप से सुना जाए। किसी भी कर्मचारी के वेतन में कटौती करने से पहले प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुसार कारण बताओ सूचना जारी कर संबंधित शिक्षक को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाना चाहिए। केवल एक मोबाइल एप को आधार बनाकर शिक्षकों के वेतन में कटौती करना उचित

वीएसके एप में तकनीकी खामियों पर वेतन कटौती से पहले शिक्षकों का सुना जाए पक्ष

नहीं है। फेडरेशन के प्रदेश संयोजक मनीष मिश्रा ने कहा कि विभाग अभी तक खराब नेटवर्क और वीएसके एप की तकनीकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं कर पाया है,लेकिन अब उन्हीं कमियों का दायित्व शिक्षकों पर डालकर उनकी मेहनत की कमाई में कटौती की बात की जा रही है। इससे प्रदेश भर के शिक्षकों में भारी नाराजगी व्याप्त है। श्री मिश्रा ने कहा कि शिक्षकों के वेतन का प्रत्येक रुपया उनके परिश्रम और पसीने की कमाई है, इसलिए इस प्रकार की कार्रवाई स्वीकार्य नहीं होगी। फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र राठौर ने कहा है कि प्रदेशभर में यदि किसी शिक्षक का वेतन काटा गया, तो पूरे प्रदेश के डीडीओ कार्यालयों हल्ला बोल आंदोलन कर इसका व्यापक स्तर विरोध जताएंगे। साथ ही शिक्षक ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार करने पर भी विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षक का मुख्य दायित्व विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है, विभाग को शिक्षकों पर अनावश्यक तकनीकी और प्रशासनिक बोझ डालने के बजाय शिक्षण व्यवस्था को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए।

रविन्द्र राठौर ने कहा कि नया शिक्षा सत्र शुरू होते ही जिस प्रकार का व्यवहार शिक्षकों के साथ किया जा रहा है,वह निराशाजनक है। शिक्षकों के धैर्य की लगातार परीक्षा ली जा रही है और अब स्थिति असहनीय होती जा रही है।

एचटी उद्योगों में भी स्मार्ट मीटर लगाने की तैयारी उद्योग बोले- जरूरत ही नहीं, लेंगे न्यायिक सलाह

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

स्मार्ट मीटर को लेकर प्रदेशभर में हाहाकार मचा हुआ है। इस बीच अब छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने एचटी उद्योगों में भी स्मार्ट मीटर लगाने की तैयारी की है। इसे लेकर जहां एक तरफ बिजली नियामक आयोग के पूर्व सचिव पीएन सिंह का कहना है कि केंद्र सरकार की स्मार्ट मीटर योजना में एचटी उद्योग में स्मार्ट मीटर लगाने का प्रावधान ही नहीं है। इन उद्योगों में पहले से ही एएमआर मीटर लगे हैं, जिनसे आनलाइन रीडिंग होने के साथ हर 15 मिनट में खपत भी देखने की सुविधा है। दूसरी तरफ मिनी स्टील प्लांट के महासचिव मनीष धुप्पड़ का कहना है कि उद्योगों में स्मार्ट मीटर की जरूरत ही नहीं है, पहले से ही लगे एएमआर मीटर ज्यादा बेहतर हैं। पॉवर कंपनी अगर जबरिया स्मार्ट मीटर थोपने का काम करेगी, तो न्यायिक सलाह लेकर फैसला किया जाएगा।

केंद्र सरकार की प्रीपैड योजना के तहत ही प्रदेश भर में स्मार्ट मीटर लगाने का काम चल रहा है। इस योजना में पहले ही कृषि पंपों के साथ एचटी उद्योगों को अलग रखा गया है। एचटी उद्योगों को इसलिए अलग रखा गया है, क्योंकि स्मार्ट मीटर में एचटी उद्योग की बिजली कट करने की सुविधा ही नहीं है। स्मार्ट मीटर सिर्फ एलटी कनेक्शनों की ही बिजली कट कर सकते हैं।

बिजली नियामक आयोग के पूर्व सचिव पीएन सिंह का कहना है कि केंद्र सरकार की योजना से पहले ही एचटी उद्योगों को बाहर रखा गया है। प्रदेश के सभी एचटी कनेक्शन वाले उद्योगों में 10 साल पहले से ही एएमआर मीटर लगाए गए हैं। इन मीटरों की पॉवर कंपनी के मुख्यालय से सीधी रीडिंग होती है। इन पर नजर रखने के लिए अलग से टीम भी है। इन मीटरों के लगने के बाद उद्योगों में बिजली चोरी भी बंद हो गई है। केंद्र सरकार की योजना में इस बात का भी साफ उल्लेख है कि ऐसे उद्योगों के लिए बाजार में स्मार्ट मीटर ही उपलब्ध नहीं है, इसलिए इन उद्योगों में स्मार्ट मीटर लगाना संभव नहीं है। इसके बाद भी पॉवर कंपनी ने बिना टेंडर के ही इन उद्योगों में स्मार्ट मीटर लगाने का ठेका स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनियों को दे दिया है।

ब्राह्मी, खस और वच जैसी फसलों पर जोर, खेती की लागत के लिए नहीं लेना पड़ेगा कर्ज

औषधीय खेती का नया अध्याय, पहली बार किसानों को एडवांस में रकम, प्राइवेट सेक्टर से आया इन्वेस्टमेंट

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ में औषधीय खेती के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखने की शुरुआत हो रही है। राज्य में पहली बार औषधि की खेती के लिए प्राइवेट सेक्टर के निवेशक एडवांस में 54.36 लाख रुपए देने जा रहे हैं। यही नहीं, फसल तैयार होने के बाद उसकी खरीदी भी करेंगे। छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अधिकारियों का दावा है, कृषि क्षेत्र में यह छत्तीसगढ़ ही नहीं, देश का पहला प्राइवेट इन्वेस्टमेंट है।

छत्तीसगढ़ में औषधीय खेती को बढ़ावा देने के लिए एक नई व्यवस्था शुरू की जा रही है, जिसमें किसानों को खेती शुरू करने से पहले ही निजी कंपनियों की ओर से अग्रिम राशि उपलब्ध कराई जाएगी। यही कंपनियां बाद में किसानों की पूरी उपज भी खरीदेंगी। राज्य सरकार के छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अनुसार देश में पहली बार खेती के क्षेत्र में इस तरह का निजी निवेश आधारित मॉडल लागू किया जा रहा है, जिसमें उत्पादन और विपणन दोनों की जिम्मेदारी अनुबंधित निजी संस्थाएं निभाएंगी।

30 जुलाई को धमतरी जिले के दुगली गांव में आयोजित कार्यक्रम में नारायणपुर (अबूझमाड़) और धमतरी जिले के औषधीय पौधों की खेती करने वाले किसानों तथा स्व-सहायता

समूहों को 54.36 लाख रुपये की अग्रिम प्रोत्साहन राशि वनमंत्री केदार कश्यप और बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम किसानों को यह राशि बाटेंगे। यह राशि बोर्ड से अनुबंधित निजी संस्थाएं सीजी स्टीविया और इंस्टा हर्बल उपलब्ध करा रही हैं। । बोर्ड के अनुसार अग्रिम प्रोत्साहन राशि का उपयोग किसान बोर खनन, पंप और पाइप खरीदने, फिटिंग, जुताई, रोपाई, निंदाई तथा अन्य कृषि कार्यों में कर सकेंगे। इससे उन्हें खेती के लिए कर्ज लेने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। अधिकारियों का मानना है कि यह व्यवस्था किसानों के आर्थिक जोखिम को कम करने के साथ औषधीय खेती को व्यावसायिक रूप से अधिक आकर्षक बनाएगी।

बोर्ड वर्तमान में ब्राह्मी, वच, खस, लेमनग्रास और शतावर जैसी औषधीय एवं सुगंधित फसलों को बढ़ावा दे रहा है। नारायणपुर और धमतरी जिलों में इन फसलों की खेती क्लस्टर, व्यक्तिगत किसान और स्व-सहायता समूहों के माध्यम से कराई जा रही है। अबूझमाड़ में किसान ब्राह्मी, वच और खस की खेती करेंगे, जबकि धमतरी में भी ब्राह्मी, खस, वच, शतावर और लेमनग्रास की खेती का विस्तार किया गया है। दस्तावेज के अनुसार नारायणपुर के किहकाड़ गांव में 12 किसान 13 एकड़ में तथा पांच अन्य गांवों के 13 किसान 18.5 एकड़ में औषधीय फसलों की खेती कर रहे हैं, जिन्हें अग्रिम प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। धमतरी में आमदी गांव के 18 किसान 40 एकड़ में लेमनग्रास उगा रहे हैं, जबकि नौ गांवों के 22 किसान ब्राह्मी, खस, शतावर और वच की खेती कर रहे हैं। इसके अलावा जिले के 25 गांवों में 45 स्व-सहायता समूह 115 एकड़ में औषधीय फसलों की खेती कर रहे हैं, जिन्हें भी अग्रिम राशि मिलेगी।

खेती में प्राइवेट इन्वेस्टमेंट पहली बार- राव

छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के सीईओ जेएसीएस राव का का दावा है कि कृषि क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ही नहीं देश में पहली बार प्राइवेट इन्वेस्टमेंट किया जा रहा है। उपज की खरीदी भी संबंधित कंपनी द्वारा की जाएगी।

हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य सचिव व पीएससी सचिव को जारी किया अवमानना नोटिस

बिलासपुर। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने नर्सिंग कालेजों में 100 प्रतिशत महिला आरक्षण को असंवैधानिक करार देकर निरस्त कर दिया था और भर्ती प्रक्रिया में पुरुष अभ्यर्थियों को भी शामिल करने का आदेश दिया था। कोर्ट के आदेश के तीन साल बाद भी स्वास्थ्य विभाग और

चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने इस आदेश का पालन नहीं किया और न ही पुरुषों के लिए संशोधित भर्ती विज्ञापन जारी किया। इस मामले में दायर अवमानना याचिका पर हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया एवं पीएससी सचिव डी. राहुल वेंकट को अवमानना नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई पांच सप्ताह बाद होगी।

छत्तीसगढ़ लोकसेवा आयोग पीएससी ने 8 दिसंबर 2021 को सरकारी नर्सिंग कालेजों में डिमॉस्ट्रेटर व असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर सीधी भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। इस विज्ञापन में नियम 5 और भर्ती नियम 2013 के शेड्यूल 3 के नोट 2 के तहत केवल महिला अभ्यर्थियों को ही आवेदन करने की अनुमति दी गई थी। इस नियम के खिलाफ अभय कुमार किस्पोट्टा, डॉ. अजय त्रिपाठी, एलयुस एक्का और आदित्य सिंह ने 2021 में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उनका कहना था कि जब बीएससी नर्सिंग और एमएससी नर्सिंग में पुरुष और महिला दोनों को बराबरी से प्रवेश मिलता है तो पढ़ाई पूरी होने के बाद अध्यापन के पदों पर पुरुषों को बाहर रखना संविधान के खिलाफ है। राज्य सरकार ने कोर्ट में कहा था कि अस्पतालों में मरीजों की देखभाल और नर्सिंग का ज्यादतर काम महिलाएं करती हैं। सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 15, 3 का हवाला देते हुए कहा कि महिलाओं और बच्चों के हित में विशेष व्यवस्था करने का अधिकार राज्य को है। इसलिए इन पदों को महिलाओं के लिए आरक्षित रखना उचित है।

पीएससी के पत्र पर भी कार्रवाई नहीं

दूसरी तरफ हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने 100 प्रतिशत आरक्षण को असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था। कोर्ट ने भर्ती प्रक्रिया में पुरुष अभ्यर्थियों को भी शामिल करने का आदेश दिया था। लेकिन फैसला आने के करीब तीन साल बाद भी स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने इस आदेश का पालन नहीं किया। पुरुषों के लिए अब तक संशोधित भर्ती विज्ञापन भी जारी नहीं किया गया। हाईकोर्ट के फैसला आने के 6 दिन बाद 15 मार्च 2023 को पीएससी के उप सचिव ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव को पत्र भेजा था। इसमें संशोधित मांग पत्र और नए नियम भेजने को कहा गया ताकि नियमित भर्ती पूरी की जा सकें। अभ्यर्थियों ने भी 1 जून 2023 को आवेदन दिया, लेकिन अधिकारियों ने नियमों में बदलाव नहीं किया और मामला आगे नहीं बढ़ाया। करीब तीन साल तक कोई कार्रवाई नहीं होने के बाद 22 जून 2026 को चिकित्सा शिक्षा आयुक्त ने सरकारी नर्सिंग कालेजों में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और डिमॉस्ट्रेटर के पदों पर संविदा भर्ती का नया विज्ञापन जारी कर दिया। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में कोर्ट के आदेश की अवमानना याचिका दायर की गई है

जमानत लेने कोर्ट में फर्जी दस्तावेज पेश, तीन महिलाएं गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

राजधानी रायपुर स्थित जिला कोर्ट में सुनवाई के दौरान कुछ प्रकरणों में फर्जी दस्तावेज पेश कर आरोपियों की जमानत लेने के प्रयास किए जाने के मामलों में पुलिस ने 3 महिलाओं को गिरफ्तार किया है। इनमें दो महिलाएं बुजुर्ग हैं, जिनकी उम्र 72 वर्ष है। वहीं तीसरी महिला अधेड़ है, जिसकी उम्र 52 वर्ष है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार फर्जी जमानतदार एवं कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर जमानत लेने वाली 3 महिला आरोपियों को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। इन तीनों महिलाओं ने फर्जी ऋण पुस्तिका एवं कूटरचित

दस्तावेजों का उपयोग कर न्यायालय में स्वयं को जमानतदार के रूप में प्रस्तुत होकर न्यायालय को गुमराह करने का प्रयास किया। इन दस्तावेजों की जांच की गई, तो पता चला कि ये सारे फर्जी हैं। इस संबंध में महिलाओं ने स्वीकार भी किया है कि आरोपियों की जमानत लेने के लिए फर्जी ऋण पुस्तिका तैयार करायी है।

सुनीता देवी राजपूत 70 वर्ष निवासी ग्राम टेका हल्दी थाना तिल्दा जिला रायगढ़, सरस्वती बाई सोनी 72 वर्ष निवासी उरला काली मंदिर के पास डीडी कॉलोनी थाना मोहन नगर जिला दुर्ग एवं मीना बाई कोरम 52 वर्ष निवासी ग्राम भेजराटोला थाना डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव। इस मामले में सिविल लाइन पुलिस ने तीनों महिलाओं के विरुद्ध धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2), 238 एवं 3(5) बीएनएस के तहतअपराध पंजीबद्ध किया है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी कोर्ट में कई बार विविध प्रकरण में फर्जी ऋण पुस्तिका पेश कर आरोपियों की जमानत कराने के प्रयास की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इन मामलों में पुलिस कार्रवाई भी हुई है।

पीएम आवास योजना के तहत बने 25 मकान 7 वर्षों से खाली पड़े

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

राजधानी रायपुर से करीब 10 किलोमीटर दूर एयरपोर्ट की बाउंड्रीवॉल से लगी माना बस्ती में रहने वाले 45 परिवारों को विस्थापित करने के लिए 7 वर्ष पहले बस्ती से करीब एक किलोमीटर दूर खाली पड़ी शासकीय जमीन पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वतंत्र मकान बनवाए गए, लेकिन लंबी अवधि के बाद भी इन मकानों में एक भी परिवार रहने नहीं पहुंचा। इस कारण इन मकानों की हालत अब जर्जर हो चुकी है। जिन्हें ये मकान मिले है, उन हितग्राहियों का कहना है कि मकान तो बनवा दिए गए, लेकिन बिजली की व्यवस्था ही नहीं की गई है। बिना बिजली के कैसे कोई परिवार मकान में रहेगा।

मिली जानकारी के अनुसार एयरपोर्ट परिसर एवं विकास कार्यों का विस्तार करने के लिए ग्राम पंचायत माना बस्ती में एयरपोर्ट बाउंड्रीवाल के मुख्य सड़क से लगे 45 घरों में रहने वाले परिवारों को विस्थापित करने की योजना वर्ष 2018 में लाई गई थी। इस योजना के तहत इन 45 परिवारों को मुख्य सड़क से करीब एक किलोमीटर दूर शासकीय जमीन पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वतंत्र मकान बनवाकर उन्हें शिफ्ट किया जाना था। योजना के तहत वर्ष 2018 में विधानसभा चुनाव के पूर्व तक 25 स्वतंत्र मकानों का निर्माण भी पूर्ण हो चुका था, वहीं शेष 20 मकानों का निर्माण कार्य प्रगति पर थे, लेकिन चुनाव होने के बाद इन मकानों का निर्माण कार्य रुका हुआ है। इधर अधूरे पड़े मकानों के निर्माण कार्य न ही पूर्ण किए जा रहे हैं और न ही पूर्ण हो चुके मकानों में परिवारों को विस्थापित किया गया है। इस तरह सभी मकान खाली पड़े-पड़े अब जर्जर हो चुके हैं। विस्थापित योजना के तहत 45 परिवार जिस जगह पर वर्तमान में रहते हैं, उससे करीब 1 किलोमीटर दूर शासकीय जमीन है। इस जमीन पर प्रत्येक परिवार को 700 वर्गफीट की जमीन आवंटित की गई है, साथ ही जमीन पर वन बीएच का मकान बनाने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 1 लाख 20 हजार रुपए एवं शौचालय के लिए अलग से 12 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई थी। विस्थापित परिवारों के लिए जिस जमीन पर मकानों का निर्माण कराए गए हैं, वहां रोड एवं पानी की व्यवस्था की गई थी, लेकिन बिजली की कोई व्यवस्था नहीं है। यही कारण है कि जिन परिवारों के मकान पूर्ण हो चुके हैं, वे भी अब तक नए घरों में रहने नहीं जा रहे हैं। इन लोगों का उनका कहना है कि जहां कालोनी बसाई गई है, वह क्षेत्र पूरा खाली पड़ा हुआ है, जिससे सर्प-बिच्छु का खतरा भी है। ऐसे में बिना बिजली के कोई परिवार कैसे वहां रहेगा। जिन परिवारों को यहां जमीन एवं मकान बनाने के लिए राशि स्वीकृत की गई है, उनमें कई परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना की किस्त भी पूरी नहीं मिल पाई है।

पहुंच में होगी शिक्षा, हर ब्लाक में खुलेगा कॉलेज

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों से नीट-2026 में सफल विद्यार्थियों से सीएम साय ने की आत्मीय चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंगलवार को राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित एकलव्य संवाद कार्यक्रम में प्रदेश के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों से नीट-2026 में सफल विद्यार्थियों से आत्मीय चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सभी विद्यार्थियों को उनकी उल्लेखनीय सफलता पर बधाई देते हुए उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा, यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़, विशेषकर जनजातीय समाज के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा, एकलव्य विद्यालयों के विद्यार्थियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि अवसर, संसाधन और संकल्प मिलने पर प्रतिभा किसी भी परिस्थिति की मोहताज नहीं होती।

प्रत्येक विकासखंड में महाविद्यालय खोलने पर कार्य

एकलव्य संवाद के दौरान धमतरी जिले से आए छात्र राधेश्याम के प्रश्न का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, आज शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। पहले विद्यालयों की संख्या सीमित थी और छात्रों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जबकि आज सरकार गांव-गांव तक शिक्षा पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों का व्यापक विस्तार किया गया है तथा प्रत्येक विकासखंड में महाविद्यालय स्थापित करने की दिशा में कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा, राज्य में आज निजी एवं शासकीय संस्थानों सहित 15 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं और पांच नए शासकीय मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किए जा रहे हैं, जिससे मेडिकल शिक्षा की सीटों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

जनजातीय समुदाय के बच्चों को आधुनिक शिक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा, भारत सरकार द्वारा देशभर में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं और छत्तीसगढ़ के लिए यह गर्व की बात है कि प्रदेश में एकलव्य विद्यालय संचालित हैं, जहां जनजातीय समुदाय के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा, नीट जैसी कठिन राष्ट्रीय परीक्षा में सफलता प्राप्त करना आपके परिश्रम, आपके माता-पिता के आशीर्वाद और गुरुजनों के समर्पण का परिणाम है। उन्होंने इस अवसर पर सभी अभिभावकों और शिक्षकों को भी बधाई दी।

हर घर तिरंगा अभियान, रूपकुमारी को छत्तीसगढ़ और तीन राज्यों का प्रभार

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

भारतीय जनता पार्टी ने हर घर तिरंगा–तिरंगा यात्रा 2026 अभियान के लिए पहले से गठित राष्ट्रीय समन्वयक टीम को राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों का प्रभार सौंप दिया है। पार्टी की ओर से जारी सूची के अनुसार वरिष्ठ नेताओं को अलग-अलग क्षेत्रों की जिम्मेदारी देकर अभियान को देशभर में प्रभावी ढंग से संचालित करने की तैयारी की गई है। महासमुंद लोकसभा सांसद एवं भाजपा छत्तीसगढ़ की प्रदेश उपाध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी को राष्ट्रीय टीम में सदस्य के रूप में उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, अंडमान एवं निकोबार तथा पुडुचेरी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव को बिहार, सिक्किम और नागालैंड का प्रभार दिया गया है।

भाजपा का हर घर तिरंगा–तिरंगा यात्रा 2026 अभियान स्वतंत्रता और राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किया जाएगा। पार्टी का मानना है कि अनुभवी नेतृत्व को क्षेत्रवार जिम्मेदारी सौंपने से अभियान का संचालन अधिक प्रभावी और व्यवस्थित होगा।

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD

शाखा- महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर

कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति हेतु)
(प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम-8(1) अंतर्गत)

यतः अधोहस्ताक्षरी ने **इंडियन बैंक, महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर शाखा** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पूर्णगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा 13(12), सपठित नियम 3 के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए **महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर शाखा** के निम्नलिखित **उधारकर्ता- श्री रामनारायण राजपूत** पिता स्वर्गीय बैसाखू, **सह-उधारकर्ता- श्रीमती बबीता राजपूत** पति श्री रामनारायण, **दिनांक 13.05.2026** को डिमांड नोटिस जारी किया, जिसमें ऋणि को देय नोटिस में उल्लेखित ऋण खाता बकाया राशि **रु. 20,67,671.00/- (रुपये बीस लाख सड़सठ हज़ार छह सौ इकहत्तर मात्र)** से 60 दिनों के भीतर जमा करने के लिए कहा गया था। ऋणि द्वारा राशि के भुगतान करने में असफल हो जाने पर ऋणि एवं आम जनता को एतद् द्वारा नोटिस दिया जाता है कि उपरोक्त कथित अधिनियम की धारा 13(4) सपठित उक्त नियम के नियम 8 के अधीन, निम्न हस्ताक्षरकर्ता ने उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित संपत्ति को **दिनांक 27.07.2026** को अपने कब्जे में लिया है। ऋणि को विशेष रूप से एवं आम जनता को एतद् द्वारा सावधान किया जाता है कि इस संपत्ति बाबत् कोई व्यवहार न करें और इस संपत्ति के बाबत् किये गये व्यवहार पर **इंडियन बैंक** को देय राशि **रु. 20,67,671.00/- (रुपये बीस लाख सड़सठ हज़ार छह सौ इकहत्तर मात्र)** तथा उस पर ब्याज के अध्यधीन होगें।
देनदारों का ध्यान रक्षित संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय हेतु अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

प्लॉट नंबर 472, प.ह. नंबर 24/43, सिद्धि विनायक नगर, सर्वे नंबर 366/21, मौज़ा ग्राम पंचायत घुरू, आरएनएम- सकरी, गाँव- तखतपुर, सब-रजिस्ट्रेशन जिला-बिलासपुर के अंतर्गत पंजीकृत पर स्थित आवासीय मकान, क्षेत्रफल -1010 वर्गफ़ीट, बिल्ट अप क्षेत्रफल -844 वर्गफ़ीट। सीमाएँ: पूर्व – इंदु की भूमि, पश्चिम – निस्तारी रास्ता, उत्तर – संदीप की भूमि, दक्षिण – साहू की भूमि।
मालिकाना हक - श्री रामनारायण राजपूत।

दिनांक: 29.07.2026, स्थान- बिलासपुर — प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

अब चावल पर महंगाई की मार, 20 रुपए तक बढ़े दाम, खाद्य तेलों की कीमत में भी आग

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

महंगाई थमने का नाम नहीं ले रही है। अब चावल, गेंहू और खाद्य तेलों के दाम त्योहारी सीजन से पहले बढ़ गए हैं। मोटे और पतले चावलों के दाम 5 से 20 रुपए तक बढ़ गए हैं। इसी के साथ खाद्य तेलों में इस समय राइस ब्रान के दाम आसमान पर चले गए हैं। इसके दाम तो सोया तेल से भी ज्यादा हो गए हैं। सरसों तेल एक बार फिर दो सौ के पार हो गया है। गेंहू के दाम भी पांच रुपए तक बढ़े हैं। चावल की कीमत लगातार बढ़ते जा रही है। इसके दाम बढ़ने का कोई कारण भी नहीं रहता है। उत्पादक कारोबारी कभी भी इसके दाम में इजाफा कर देते हैं। वैसे त्योहारी सीजन के पहले कारोबारी ज्यादातर किचन के सामन के दाम बढ़ा देते हैं। पूरी तरह से उपर से नीचे तक सिंडीकेट बनाकर मुनाफाखोरी की जा रही है। पतले चावलों की आवक अपने प्रदेश में ज्यादातर दक्षिण के राज्यों से होती है। इसी के साथ मप्र से भी भारी मात्रा में यहां पर चावल आते हैं। इसके अलावा लोकल उत्पादकों के उत्पाद भी बिकते हैं। सबसे ज्यादा डिमांड पतले चावलों की रहती है। इसकी कीमत में भी भारी इजाफा हुआ है। वैसे मोटे चावलों के दाम भी पांच से दस रुपए बढ़े हैं।

कार्यालय नगर पंचायत प्रतापपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

ईमेल आईडी :- Nagarpanchayatpratappur@gmail.com
क्रमांक 786/न.पं./2026 — प्रतापपुर, दिनांक :-28/07/2026

-:: ई-प्रोक्योरमेंट प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय) ::-
Main Portal:- (http://eproc.cgstate.gov.in)

नगर पंचायत प्रतापपुर द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीयकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन ई निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेन्डर न.	कार्य का विवरण	लागत राशि (लाख में)	बिड ड्यू डेट	अमानत राशि	निविदा प्रोसेसिंग शुल्क
01	196169	CONSTRUCTION OF BHAGAT SINGH CHOWK	10.33	20.08.2026	Rs.8000	750.00
02	196155	CONSTRUCTION OF SAMUDAYIK BHAWAN	23.50	20.08.2026	Rs.18000	750.00

उपरोक्तानुसार कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञाप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई- प्रोक्योरमेंट पोर्टल के मेंन पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय बेवसाईट www.uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अविधि में कार्यालय आकर जानकारी प्राप्त की सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत प्रतापपुर
जिला सूरजपुर (छ.ग.)

NAGAR PANCHAYAT, SHIVRINARAYAN
E-Procurement Tender Notice (2nd Call)

SYSTEM TENDER NO: 196247 NIT NO: 393 — SHIVRINARAYAN, dated 27-07-2026

Online bids in three envelop system are invited for the following construction works/ up to date 12/08/2026 at 17.30 Hours

Sl. No.	Description	Amount of Estimated (in lacs)	EM/Fees of Tender Document/Bid Submission Frees
1	pewar block karya ward 15 keju mishra to menrod, maharathi home to aanganbadi, durga chouk to murlinair, laxmi chouhan to maharaj home, aanganbadi to durga chouk	Rs. 13.41	(1) Rs. 10058/- (2) Rs. 750/- (3) Rs. 311/-

Rs. 10058/- (Only TDR/FDR Favour of CHIEF MUNICIPAL OFFICER, NAGAR PANCHAYAT, SHIVRINARAYAN & Tender Document Fee (Non refundable) of Rs. 750 IN FORM DEMOND DRAFT (DD).

The details can be downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal http://eproc.cgstate.gov.in From 27/07/2026 at 17:30 Hours. (IST) onwards.

For more details on the tender and bidding process please visit the above mentioned portal

CHIEF MUNICIPAL OFFICER
NAGAR PANCHAYAT, SHIVRINARAYAN (C.G.)

प्रथम पृष्ठ का शेष

राष्ट्रपति भवन में...

निकलकर शांति, विकास और विश्वास के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। बस्तर के युवा अपनी संस्कृति, परंपराओं और प्रतिभा के बल पर देशभर में नई पहचान बना रहे हैं। वे राष्ट्रपति को बताएंगे कि शासन की विकासोन्मुखी पहल और सुरक्षा बलों के सतत प्रयासों से नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में ऐतिहासिक सफलता मिली है, जिससे बस्तर में शिक्षा, पर्यटन, रोजगार और जनजीवन को नई गति मिली है। प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति के प्रति बस्तरवासियों की ओर से आभार व्यक्त करते हुए संदेश देंगे कि अब बस्तर की पहचान केवल प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध जनजातीय संस्कृति ही नहीं, बल्कि शांति, विकास, लोकतांत्रिक भागीदारी और नई उम्मीदों से भी जुड़ चुकी है। बस्तर के युवा पूरे देश को बताएंगे कि नया बस्तर अवसरों, आत्मविश्वास और प्रगति का बस्तर है।

गर्व का विषय-

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दिल्ली रवाना हो रहे बस्तर के परगना मांझी, चालाकी, समाज प्रमुखों एवं युवा प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह प्रतिनिधिमंडल केवल बस्तर का नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और गौरवशाली विरासत का प्रतिनिधित्व करेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति भवन तक बस्तर की लोकसंस्कृति, रीति-रिवाज और सामाजिक मूल्यों की गूंज पहुंचना पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

श्री शर्मा ने कहा कि आज का बस्तर बदल रहा है। कभी नक्सलवाद की छाया से पहचाना जाने वाला बस्तर अब शांति, विकास, शिक्षा, पर्यटन, खेल और सांस्कृतिक चेतना की नई पहचान बना रहा है। हमारे युवा देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्था तक पहुंचकर इस सकारात्मक परिवर्तन का संदेश देंगे। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति के समक्ष बस्तरवासियों की ओर से नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई में मिले सहयोग और देश के नेतृत्व के प्रति आभार भी व्यक्त करेगा। यह यात्रा देश को यह संदेश देगी कि बस्तर अब भय का नहीं, बल्कि विश्वास, विकास, संस्कृति और नए अवसरों का बस्तर है।

पीएम को कैमरा...

किया गया था। प्रियंका गांधी ने 20 जुलाई को प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि लड़के और लड़कियों की पीठ पर पड़ने वाली हर लाठी सरकार की पीठ पर पड़ी है। उन्होंने कहा, आज हम सदन में एक ऐसे विधेयक में संशोधन पर चर्चा कर रहे हैं, जो 2024 में पारित हो चुका था। इसमें मुख्य संशोधन यही है कि पेपर लीक के अपराधियों के लिए सजा बढ़ाई जाएगी, लेकिन जब से यह विधेयक पारित हुआ है सरकार ने एक भी अपराधी को सजा नहीं दी। उन्होंने कहा कि देश देख रहा है कि 'फेस रिकगनिशन' के जरिए, प्रदर्शन करने वाले बच्चों के नाम सार्वजनिक किए जा रहे हैं, लेकिन यही काम प्रश्नपत्र लीक के अपराधियों के लिए नहीं किया गया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री को अपने सलाहकार बदलने चाहिए क्योंकि वह असलियत से बहुत दूर हो चुके हैं। उन्हें समझना होगा कि सिर्फ नयी-नयी समितियां बनाने से काम नहीं चलेगा। राधाकृष्णन समिति की आज तक एक भी सिफारिश लागू नहीं हुई है। वहीं, नयी समिति में एक पूर्व आईबी प्रमुख, एक आईटी कंपनी के मालिक और एक गौ-मूत्र विशेषज्ञ भी हैं। उन्होंने कहा, कुछ दिन पहले शर्मनाक परिस्थितियों में (तत्कालीन) शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दिया। लेकिन कल जब वह संसद पहुंचे तो भाजपा सांसदों ने उनका ऐसा स्वागत किया, जैसे कोई सुपरस्टार आया हो। जब ये सब हो रहा था, तो महाराष्ट्र में एक परिवार पेपर लीक पीड़ित बेटी की आत्महत्या का शोक मना रहा था। प्रियंका गांधी ने सवाल किया कि आखिर सरकार को किस बात का गर्व और अहंकार है? उन्होंने दावा किया, देश के युवाओं का भरोसा इस पूरे सिस्टम से टूट चुका है। इस भरोसे को फिर से कायम करने के लिए सिस्टम के अंदर से जवाब नहीं ढूंढा जा सकता। सिस्टम के दायरे से बाहर निकलना पड़ता है, ठोस प्रयास करने पड़ते हैं। प्रियंका गांधी का कहना था कि अफसोस है कि मोदी सरकार ये बात समझ नहीं पा रही और उसे अभी भी लगता है कि 'पीआर' और अपनी मनमाफिक मीडिया के सहारे उनकी नैय्या पार हो जाएगी। प्रियंका ने कहा कि देश की जनता सरकार से जवाबदेही मांग रही है, लेकिन उसे जवाब नहीं मिल रहा है। उन्होंने दावा किया, 10 साल में 152 पेपर लीक हुए और 7.5 करोड़ छात्रों की जिंदगी से खिलवाड़ किया गया, लेकिन एक भी माफिया को सजा नहीं हुई...जहां हमारा शिक्षा बजट 1.4 लाख करोड़ रुपये है, वहीं सरकार चंद अरबपतियों का 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ कर देती है, जो दिखाता है कि सरकार की प्राथमिकता क्या है?

छात्र कल्याण के...

वाले उक्त विधेयक को लोकसभा में चर्चा और पारित कराने के लिए सदन में पेश करते हुए यह बात कही। सिंह ने सोमवार को यह विधेयक सदन में पेश किया था, लेकिन इस पर चर्चा शुरू नहीं हो सकी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह विधेयक सरकार की छात्रों के कल्याण के प्रति गहरी प्रतिबद्धता वाला है। उन्होंने कहा कि इसे भारतीय संसद के इतिहास में मील का पत्थर कहा जा सकता है। उन्होंने कांग्रेस नीत पूर्ववर्ती सरकारों का जिक्र करते हुए कहा कि परीक्षाओं में गड़बड़ियों और प्रश्नपत्र लीक आदि की घटनाएं पहले भी होती रहीं हैं और विभिन्न राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकारों के दौरान ऐसे मामले सामने आते रहे हैं। सिंह ने 2009 में रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा, 2011 में अखिल भारतीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा, इसी साल पश्चिम बंगाल संयुक्त प्रवेश परीक्षा, 2010 में उत्तर प्रदेश में बीएड प्रवेश परीक्षा में गड़बड़ी और 2012 में एम्स नयी दिल्ली प्रवेश परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने का दावा करते हुए कहा कि यह सूची लंबी है। विपक्ष की ओर से नीट प्रवेश परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने का जिक्र किए जाने पर मंत्री ने कहा, मैं उस पर भी आ रहा हूं। घटनाक्रम पर एक-एक करके बात कर रहा हूं। दुर्भाग्य से यह घटनाक्रम बहुत पहले शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि सरकार को लगा कि इस संबंध में एक व्यापक कानून की जरूरत है। सिंह ने कहा कि देश में उच्च शिक्षा में परीक्षाओं का प्रबंधन करने के लिए एनटीए जैसी एजेंसी की सिफारिश 1992 और 2010 में भी की गई थी लेकिन पता नहीं इस पर क्यों विचार नहीं किया गया। जो भी कारण और हित रहे हों। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) का गठन 2017 में प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने ही किया। सिंह ने कहा, आपका (कांग्रेस का) अधूरा काम मोदी सरकार ने पूरा किया।

रायपुर में हरिभूमि-...

सवाल करेंगे। कार्यक्रम में सत्ता पक्ष की तरफ से वक्ता के रूप में लोकसभा के सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मूणत, पुरंदर मिश्रा, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू के साथ धरसींवा के विधायक अनुज शर्मा, भाजपा के शहर जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर शामिल होंगे। विपक्ष की तरफ के वक्ता के रूप में कांग्रेस के नेताओं में पूर्व मंत्री शिव डहरिया, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, कुलदीप जुनेजा के साथ ही शहर जिला अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन, अजीत कुकरेजा, सुबोध हरितवाल, पंकज शर्मा, आकाश शर्मा शामिल होंगे। अन्य वक्ताओं में व्यापार जगत से छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष सतीश थौरानी, कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी, आईटीएसए हॉस्पिटल के सह संस्थापक और निदेशक सुनील बलानी, चैतन्य ग्रुप के एमडी अशोक खूबचंदानी शामिल होंगे। रायपुर के कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, पुलिस कमिश्नर संजीय शुक्ला और एनआरडीए के सीईओ चंदन कुमार भी कार्यक्रम में शामिल होंगे।

बाघ की खाल...

की फिराक में थे तथा खाल का सौदा कर उसे बेचने ग्राम धरसेड़ी में निर्धारित स्थल पर पहुंचे थे। इस दौरान वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ा तथा उनसे बाघ की खाल बरामद किया। वन अधिकारी न तो इस संबंध में कुछ बता रहे हैं न ही फोन रिसीव कर रहे हैं। बाघ का शिकार करने के मामले में अन्य आरोपियों के भी शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद टीम के सदस्य देर शाम आरोपियों को लेकर सूरजपुर वनमंडल कार्यालय पहुंचे है तथा आगे की योजना बना रहे है। विभाग द्वारा बुधवार को मामले का खुलासा करने की उम्मीद है।

रिश्वत में ले...

पहुंची और रिश्वत का चेक लेते हुए बाबू को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार पुसौर तहसील के ग्राम बुलाकी निवासी विजय सिदार की पत्नी रामकुमारी सिदार की वर्ष 2023 में सर्पदंश से मृत्यु हो गई थी। शासन की राहत योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता के लिए विजय सिदार ने आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत किया था। सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बावजूद मुआवजा प्रकरण लंबे समय तक राहत शाखा में लंबित रहा। इसी दौरान राहत एवं आपदा प्रबंधन शाखा में पदस्थ बाबू राजकुमार सिदार ने फाइल आगे बढ़ाने और राशि बैंक खाते में जारी कराने के एवज में 50 हजार रिश्वत की मांग की। पीड़ित ने रिश्वत देने के बजाय इसकी शिकायत एसीबी बिलासपुर से की। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने पूरे मामले का गोपनीय सत्यापन कराया। जांच में आरोप सही पाए जाने पर मंगलवार को योजनाबद्ध ट्रैप कार्रवाई की गई। एसीबी के कहने पर शिकायतकर्ता आरोपी के पास पहुंचा। तय योजना के अनुसार उसने 50 हजार का हस्ताक्षरित चेक राजकुमार सिदार को सौंपा। जैसे ही आरोपी ने चेक अपने कब्जे में लिया मौके पर मौजूद एसीबी के अधिकारियों ने तत्काल उसे गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान कलेक्टोरेट परिसर में काफी देर तक हलचल मची रही।

चेक लेने का...

खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 संशोधित अधिनियम 2018 की धारा 7 के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

औघड़ आश्रम...कर्म...

देश के कई राज्यों में हैं औघड़ आश्रम-

वाराणसी के गंगा के किनारे गायघाट पड़ाव पर भी बाबा का आश्रम है जहाँ विश्व का सबसे बड़ा कुष्ठ आश्रम है, जहां कुष्ठ रोग से पीड़ितों का इलाज व सेवा कार्य किया जाता है।इसके अलावा देश के कई राज्यों में भी बाबा के आश्रम फैले हुए हैं।

नेपाल से जुड़ाव...

दया और आत्म पूजा की भाव प्राप्त होता है। गुरु का आशीर्वाद और दर्शन लाभ मिलता है । हम यहां गुरु पूर्णिमा या मगध पूर्णिमा के अवसर पर आते है

विदेशों में रहकर...

और सेवा प्रकल्प में उनके शिष्य निरन्तर शामिल होते हैं।

इनका मानना है कि सनातन धर्म के गहरे दर्शन से उनके जीवन में सुख शांति और समृध्दि आती है। अमेरिका, लंदन और दूसरे देशों में बसे यह शिष्य समय-समय पर इन आश्रमों में पहुंचकर सेवा कार्य करते हैं। दैवी संपद मंडल से मैनपुरी, अमरकंटक, प्रयागराज और केंदई के आश्रमों से जुड़े यह शिष्य त्योहारों, सत्संग और शिविरों में भाग लेकर अपनी भारतीय परंपराओं का पालन कर रहे हैं।

अमरकंटक का स्वामी भजनानंद मृत्युंजय आश्रम-

अमरकंटक का स्वामी भजनानंद मृत्युंजय आश्रम (जिसे मृत्युंजय धाम भी कहते हैं) नर्मदा नदी के उद्गम मार्ग पर स्थित एक प्रसिद्ध आध्यात्मिक एवं सेवा केंद्र है। यहाँ नर्मदा परिक्रमा करने वाले यात्रियों के ठहरने, के साथ भंडारे व जनसेवा के कार्य होते हैं। साधु संत हमेशा सेवा में लगे रहते हैं। आश्रम में हर दिन कम से कम 500 लोगों को भोजन कराया जाता है। साथ ही नर्मदा परिक्रमा करने के लिए दूर-दूर से आने वाले लोगों की व्यवस्था आश्रम द्वारा की जाती है। आश्रम में रुकने, भोजन की व्यवस्था के साथ ही वस्त्र और निशुल्क स्वास्थ्य सेवा भी की जाती है। श्रद्धालुओं और कांवरियों के लिए यहाँ निःशुल्क विश्राम, भोजन और विशाल भंडारे की व्यवस्था की जाती है। प्रतिदिन शाम को भव्य पूजा-आरती होती है और दूर-दूर से संत-महात्मा व भक्तजन यहाँ आशीर्वाद के लिए आते हैं।

मैनपुरी का श्री एकरसानन्द आश्रम-

श्री एकरसानन्द आश्रम उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में स्थित एक आध्यात्मिक केंद्र है, जो श्री दैवी संपद् महामण्डल का मुख्य केन्द्र है। यहां संत-महात्माओं का सान्निध्य और धार्मिक आयोजन होते हैं। इस आश्रम में वर्तमान परमाध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी हरिहरानंद सरस्वती जी निवास करते हैं। यह स्थान हरिधाम आश्रम और श्री दैवी संपद मंडल के प्रमुख आश्रमों में गिना जाता है। यह आश्रम 1914 से संचालित है। 2014 में इसका शताब्दी वर्ष भी मनाया गया। मंडल के सक्रिय सदस्य डॉक्टर गिरधारीलाल अग्रवाल बताते हैं कि यहां हर साल गुरुपूर्णिमा पर देश-विदेश के भक्त आते हैं और एक हफ्ते का पूरा कार्यक्रम होता है। इसमें गीता पाठ, रामायण पाठ, पूजन और भंडारा सभी शामिल है। इस आश्रम में पहली से लेकर महाविद्यालय स्तर तक अध्ययन की व्यवस्था भी है। दसवीं तक सभी कक्षाओं और विषयों की पढ़ाई होती है। इसके बाद 11 वीं 12 वीं और स्नातक स्तर पर संस्कृत का अध्ययन कराया जाता है। पूरा पाठ्यक्रम बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से संबंधित है। इसके साथ आचार्य की डिग्री भी यहां से दी जाती है। इस आश्रम में एक आंखों का अस्पताल भी संचालित है। जिसे स्वामी भजनानंद नेत्र चिकित्सालय निशुल्क सेवा संस्थान के नाम से जाना जाता है। मरीजों की आंखों की जांच से लेकर उसका पूरा इलाज रहने खाने की व्यवस्था आश्रम द्वारा निःशुल्क की जाती है। आश्रम में एक बड़ी गौशाला भी है जहां 850 से अधिक गाए हैं।

अमेरिका में बसे...

इसके अलावा संजीव चोपड़ा जो कि हैदराबाद के मूल निवासी हैं वे फिलहाल न्यूजर्सी में है। आश्रम से उनका जुड़ाव सालों का है। प्रतिवर्ष सामूहिक विवाह में शामिल होते हैं। साथ ही डा. केदारनाद अग्रवाल लंदन में रहते हैं और अक्सर आश्रम पहुंचकर सेवा लाभ लेते हैं।

छत्तीसगढ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, कोटा जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

ई- प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 196094 निविदा सूचना क्र. 07/व.ले.लि./ ई-प्रोक्युरमेंट/ 2026-27, दि. 27.07.2026

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 17.08.2026 17:30 बजे तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम:- बिलासपुर जिले के विकास खण्ड तखतपुर अंतर्गत मनियारी नदी में विजयपुर एनीकट निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत:- रू. 570.69 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर)
(विभाग के एस.ओ.आर. दिनांक 01.08.2010 एवं संशोधित दर दिनांक 23.04.2026 पर आधारित)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 03.08.2026 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। अन्य निविदा संबंधी शर्ते विभाग के साईट https://eproc.cgstate.gov.in में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग
कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
जी. 262702386/5

छत्तीसगढ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, केलो परियोजना निर्माण संभाग लाखा जिला-रायगढ़ (छ.ग.)

ई- प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 196137 निविदा सूचना क्र. 01/व.ले.लि./ ई-प्रोक्युरमेंट/ 2026-27, दि. 27.07.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 17.08.2026 समय 17:30 तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम:- रायगढ़ जिले के केलो प्राजेक्ट के तहत पुसौर छत्तीसगढ़ में नए सब डिविजनल ऑफिस बिल्डिंग 03, 04 ओर 05 का निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत रू. 161.17 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर)
(निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 01.08.2010 एवं संशोधित दिनांक 30.04.2026 के आधार पर)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 03.08.2026 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

अन्य निविदा संबंधी शर्ते विभाग के साईट https://eproc.cgstate.gov.in में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।

कार्यपालन अभियंता
केलो परियोजना निर्माण संभाग लाखा
जिला रायगढ़ (छ.ग.)
जी. 262702402/7

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बडों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
असली केंदवा मलहम ®
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें।
रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- सेल्समैन, एकाउंट्स, ऑफिस एग्जीक्यूटिव (स्नातक, MS Excel, Busy, Tally जानकार), मैकेनिकल टेक्नीशियन (5वर्ष अनुभवी), इलेक्ट्रीकल टेक्नीशियन (5वर्ष अनुभवी), पिकअप/ माजदा अनुभवी ड्राइवर (लाइसेंसी), हेल्पर चाहिए। सम्पर्क करें- तिफरा, बिलासपुर 8305541155 (41516)

आवश्यकता है- स्टोर कीपर हेतु लड़के एवं ऑफिस, फील्ड में कार्य करने हेतु लड़के की आवश्यकता है। (समय- 10am से 8pm) वेतन- योग्यता अनुसार। बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- 93019 22223 राजीव प्लाजा बिलासपुर (41517)

आवश्यकता है-दुकान आकर सिलाई करने हेतु महिला लड़की एवं घरेलू कार्य करने हेतु महिला की आवश्यकता है सम्पर्क करें- राजीव गांधी चौक के पास, कुम्हारपारा रोड, बिलासपुर 9098973726 (41512)

आवश्यकता है- चौधरी डेंटल क्लीनिक में कार्य करने हेतु लड़कियों की शीघ्र आवश्यकता है । पता- पीसी ज्वेलर्स के पास सीजी प्लाजा अग्रसेन चौक बिलासपुर समपर्क करें- 70007 21533, 9981909487 (41519)

आवश्यकता है- नौकरी का सुनहरा अवसर! सकरी, बिलासपुर स्थित प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कम्पनी में ऑफिस बॉय (किचन स्टाफ) चाहिए। चाय, नाश्ता एवं ऑफिस किचन कार्य अनुभव वांछनीय। आकर्षक वेतन। सम्पर्क करें- 9589000680 (41483)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में पैकिंग, होम डिलीवरी ट्रांसपोर्टेशन कार्य हेतु पार्ट/ फुल टाइम लड़के की आवश्यकता है। वेतन- 5000 से 12000 (समय अनुसार) सम्पर्क करें- प्रीमियर एजेन्सीज, मेडिकल कॉम्प्लेक्स, तेलीपारा, बिलासपुर (41520)

आवश्यकता है- सुपरवाइजर- 3 पोस्ट, सीनियर सेल्स ऑफिसर- 1 पोस्ट, सेल्समैन- 2 पोस्ट की तत्काल आवश्यकता है। सम्पर्क करें- कैलाश इंडस्ट्रीज, सेक्टर-C, इंडस्ट्रीयल एरिया सिरगिट्टी बिलासपुर 7000157773 (3187)

आवश्यकता है- टूव्हीलर एजेन्सी में सेल्स मैनेजर, सेल्समैन, सर्विस मैनेजर, सर्विस एडवाइजर, डिजीटल कॉलिंग एग्जीक्यूटिव, फील्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव, सेलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- चन्द्र टीवीएस महाराणा प्रताप चौक के पास बिलासपुर 9039167202 (41518)

आवश्यकता है-Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं-ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752-337082 (41510)

आवश्यकता है- एम्बुलेंस चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है सैलरी- 8000 से 10000+ भत्ता, आयु 18 वर्ष से 25 वर्ष तक। बायोडाटा, आधार कार्ड एवं लाइसेन्स सहित सम्पर्क करें- 07869 954646 (41521)

आवश्यकता है- फेब्रिकेशन कार्य हेतु 4 वेल्डर, 8 हेल्पर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से शाम 6बजे तक पता- उमेश इंजीनियरिंग धुरीपारा, मंगला बिलासपुर 9098220011, 80858 88288 (41514)

आवश्यकता है-सुरक्षा एजेन्सी के अन्तर्गत कार शोरुम में इच्छुक गार्ड (आयु 30 वर्ष से 45वर्ष एवं ऊंचाई 5'-5" हो तथा योग्यता 12वीं पास होना चाहिए। वेतनमान 11500 से शुरु इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से शाम 6बजे तक उमा सिक्युरिटी सर्विसेज बहतराई स्टेडियम चौक 9981630084 99816 30042 (41495)

आवश्यकता है-पार्ट टाइम स्कूल में पढ़ाने हेतु अनुभवी/ फ्रेशर शिक्षक, शिक्षिका एवं विद्यालय की सफाई हेतु आया की। सम्पर्क- संस्कार स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, बाजार के पास, उसलापुर 7440549466, 9098546135 (41509)

आवश्यकता है- बिलासा फाइनेंशियल सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स मैनेजर की आवश्यकता है अनुभव एक वर्ष पता- श्रीराम टॉवर के पास, व्यापार विहार, बिलासपुर वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7879923905, 99770 89866 (41515)

आवश्यकता है-आर्य समाज द्वारा संचालित दयानन्द पूर्व माध्यमिक विद्यालय में गणित पढ़ाने हेतु शिक्षिकाओं की आवश्यकता है समय सुबह 8बजे से 11बजे तक पता- दयानन्द विद्यालय नदी किनारे गोड़ पारा बिलासपुर 89821 12133 (41513)

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 20000 फील्ड अधिकारी 16000 कंप्यूटर ऑपरेटर वेतन योग्यतानुसार मेस सुविधा ,आवास फ्री संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016, 7747 000019 (891)

आवश्यकता है-थोक दवा दुकान में दवाइयाँ निकालने, पैकिंग कार्य के लिए सिर्फ ब्वॉयज की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मेलाराम हेमन्त कुमार शॉप नं.-54 मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 79999 34599 (2753)

आवश्यकता है-घर हेतु अनुभवी रसोइया चाहिए केवल शाकाहारी भोजन बनाने में दक्ष, साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने वाला तथा ईमानदार हो, आकर्षक वेतन कार्यस्थल- न्यू सरकंडा, बिलासपुर सम्पर्क करें- 7000549730 (41496)

आवश्यकता है-शहर के प्रतिष्ठित गर्ल्स हॉस्टल में अनुभवी वार्डन, अकाउंटेंट, ड्राइवर एवं महिला सफाई कर्मचारियों की तुरन्त आवश्यकता है। आकर्षक वेतन। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 7000390346, 7987562430, 97559 96699 (41501)

आवश्यकता है-FMCG एवं वेलनेस एजेन्सी में ऑनलाइन कम्प्यूटर बिलिंग करके और प्रोडक्ट देने के लिए लड़का चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार+ आकर्षक इंसेंटिव। जो कम्प्यूटर कोर्स किया हो बायोडाटा व्हाट्स एप करें- 7067124226 (41503)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- साड़ी एवं रेडीमेड दुकान में काम करने हेतु अनुभवी लड़कियों एवं लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- आकांक्षा स्टोर बिलासा चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर 98279 16580, 9827887934 (41506)

आवश्यकता है-होलसेल मेडिकल दुकान में अनुभवी सेल्समैन, माल निकालने हेतु लड़के/ लड़की (अनुभवी) लोकल में माल छोड़ने एवं पैकिंग हेतु लड़को की। बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- जगत एजेन्सी/ ट्रेडर्स तेलीपारा बिलासपुर (41511)

आवश्यकता है-कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर (वेतन- 11000 से 12000 सुबह 9बजे से शाम 7बजे) आफिस रिसेप्शनिष्ट लड़की/ युवती (वेतन 9000 से 10000) सम्पर्क- JBS Infra Property jp Residency तोरवा 9300000195 (41498)

आवश्यकता है- बॉयज हॉस्टल में चौकीदार एवं पुस्तक दुकान में कार्य हेतु युवक चाहिए (ड्राइविंग लाइसेंस हो) वेतन 9000 पता- देवांगन बुक स्टाल E-15 सिटी सेन्टर कॉम्प्लेक्स शिव टॉकीज रोड, बिलासपुर 6262227355 (41480)

आवश्यकता है-टायर एण्ड सर्विस दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी एलाइनमेन्ट टेक्नीशियन, कार वाशिंग हेतु मेहनती लड़के चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गुरुकृपा टायर्स & सर्विसेज गाँधी चौक बिलासपुर 9827168468 (41497)

आवश्यकता है-यश सुपर बाजार में कार्य हेतु लड़कों की अतिशीघ्र आवश्यकता है अनुभवी को वेतन 10000 से प्रारम्भ तत्काल सम्पर्क करें- रिंग रोड नं.-2, गौरव पथ, बिलासपुर (41502)

आवश्यकता है- ड्राइवर की आवश्यकता है Ammaji Traders बिलासपुर में कार्य करने के लिए अच्छे एवं जिम्मेदार ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 6266732985, 9685138652 (41522)

बेचना है

बेचना है- बिलासपुर सीपत मेन रोड पंधी में नयनतारा कॉलेज से पहले 112×127, 61×127, मध्य नगरी चौक श्रीराम ज्वेलर्स के सामने 1800 वर्गफुट कमर्शियल प्लॉट, बिलासपुर तखतपुर मेन रोड कानन पेंडारी 100×156, 50x156, सत्यम चौक लिंक रोड से मगरपारा चौक मेन रोड पर 36×50, 18×50 अपोलो हॉस्पिटल के सामने कृष्णा लॉज के पास 24×64 सम्पर्क- 98278 96182, 9827955199 (41504)

बेचना है-बिलासपुर नगर निगम सीमा से मात्र 8KM दूर पर गनियारी में डायवर्टेड प्लॉट– 600/- प्रति वर्गफुट, बिना डायवर्टेड प्लॉट- 500/-, 450/-, 400/- 350/- प्रति वर्गफुट (उपलब्धता अनुसार) पहले आएँ, पहले पाएँ। केवल वास्तविक इच्छुक खरीदार ही सम्पर्क करें- 789833 3307 (41499)

बेचना है-10×10= 100 फुट दुकान छत नहीं मेन रोड बाजार के पास सिंधी कालोनी में प्राइम लोकेशन में मेंस वेयर हेतु उपयुक्त दुकान बेचना है। (कीमत 14लाख) सम्पर्क करें- 9131242092, 9827938236 (41505)

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारम्भ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार,ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे B.Ed, B.A, B.Com B.Sc, Bca, MCA BBA Llb, M.A, M.Com M.Sc, Mba, Msw, B.Lib, M.Lib, Dca, Pgdca, B.tech M.tech Polytechnic, अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें- Bharti Education Academy Sec.-6, Bhilai 98261 96515, 9826896515 (4157)

फायनेंस

फाइनेन्स-जन कल्याण योजना अंतर्गत पूरेछत्तीसगढ़ मे लोन सिर्फ आधार कार्ड पर 50000 से 25 लाख तक, 1% ब्याज वार्षिक प्रॉपर्टी, पर्सनल बिजनेस दुकानदारी ग्रुप लोन, सिविल खराब लोन पाए सम्पर्क- 93118 30460 (4305)

Advertisement Booking Time 10.30 AM To 4.00 PM

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

खबर संक्षेप

विश्व स्क्वाश जूनियर चैंपियनशिपः मलेशिया से हारी महिला टीम

नई दिल्ली। हाल ही में विश्व जूनियर चैंपियन बनी अनाहत सिंह ने अपना मुकाबला तो जीत लिया, लेकिन भारत की अन्य खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई, जिससे महिला टीम को कनाडा के ओंटारियो में चल रही विश्व स्क्वाश जूनियर टीम चैंपियनशिप में मलेशिया से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के पहले दो मैच हारने के बाद अनाहत ने अंतिम मैच में व्हिटनी विल्सन को 11-2, 11-4, 11-5 से आसानी से हरा दिया। रुद्र सिंह पहले मैच में हरलीन टैन से 5-11, 4-11, 6-11 से हार गई जबकि अनिका दुबे को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में ये सान ली से 8-11, 11-8, 11-8, 10-12, 9-11 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले भारतीय महिला टीम ने अपने पहले मैच में चीनी ताइपे को 3-0 से हराया था। अब टीम का अगला मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा, जबकि पुरुष टीम कुवैत के खिलाफ खेलेगी।

20 साल बाद पाकिस्तान पहुंची कोरियाई हॉकी टीम

इस्लामाबाद। कोरियाई हॉकी टीम 20 साल बाद पहली बार पाकिस्तान दौरे पर पहुंच गई है, जिसमें वह चार मैचों की श्रृंखला खेलेगी। पाकिस्तान हॉकी महासंघ के अधिकारियों ने हवाई अड्डे पर टीम की अगवानी की। पाकिस्तान और कोरिया के बीच 30 जुलाई, 2,4 और 7 अगस्त को मैच खेले जाएंगे। यह श्रृंखला बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप की तैयारी के लिए अहम है। पाकिस्तान ने हाल ही में अपनी टीम के लिए विदेशी कोच नियुक्त किए हैं। पाकिस्तानी टीम 8 साल बाद विश्व कप में भाग लेगी। पिछले साल प्रो लीग में पाकिस्तान एक भी मैच नहीं जीत सका था और नौवें तथा आखिरी स्थान पर रहा।

आईएसएसएफ : सोनम और हिमांशु ने जीता कांस्य

हांगझोउ। राइफल निशानेबाज सोनम उत्तम मस्कर और हिमांशु ढिल्लो ने आईएसएसएफ विश्व कप में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम में कांस्य पदक जीता। भारत के अब इस विश्व कप में एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक हो गए हैं। सोनम ने 317.2 और हिमांशु ने 317.4 स्कोर किया और दोनों का कुल स्कोर 634.6 रहा। फाइनल में सोनम और हिमांशु ने 441.2 अंक बनाकर चीन वन और चीन टू के बाद कांस्य पदक हासिल किया। इलावेनिल और पार्थ चौथे स्थान पर रहे।

पाकिस्तान के खिलाफ वेस्टइंडीज ने बनाई बढ़त

तारौबा। वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन गेंदबाजों के दबदबे के बीच अपनी दूसरी पारी में 7 विकेट पर 126 रन बनाकर पाकिस्तान के खिलाफ 155 रन की बढ़त हासिल कर ली है। सबसे पहले जस्टिन ग्रीव्स ने लगातार 5 विकेट मेडन ओवर फेंकते हुए 27 रन देकर पांच विकेट लिए, जिससे पाकिस्तान ने अपने छह विकेट 38 रन पर गंवा दिए। इस तरह से शान मसूद (109) के सातवें टेस्ट शतक के बावजूद पाकिस्तान की टीम अपनी पहली पारी में 282 रन पर आउट हो गई। इसके बाद पाकिस्तान के गेंदबाजों ने भी कहर बरपाया और पहली पारी में 311 रन बनाने वाले वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को नहीं चलने दिया।

इतिहास के शिखर पर कुशारे, ऊंची कूद में पहली बार भारत को रजत

एजेंसी ▶▶| ग्लास्गो

राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक सर्वेश कुशारे ने पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन कर राष्ट्रमंडल खेलों में इतिहास रच दिया हालांकि वह मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गए। कुशारे ने 2.25 मीटर की ऊंचाई पार कर दूसरा स्थान हासिल किया। जमैका के रोमेन बेकफोर्ड ने स्वर्ण पदक जीता। दोनों खिलाड़ी 2.25 मीटर के बाद 2.28 मीटर पार करने में असफल रहे, लेकिन काउंटबैक नियम के आधार पर बेकफोर्ड को विजेता घोषित किया गया। इंग्लैंड के जैक किमानी ने 2.20 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। अन्य भारतीय खिलाड़ी आदर्श राम 2.15 मीटर की छलांग के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

खेती के कचरे से बने लैंडिंग पिट पर करते थे अभ्यास

इससे पहले राष्ट्रमंडल खेलों में ऊंची कूद में भारत का एकमात्र पदक तेजस्विन शंकर ने 2022 बर्मिंघम खेलों में कांस्य पदक के रूप में जीता था लेकिन 31 वर्षीय कुशारे ने रजत पदक जीतकर उस उपलब्धि को पीछे छोड़ दिया। महाराष्ट्र के नाशिक जिले के देवरगांव के रहने वाले कुशारे के पिता प्याज की खेती करते हैं । वह अपने पिता और बचपन के कोच के बनाए मक्के के छिलके, कपास और खेती के कचरे से बने कामचलाऊ लैंडिंग पिट का इस्तेमाल करके ऊंची कूद का अभ्यास करते थे।

ओलंपिक पदक जीतना चाहता हूं : कुशारे

सर्वेश कुशारे ने जीत के बाद कहा,' यह मेरा पहला पदक है । एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के प्रदर्शन से ओलंपिक की तैयारी में मदद मिलती है। मैं ओलंपिक पदक जीतना चाहता हूं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा।' उन्होंने कहा,' एशियाई खेलों में मेरा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना है।'

शर्मिला ने किया 20 साल का सूखा खत्म, जीता गोल्ड मेडल

दो वर्ष की उम्र में पोलियो का शिकार हुई शर्मिला धनकर राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की पहली पैरा एथलीट बन गई, जिन्होंने महिला शॉट पुट एफ57 स्पर्धा में पहला स्थान हासिल किया। चालीस वर्षीय शर्मिला ने 9.81 मीटर का सत्र का सर्वश्रेष्ठ थ्रो लगाकर स्वर्ण पदक जीता और राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के पैरा एथलेटिक्स पदक के 20 साल के इंतजार को खत्म किया।

मां की मदद से सपना हुआ पूरा : शर्मिला

शर्मिला ने जीत के बाद कहा ,'मैं बहुत खुश हूं। अभी तक विश्वास नहीं हो रहा है और दो-तीन दिन लगेंगे। मेरी मां ने दुनिया से लड़कर मेरा सपना पूरा करने में मदद की। अगला लक्ष्य एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है।'

शिल्पा को विवाद के बाद मिला कांस्य पदक

इस स्पर्धा में एक और भारतीय खिलाड़ी शिल्पा शायला को विवाद के बाद कांस्य पदक प्रदान किया गया। शिल्पा ने 7.26 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया था। शुरुआत में नाइजीरिया की यूचेरिया इयियाजी कांस्य पदक की स्थिति में थीं, लेकिन भारतीय दल की आपत्ति और आधिकारिक समीक्षा के बाद उनके एकमात्र वैध प्रयास को फाउल करार दिया गया। इसके बाद चौथे स्थान पर रहीं शिल्पा शायला को कांस्य पदक मिल गया। पदक में बदलाव की घोषणा के बाद भावुक शिल्पा ने शर्मिला के साथ जश्न मनाया। इस तरह भारत ने इस स्पर्धा में दो पदक हासिल किए।

तैराकी : बैकस्ट्रोक सेमीफाइनल में श्रीहरि

भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज ने राष्ट्रमंडल खेलों की तैराकी स्पर्धा में 100 मीटर बैकस्ट्रोक सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि अनुभवी साजन प्रकाश क्वालीफाइंग राउंड में हीट (शुरुआती दौर) से ही बाहर हो गए। नटराज 55.58 सेकंड का समय निकालकर अपनी हीट में पांचवें और कुल 13वें स्थान पर रहे। नटराज का 50 मीटर के बाद टाइमिंग 26.26 सेकंड था। उनका सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 53.77 सेकंड है, जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। 25 वर्ष के नटराज भारत की चार गुणा 200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले टीम में भी थे, जो फाइनल में छठे स्थान पर रही थी।

श्रीलंका टेस्ट के लिए टीम का ऐलान सारांश को मौका, जडेजा की वापसी

पहला टेस्ट 15 से 19 तक गॉल और दूसरा 23 से 27 अगस्त तक कोलंबो में खेला जाएगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चयनकर्ताओं ने अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। दो टेस्ट मैच की यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। पहला टेस्ट 15 से 19 अगस्त तक गॉल में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 23 से 27 अगस्त तक कोलंबो (एसएससी) में होगा। इस श्रृंखला की तैयारी के लिए भारत 7 अगस्त से चार दिवसीय अभ्यास मैच भी खेलेगा। मध्यप्रदेश के अनुभवी ऑफ स्पिनर सारांश जैन को श्रीलंका में होने वाली श्रृंखला के लिए पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया। हमने रविवार को खुलासा कर दिया था कि वाशिंगटन सुंदर के चोटिल होने के कारण उनकी जगह 33 वर्षीय सारांश को भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। वहीं जडेजा की टीम में वापसी हुई है।

घरेलू क्रिकेट में सारांश का शानदार प्रदर्शन

वाशिंगटन की अनुपस्थिति में शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम को दाएं हाथ के उंगली के स्पिनर (ऑफ स्पिनर) की जरूरत थी, इसी वजह से सारांश को टीम में शामिल किया गया है। चंद्रकांत पंडित की कोचिंग में मध्यप्रदेश की रणजी ट्रॉफी विजेता टीम के प्रमुख सदस्य रहे लंबे कद के ऑफ-स्पिनर सारांश ने हाल ही में भारत ए के श्रीलंका दौरे के दौरान शानदार प्रदर्शन करते हुए दो मैचों में छह विकेट लेने के साथ एक पारी में नाबाद 70 रन भी बनाए थे। रविंद्र जडेजा और मानव सुथार दोनों बाएं हाथ के परंपरागत (ऑर्थोडॉक्स) स्पिनर हैं जबकि कुलदीप यादव बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर हैं, ऐसे में चयनकर्ताओं ने स्पिन विभाग में विविधता लाने के लिए ऑफ स्पिनर के रूप में सारांश का चयन किया।

बुमराह और सुदर्शन टीम में शामिल

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के दौरान संन्यास लेने वाले आर अश्विन की जगह टीम में शामिल किए गए मुंबई के ऑलराउंडर तनुष कोटियन अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बनाए रख पाए, जिससे उन्हें चयन समिति का समर्थन नहीं मिला। टीम में शामिल अन्य खिलाड़ियों का चयन अपेक्षित था। श्रीलंका ए के खिलाफ मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 विकेट लेने वाले दाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ ने अपनी जगह बरकरार रखी है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बल्लेबाज साई सुदर्शन को फिटनेस के आधार पर टीम में शामिल किया गया है। टीम के श्रीलंका रवाना होने से पहले इस महीने के अंत में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा।

टीम इस प्रकार

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जड़ेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन।

ताइपे ओपन : रौनक दूसरे दौर में रित्विक, शंकर और तुषार बाहर

क्वालीफायर में भारतीय खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶| ताइपे सिटी

भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वालीफायर में निराशाजनक रहा। केवल रौनक चौहान ही पुरुष एकल क्वालीफाइंग राउंड के दूसरे दौर में पहुंच पाए। क्वालीफायर में दूसरी वरीयता प्राप्त चौहान ने कनाडा के जोशुआ गुयेन को 21-15, 21-11 से हराया।

उनका अगला मुकाबला चीनी ताइपे के कुआन लिन कुओ से होगा। रौनक को छोड़कर पुरुष एकल क्वालीफायर में भाग लेने वाले अन्य सभी भारतीय खिलाड़ी पहले दौर में ही बाहर हो गए।

तुषार सुवीर ने पेश की कड़ी चुनौती

रित्विक संजीव जापान के क्वालीफायर में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रिकी ताकेई से 10-21, 11-21 से, जबकि शंकर सुब्रमण्यम अमेरिका के गैरेट टैन से 17-21, 10-21 से हार गए। तुषार सुवीर ने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन आखिर में उन्हें चीनी ताइपे के कुआन लिन कुओ से 19-21, 21-16, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा।

2 अगस्त को सोल्जरथॉन राष्ट्रपति दिखाएंगी हरी झंडी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 2 अगस्त को राष्ट्रपति के अंगरक्षकों की 253 साल पुरानी विरासत का जश्न मनाने के लिए आयोजित होने वाली पहली सोल्जरथॉन को हरी झंडी दिखाएंगी। सोल्जरथॉन का उद्घाटन कारगिल युद्ध के 27 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भी किया जाएगा। आयोजकों ने कहा, 'सोल्जरथॉन में अनुभवी धावक, परिवार, छात्र, संस्थान और कॉरपोरेट टीम भाग ले सकती हैं। इसमें 10 किलोमीटर, 5 किलोमीटर और 3 किलोमीटर की दौड़ आयोजित की जाएगी। इस दौरान भारतीय सेना सैन्य प्रदर्शन भी करेगी। राष्ट्रपति का अंगरक्षक दस्ता दुनिया का एकमात्र एयरबोर्न कैवेलरी रेजिमेंट है और भारतीय सशस्त्र बलों की सबसे सीनियर रेजिमेंट है।

फुटबॉल

फ्रेंच फुटबॉल के लीजैंड जिनेदीन जिदान बने फ्रांस टीम के कोच

एजेंसी ▶▶| पेरिस

अपने करिश्माई खेल से महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में गिने जाने वाले जिनेदीन जिदान को फ्रांस का नया कोच बनाया गया है, जो दिदियेर देसचैम्प्स की जगह लेंगे।

फ्रांस फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष फिलिपे दियालो ने एफएफएफ के मुख्यालय पर यह घोषणा की। जिदान के साथ 4 साल का अनुबंध किया गया है। उन्होंने कहा,' यह असाधारण पल है। उस व्यक्ति की वजह से जो मेरे बगल में बैठा है। जिनेदीन फ्रेंच फुटबॉल के लीजैंड रहे हैं और कई साल से वह कहते आए हैं कि उनका एक सपना फ्रांस टीम की बागडोर संभालना है।' 54 वर्ष के जिदान 2021 में रीयाल मैड्रिड छोड़ने के बाद से किसी टीम के कोच नहीं है।

मैं चुनौती के लिए तैयार हूं : जिदान

जिदान ने कहा,' मेरे लिए यह एक सपना है। पांच साल जब मैं कोचिंग नहीं कर रहा था तो मेरे पास एक क्लब का प्रस्ताव था, जिसे मैने फ्रांस टीम के लिए ठुकरा दिया। मैं सिर्फ फ्रांस का कोच बनना चाहता था।' उन्होंने कहा,' मेरे कई जज्बात इससे जुड़े हैं। मैं चुनौती के लिए तैयार हूं । इससे मुझे प्रेरणा मिलती है।' स्पेन के हाथों विश्व कप सेमीफाइनल हारने के बाद देसचैम्प्स 14 साल के कार्यकाल के बाद फ्रांस टीम के कोच के पद से हट गए थे।

एशियाई और 2028 ओलंपिक खेलों पर है फोकस

हार्वर्ड इंतजार करेगा, ओलंपिक नहीं, अनाहत का बड़ा फैसला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विश्व जूनियर चैंपियन स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने खुलासा किया है कि उन्होंने 2028 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में पदक जीतने के लिए तैयारियों को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष प्रतिष्ठित हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने की योजना फिलहाल टाल दी है।

अनाहत भी अपनी बड़ी बहन अमीरा के नक्शेकदम पर चलकर हार्वर्ड में उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहती है। लेकिन अपने पांचवें और अंतिम प्रयास में विश्व जूनियर चैंपियन बनने के बाद यह 18 वर्षीय खिलाड़ी अपना सारा ध्यान इस साल होने वाले एशियाई खेलों और 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों की तैयारी में लगाना चाहती है।

अनाहत ने कहा- पीवी सिंधू को अपना आदर्श मानती हैं, जो उन लोगों में शामिल थीं जिन्होंने ओंटारियो में उनकी ऐतिहासिक जीत पर सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दी थी। पीवी सिंधू से बधाई संदेश मिलना महत्वपूर्ण था। मैं लगभग चार या पांच साल की उम्र से उनका अनुसरण कर रही हूं और जब से मैंने खेल जगत में कदम रखा है, वह मेरे लिए प्रेरणा रही हैं।' उन्होंने कहा, 'मिस्र का बुनियादी ढांचा बहुत अच्छा है और इसलिए वह सर्वश्रेष्ठ है। पिछली बार विश्व जूनियर चैंपियनशिप मिस्र में हुई थी।

पढ़ाई की जगह खेल को तवज्जो : अनाहत ने कहा, 'मुझे इस साल कॉलेज जाना था, लेकिन एशियाई खेलों के कारण मैंने एक साल का ब्रेक लेने का फैसला किया। अब मुझे समझ आ गया है कि लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों की तैयारियों के लिहाज से यह साल मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।'

कार्यालय नगर पंचायत घरघोड़ा जिला - रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक / 805/न.पं./प्र.मं.आ.यो. 2.0/2026-27 घरघोड़ा दिनांक 23/07/2026

दावा आपत्ति आमंत्रण सूचना

राज्य शहरी विकास अभिकरण, छत्तीसगढ़ इंद्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर जिला रायपुर (छ.ग) का पत्र क्रमांक /9/ सूडा/PMAY-U 2.0/2024-25/8794 अटल नगर नवा रायपुर दिनांक 13/03/2026 के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0- सबके लिए आवास मिशन BLC घटक अंतर्गत स्वंय की भूमि पर काबिज हितग्राहियों को निर्धारित दिशा – निर्देश अनुसार कट - ऑफ तिथि दिनांक 31 अगस्त 2024 के पूर्व काबिज हितग्राहियों के आवेदन पत्रों पर नगर पंचायत घरघोड़ा द्वारा हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त कर सर्वेकर्ता द्वारा सत्यापन कर पट्टाधारी/भू-स्वामी के कुल 43 हितग्राहियों की चतुर्थ सूची तैयार की गई है (सूची संलग्न है)। उक्त हितग्राहियों का काबिज, भूमि विवाद मुक्त होने पर उक्त हितग्राहियों का डी.पी.आर. तैयार कर आवास स्वीकृति किया जाना है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति को प्रकाशित सूची में किसी प्रकार का कोई दावा आपत्ति हो तो 07 दिवस के भीतर नगर पंचायत घरघोड़ा कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। उक्त तिथि उपरांत किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सूचना जाने। संलग्न:- उपरोक्तानुसार हितग्राहियों की सूची।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत घरघोड़ा

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ट्रैक मशीन स्टेबलिंग साइडिंग का निर्माण हेतु निविदा सूचना

कम सं (1): ई-निविदा संख्या: डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-140-26-27, दिनांक 22.07.2026 कार्य का नाम : वरिष्ठ मंडल अभियंता/मध्य/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत कलमीटार, सलकारोड, उसलापुर, जयरामनगर, टेंगनमाड़ा, खोंगसरा, खोडरी, वेंकटनगर, जैतहरी और छुलहा में ट्रैक मशीन स्टेबलिंग साइडिंग का निर्माण। निविदा मूल्य: ₹ 9,92,58,969.31/-। अमानत राशि: ₹ 19,85,200.00/-। कार्य पूर्णता की अवधि: 18 माह। निविदा जमा करने की आरंभ तिथि: दिनांक 04/08/2026 के 11:00 बजे से। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि: दिनांक 18/08/2026 के 11.00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओ हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/306 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

आउटसोर्सिंग कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा संख्या टीआरडी-बीएसपी-314-26-27-8 दिनाँक: 14/07/2026 कार्य : (1) बिलासपुर मंडल के बिलासपुर-अनूपपुर सीआईसी सेक्शन में स्थित पीएसआई परिसंपतियों के निवारक अनुरक्षण, मॉनिटरिंग तथा मैनिंग (संचालन हेतु कार्मिक उपलब्ध कराना) कार्यो का 24 माह की अवधि के लिए आउटसोर्सिंग। (2) बिलासपुर मंडल के सीआईसी सेक्शन के अनूपपुर-कटनी तथा अनूपपुर-अम्बिकापुर सेक्शन में स्थित पीएसआई परिसंपतियों के निवारक अनुरक्षण, मॉनिटरिंग तथा मैनिंग (संचालन हेतु कार्मिक उपलब्ध कराना) कार्यो का 24 माह की अवधि के लिए आउटसोर्सिंग। निविदा मूल्य : ₹ 7,56,62,874.15/-। बयाना राशि : ₹ 5,28,300.00/-। निविदा दस्तावेज मूल्य : ₹ 10,000.00/-। निविदा जमा करने की तिथि व समय : दिनांक 14.08.2026 के 15:00 बजे तक।

पात्रता के मापदंड तथा अन्य विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर पधारें। निविदा सूचना को वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (क.वि.), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड से भी देखे जा सकते हैं।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (TRD)
सीपीआर/10/303 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

वैज्ञानिकों ने इंसान के दिमाग से ढूंढ निकाला 60 करोड़ साल पुराना रहस्य

लंदन। क्या आप जानते हैं कि पौराणिक कहानियों में दिखाई जाने वाली 'तीसरी आंख' केवल एक कल्पना नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक सच हो सकती है? ग्रीक कहानियों के विशालकाय 'साइक्लोप्स' (एक आंख वाले राक्षस) की तरह हमारे दिमाग में भी एक आंख छुपी हुई है। वैज्ञानिकों की एक नई खोज ने दावा किया है कि इंसानों और रीढ़ की हड्डी वाले सभी जीवों का एक ऐसा पूर्वज था, जिसके माथे के ठीक बीच में केवल एक ही आंख हुआ करती थी। आज भले ही हम अपनी दो आंखों से दुनिया देखते हैं, लेकिन उस 60 करोड़ साल पुरानी आंख का अवशेष आज भी हमारे दिमाग के अंदर महफूज है।

क्या हम सब एक आंख वाले राक्षस की संतान हैं?

60 करोड़ साल पुराना हमारा अनोखा पूर्वज

करीब 60 करोड़ साल पहले समुद्र की गहराइयों में एक बेहद छोटा कीड़े जैसा जीव रहता था। वह ना तो ज्यादा तैरता था और ना ही इधर-उधर भागता था। वह एक ही जगह टिककर पानी से अपना खाना छानता था। वैज्ञानिकों का मानना है कि शुरुआत में उसके पास दो आंखें थीं, लेकिन एक ही जगह रहने की वजह से उसे देखने की जरूरत खत्म हो गई। समय के साथ उसकी दोनों आंखें गायब हो गईं और माथे के बीच में सिर्फ एक रोशनी महसूस करने वाली आंख बची। इसे 'साइक्लोप्स' की तरह एक अकेली आंख कहा जा सकता है।

एक आंख से वापस दो आंखें कैसे बनीं?

लाखों साल बाद जब इस जीव की नई नस्लों ने पानी में तैरना शुरू किया, तो उन्हें शिकार ढूंढने और दुश्मनों से बचने के लिए बेहतर नजर की जरूरत पड़ी। लुंड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डैन-ई निल्सन के मुताबिक, विकासक्रम ने नई आंखें बनाने के बजाय उसी पुरानी बीच वाली आंख के हिस्सों का इस्तेमाल किया। इसी से वो दो आंखें बनीं, जिनसे आज इंसान और अन्य जीव देखते हैं।

आपके दिमाग में आज भी मौजूद है वो 'तीसरी आंख'

इस रिसर्च का सबसे चौंकाने वाला सच यह है कि वो पुरानी अकेली आंख पूरी तरह खत्म नहीं हुई। वैज्ञानिकों का कहना है कि वो पुरानी आंख आज भी हमारे दिमाग के अंदर 'पाइनियल ग्लैंड' के रूप में मौजूद है। यह दिमाग का एक छोटा सा हिस्सा है जो आज हमें देखने में मदद तो नहीं करता, लेकिन यह रोशनी और अंधेरे को पहचानता है।

पानी पर तैरते 500 मीटर लंबे पुल पर लोग चलाते हैं गाड़ियां

बीजिंग। आज हम आपको चीन के एक ऐसे अनोखे ब्रिज के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 60 मीटर गहरी नदी के ऊपर बना है। इस ब्रिज को लकड़ी से बनाया गया है जो नदी के पानी पर तैरता है। इसका नाम शिजिगुआन फ्लोटिंग ब्रिज है, जो चीन के हुबेई प्रांत स्थित एनशी प्रिफेक्चर की हसीन वादियों में बना है। यह अपनी अनूठी वास्तुकला के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। लगभग 500 मीटर लंबा और 4.5 मीटर चौड़ा यह लकड़ी का पुल पानी के ऊपर बिछाया गया है।

एआई क्या इंसानों से आगे निकलने वाला है?

वॉशिंगटन। आज तक एआई को भविष्य की टेक्निक माना जाता था, लेकिन अब दुनिया के दो सबसे चर्चित टेक लीडर इसे वर्तमान की हकीकत बता रहे हैं। इन दिनों ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और टेस्ला और एक्स के प्रमुख एलन मस्क की एआई को लेकर कही बात चर्चा में है। एक ओर जहां सैम ऑल्टमैन का कहना है कि, दुनिया एआई सिंगुलैरिटी के दौर में प्रवेश कर चुकी है। वहीं, एलन मस्क ने दावा किया है कि, अगले पांच सालों में एआई इंसानी समझदारी से आगे निकल सकता है। इन दोनों बयानों ने एआई के भविष्य और उसके असर पर नई बहस छेड़ दी है।

सैम और एलन की भविष्यवाणी ने बढ़ाई दुनिया की चिंता

आखिर क्या है एआई सिंगुलैरिटी

एआई सिंगुलैरिटी उस काल्पनिक मोड़ को कहा जाता है, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंसानी दिमाग के बराबर या फिर उससे आगे निकल जाए। इसके बाद एआई खुद को कही ज्यादा बेहतर बनाने लगे। वो अपनी ग्रोथ को इतना फास्ट कर ले कि इंसानों के लिए उसकी स्पीड को समझना या फिर कंट्रोल करना मुश्किल हो जाए।

एलन मस्क की चेतावनी

एलन मस्क ने द इकोनॉमी को दिए अपने हालिया इंटरव्यू में कहा है कि, 'अगले पांच सालों के अंदर एआई इंसानों की समझदारी और अक्लमंदी से आगे निकल सकता है'। उन्होंने ये भी कहा कि, अगर वक्त रहते एआई का विकास सही दिशा में कंट्रोल नहीं हुआ तो इंसानों के लिए नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। हालांकि, एलन मस्क ने ये भी माना कि एआई से साइंस, इंड्रस्टी और इकोनॉमी में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

सैम ऑल्टमैन का सबसे बड़ा दावा

दरअसल, सैम ऑल्टमैन और एलन मस्क के हाल ही में दिए गए बयानों ने ये सवाल फिर से खड़ा कर दिया है कि, क्या इंसान और मशीनों के रिश्ते का सबसे बड़ा मोड़ अब सामने है। सैम ऑल्टमैन ने हाल ही में कहा कि, 'दुनिया अब उस दौर में पहुंच चुकी है, जिसे लंबे समय से एआई सिंगुलैरिटी कहा जाता रहा है।' उनके मुताबिक अब एआई कई मामलों में इंसानों की योग्यता को बढ़ा रहा है और ये बदलाव धीरे-धीरे हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनते जा रहा है। उनका मानना है कि, ये कोई अचानक से नहीं हुआ, बल्कि ये लगातार आगे बढ़ने की एक प्रोसेस है।

दुनिया के सबसे बड़े देश पर मकड़ियों ने किया अटैक

मास्को। रूस इन दिनों एक ऐसे खतरे का सामना कर रहा है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। दुनिया के सबसे बड़े देश के कई हिस्सों में पहली बार जहरीली ब्लैक विडो मकड़ियां देखी गई हैं। इन मकड़ियों की मौजूदगी ने वैज्ञानिकों, स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मौजूदा परिस्थितियां बनी रहीं तो आने वाले समय में ये मकड़ियां रूस के और भी उत्तरी इलाकों के साथ-साथ राजधानी मॉस्को तक स्थायी रूप से पहुंच सकती हैं। हाल ही में रूस के कई क्षेत्रों से ब्लैक विडो मकड़ियों के देखे जाने की खबरें सामने आई हैं। इनमें ओरेनबर्ग, कुर्गान, नोवोसिबिर्स्क, ओम्स्क, सारातोव और स्वेर्दलोव्स्क जैसे इलाके शामिल हैं। खास बात यह है कि इन क्षेत्रों में पहले कभी इस प्रजाति की मौजूदगी दर्ज नहीं की गई थी। यही वजह है कि वैज्ञानिक इस बदलाव को गंभीरता से ले रहे हैं। रूसी कीट वैज्ञानिक फ्योदोर मार्तीनोवचेंको के अनुसार, ब्लैक विडो मकड़ियां अब उन इलाकों में भी दिखाई दे रही हैं जहां पहले का मौसम इनके जीवित रहने के लिए अनुकूल नहीं माना जाता था। उनका मानना है कि बढ़ते तापमान और बदलती जलवायु के कारण अब इन मकड़ियों के लिए नए क्षेत्रों में भी जीवित रहना संभव हो गया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com